चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 3 अप्रैल 2024
वर्ष 5, अंक 136, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

चुनाव के बाद सुधर सकते हैं भारत-पाक रिश्ते 16

बॉलीवुड के सुपरस्टार का दोस्त उड़ाते थे मजाक 15

एसबीआई का चुनावी बॉण्ड के एसओपी के खुलासे से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरटीआई के जवाब में गोपनीयता के तहत दी छूट का दिया हवाला

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शाखाओं से जारी किए चुनावी बॉण्ड की बिक्री और भुनाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का खुलासा करने से इनकार कर दिया है।

एसबीआई ने आरटीआई के जवाब में व्यावसायिक गोपनीयता के तहत दी गई छूट का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से मना किया। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक आवेदन में अंजलि भारद्वाज ने चुनावी बॉण्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए एसओपी का विवरण मांगा था। एसबीआई के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी और उप महाप्रबंधक एम कन्ना बाबू ने अपने जवाब में 30 मार्च को कहा कि अधिकृत शाखाओं को समय-समय पर जारी चुनावी बॉण्ड योजना-2018 की एसओपी आंतरिक दिशानिर्देश हैं, जिन्हें आरटीआई के तहत छूट दी गई है। आरटीआई कानून की धारा 8(1)(डी) वाणिज्यिक विश्वास, कारोबारी गोपनीयता या बौद्धिक संपदा सहित ऐसी जानकारी के खुलासे से छूट देती है, जिसे बताने से प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान होगा।

दोषसिद्धि के खिलाफ मुख्तार की अपील पर कोर्ट ने सुनवाई रोकी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्तार अंसारी की मौत पर संज्ञान लेते हुए मंगलवार को उस मामले को बंद कर दिया, जिसमें उसने 24 साल पुराने मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा खुद को पांच साल कारावास की सजा सुनाए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। मुख्तार अंसारी ने जेल में रहते हुए सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने अंसारी के निधन संबंधी बयान पर संज्ञान लेते हुए कहा, याचिकाकर्ता अब जीवित नहीं है। इसलिए सुनवाई की प्रक्रिया समाप्त की जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रुद्रपुर में विजय शंखनाद रैली में जनता को संबोधित कर उत्तराखंड में फूंका चुनावी बिगुल

तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा : मोदी

कार्यालय संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रुद्रपुर में विजय शंखनाद रैली से उत्तराखंड में चुनावी बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने इसको प्रचार नहीं विजय रैली करार देते हुए कहा कि तीसरे टर्म की शुरुआत में अब 75 दिन से भी कम का समय है। इस टर्म में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। भ्रष्टाचार, गरीब और मध्यम वर्ग का हक छीनता है और वह ऐसा नहीं होने देंगे।

एफसीआई के सामने मोदी मैदान में विजय शंखनाद रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दो खेमे बन गए हैं। एक तरफ ईमानदारी और पारदर्शिता है, दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। ये भ्रष्टाचारी, मोदी को धमकी और गाली दे रहे हैं। मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ वे कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। मोदी इनकी गालियों और धमकियों से डरने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि ऊधमसिंह नगर को मिनी इंडिया कहा जाता है। देवभूमि और मिनी इंडिया से मिले प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। उत्तराखंड को विकसित बनाना और सबसे आगे ले जाना है इसलिए भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। 10 वर्षों में जितने विकास कार्य हुए हैं, उतने आजादी के 60-65 वर्षों में नहीं हुए। आज हर प्रकार की कनेक्टिविटी है। 85 हजार पक्के मकान, 12 लाख घरों में पानी, 5.5 लाख शौचालय, 5 लाख महिलाओं को उज्ज्वला गैस कनेक्शन, 3 लाख को स्वामित्व योजना में प्रापर्टी कार्ड देना, 35 लाख लोगों के बैंक खाते खुलवाए गए हैं। 2200 करोड़ की विकास योजनाएं दी हैं। यह तभी संभव है जब नीयत सही तो नतीजे सही।

मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी करने की गारंटी

हमारा लक्ष्य देश को दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाना है, इससे नौकरी के अवसर व कमाई बढ़ेगी। इसका लाभ देवभूमि को भी होगा। उत्तराखंड में एम्स आया, यह दशक उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। यह मोदी की गारंटी से हुआ है और मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी करने की गारंटी है। इस गारंटी ने घर-घर में सुविधाएं पहुंचाई और स्वाभिमान बढ़ाया है।

मोदी मेहनत करने के लिए पैदा हुआ है

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष कहता है कि मोदी थकता नहीं, रुकता नहीं है। मेरी जगह कोई और होता तो मौज करता मैं जनता के लिए मेहनत करने के लिए पैदा हुआ हूं। बीते 10 सालों में जो विकास हुआ सब जानते मानते हैं, लेकिन मोदी नहीं मानता है। जो 10 सालों में हुआ ट्रेलर था, अभी बहुत कुछ बाकी है। देश और प्रदेश को बहुत आगे लेकर जाना है।

रमज़ान मुबारक
तेईसवां रोज़ा इफ्तार - 03 अप्रैल 2024
सुन्नी - 06:36 बजे | शिया- 06:42 बजे
चौबीसवां रोज़ा सहरी - 04 अप्रैल 2024
सुन्नी - 04:35 बजे | शिया- 04:28 बजे
नोटः- सहरी व इफ्तार में क्षेत्रवार समय में परिवर्तन हो सकता है।
माह-ए-रमज़ान की दिली मुबारकबाद
An ISO 9001:2015 Certified Company
NOOR GLASS FABRICATION
If U Can Dream We Can Build
Bajrang Dhaba, Opp. SBI Bank, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
9761560515
e-mail : ahmadmuneer13@gmail.com
website : www.noorglassfabrication.com

वे माफिया को संरक्षण देते थे... उन्हें उनकी जगह भेजा : योगी

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सीएम बोले- सुरक्षा निवेश और रोजगार मोदी सरकार का उपहार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दस साल के शासन में सुरक्षा, निवेश और नौजवानों को रोजगार प्रधानमंत्री मोदी की देन है। इसके साथ आस्था का सम्मान किया गया है और देश की छवि को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है। मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की बुलंदियों को छू रहा है। इसी वजह से पूरे देश में चहुंओर एक ही आवाज गूंज रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले माफिया को प्रश्रय देकर बमबाजी कराई जाती थी, हमने उनको उनकी जगह भेज दिया है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को बरेली इंटर कॉलेज के मैदान पर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने 18 मिनट के भाषण में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि एक तरफ फैमिली फर्स्ट की बात करने वाले लोग हैं, जिन्होंने दंगा और कर्फ्यू पॉलिसी से विकास को अवरुद्ध किया तो दूसरी तरफ नेशन फर्स्ट के तहत देश में बेहतर सुरक्षा का माहौल देने वाली मोदी सरकार है। कहा, वे लोग अपराधियों और माफिया को प्रश्रय देते थे। कांवड़ यात्रा में कर्फ्यू लगवाते थे। हमने कहा कि कर्फ्यू नहीं लगेगा और कांवड़ यात्रा जरूर चलेगी।

मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी विपक्षी दलों की घेराबंदी की। कहा, एक तरफ भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले इंडी गठबंधन से जुड़े लोग हैं तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करने वाली मोदी सरकार है। एक तरफ तुष्टिकरण के तहत चेहरे देखकर योजनाओं का लाभ देकर आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले हैं तो दूसरी तरफ सबका साथ सबका विकास के साथ भारतीय आस्था को सम्मान देने भाजपा की सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उधर स्वार्थ का परिवार है तो इधर 140 करोड़ का मोदी का परिवार है। एक तरफ जातिवाद है तो दूसरी तरफ हर गरीब को योजना का लाभ देने वाले हैं।

बुलंदियों को छू रहा भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें बरेली आने का अवसर मिला था। उस समय ढेर सारी सौगातें दी थीं। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व भारत विकास की बुलंदियों को छू रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, हाईवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, आईआईटी, एम्स, वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज, गांव-गांव कनेक्टिविटी जैसी तमाम सुविधाएं मोदी सरकार की देन हैं। गरीब कल्याण की योजनाओं का तो कोई सानी ही नहीं है।

संजय सिंह को जमानत, आम आदमी पार्टी के खिलाफ ईडी के नए आरोप

चुनावी चंदे के रूप में आप को दी गयी दो करोड़ रुपये रिश्वत

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को मंगलवार को जमानत दे दी। ईडी ने कहा था कि अगर सिंह को जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद मंगलवार को ही ईडी ने आप के खिलाफ भ्रष्टाचार के नए आरोप लगाए और कहा कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के पूर्व मुख्य अभियंता ने विभाग में सहयोगियों और दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी को रिश्वत के दो करोड़ रुपये चंदे के रूप में हस्तांतरित किए थे।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को रिहा करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि आप नेता राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं, लेकिन इस संबंध में बयान नहीं दे सकते। सिंह की रिहाई ऐसे समय हो रही है जब आप के सामने नेतृत्व का संकट है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इस मामले में तिहाड़ जेल में हैं। पीठ ने कहा कि सिंह को दी जमानत का आशय हुआ कि इस आदेश से केजरीवाल सहित जेल में बंद आप नेताओं को राहत नहीं मिलने वाली है।

भाजपा में जाने या गिरफ्तारी के लिए तैयार रहने की दी गई सलाहः आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को दावा किया कि उनके करीबी व्यक्ति ने उनसे कहा था कि उन्हें भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए या ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने को तैयार रहना चाहिए। आतिशी ने दावा किया कि मेरे अलावा मंत्री सौरभ भारद्वाज, विधायक दुर्गेश पाठक और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को भी गिरफ्तार किया जाएगा। उन्हें बताया गया था कि आने वाले दिनों में ईडी उनके और रिश्तेदारों के आवास पर छापे मारेगा। उसके बाद समन भेजा जाएगा और गिरफ्तारियां होंगी।

पूर्व मुख्य अभियंता से हुई वसूली

ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व मुख्य अभियंता द्वारा आप को रिश्वत के दो करोड़ रुपये चुनावी चंदे में देने का आरोप लगया। आप पर नया आरोप ऐसे वक्त लगा है जब ईडी ने डीजेबी के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश अरोड़ा, उनकी पत्नी अलका, उप-ठेकेदार और इंटीग्रल स्क्रू इंडस्ट्रीज के मालिक अनिल अग्रवाल व एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की 8.8 करोड़ की संपत्ति अस्थायी कुर्क की है। ईडी ने अरोड़ा और अग्रवाल को जनवरी में गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि केजरीवाल आबकारी घोटाले के सरगना हैं और धनशोधन के दोषी हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती वाली याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि राजनीतिक दल, जो अपराध की आय का 'प्रमुख लाभार्थी' था, ने केजरीवाल के माध्यम से अपराध किया है।

पांच राज्यों में दो आईजी, आठ डीएम, 12 एसपी के तबादले

नई दिल्ली, एजेंसी

- नियमित समीक्षा के तहत निर्वाचन आयोग ने किया बदलाव

निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के लिए नियमित समीक्षा के तहत मंगलवार को पांच राज्यों में दो पुलिस महानिरीक्षकों (आईजी), आठ डीएम और 12 एसपी के तबादले का आदेश जारी किया।

आयोग ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी उपस्थित थे। आयोग ने लोकसभा चुनाव के लिए तारीखों की 16 मार्च को घोषणा की थी। ये चुनाव सात चरणों में, 19 अप्रैल से एक जून तक होंगे। मतगणना चार जून को होगी। आयोग ने कहा कि स्थानांतरित किए संबंधित राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया है कि वे आईएएस और आईपीएस के नामों की सूची आयोग को भेजें। स्थानांतरित किये गए पुलिस महानिरीक्षकों में आंध्र प्रदेश के गुंटुर क्षेत्र और ओडिशा में मध्य क्षेत्र के आईजी हैं। अन्य अधिकारियों में बिहार के भोजपुर के डीएम- एसपी, नवादा के डीएम-एसपी व असम में उदलगिरि के डीएम हैं।

निर्वाचन आयोग ने विशेष पर्यवेक्षक किए नियुक्त

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित करने को मंगलवार को कई राज्यों में प्रशासनिक, सुरक्षा और व्यय निगरानी के मकसद से विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की।

आयोग ने कहा कि ये विशेष पर्यवेक्षक काम की पृष्ठभूमि वाले पूर्व नौकरशाह हैं तथा इनसे कहा गया है कि ये धनबल, बाहुबल और गलत सूचना से पैदा होने वाली चुनौतियों की निगरानी करें। आयोग का कहना है कि विशेष पर्यवेक्षकों को प.बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में तैनात किया गया है।

चित्रकूट में ऑटो-ट्रक की टक्कर में 7 की मौत

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोग।

अमृत विचार: मिर्जापुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह ऑटो और 12 टायरा ट्रक की टक्कर में पांच श्रद्धालुओं सहित सात की मौत हो गई। एक घायल युवक का इलाज प्रयागराज में चल रहा है। हादसा तब हुआ जब ऑटो चालक ओवरटेक कर रहा था। मृतकों में हमीरपुर के भाई-बहन और कन्नौज के तीन लोग भी हैं।

सुबह साढ़े पांच बजे चित्रकूट धाम कर्वी रेलवे स्टेशन से सवारियां लेकर ऑटो तीर्थक्षेत्र जा रहा था। सम्राट ढाबा के पास ऑटो चालक ने ट्रक को ओवरटेक किया तो सामने से आ रहे 12 टायरा ट्रक से टकरा गया। ऑटो यात्री ट्रक के नीचे आ गए और उनकी मौत हो गई। तीन लोग क्षतिग्रस्त ऑटो में फंस गए। पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल भेजा। वहां पांच लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन को प्रयागराज रेफर कर दिया। रास्ते में दो और लोगों की मौत हो गई। एसपी अरुण सिंह ने बताया कि सुमित साहू (14) निवासी भरुआ सुमेरपुर घायल है।

बाराबंकी में पलटी बस, 3 बच्चों समेत 4 की मौत

बाराबंकी : सरकारी स्कूल के बच्चों को शैक्षिक भ्रमण पर लेकर लखनऊ गई निजी बस वापसी में हादसे का शिकार हो गई। इसमें तीन बच्चों समेत कंडेक्टर की मौत हो गई। 2 बच्चे और बाइक सवार लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजे गए। जबकि तीन दर्जन बच्चे घायल हो गए। बस में 42 बच्चे समेत ड्राइवर-कंडेक्टर और शिक्षकों सहित कुल 50 लोग थे। मुख्यमंत्री योगी ने आलाधिकारियों को घायलों के इलाज कराने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, सभी बच्चे विकासखंड सूरतगंज के कंपोजिट विद्यालय हरक्का के हैं। शाम को वापस सूरतगंज जाते समय देवा कोतवाली क्षेत्र के सलारपुर गांव के पास बाइक सवार को बचाने में बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में छात्रा मानसी (12), शुभी (12), कामिनी (17) समेत कंडेक्टर सूफियान (38) की मौत हो गई। राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत और पूर्व एमएलसी राजेश यादव आदि मौके से लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

- शैक्षिक भ्रमण पर बच्चे गए थे लखनऊ जू, तीन दर्जन घायल
- मुख्यमंत्री ने घायल बच्चों के इलाज के दिए निर्देश

एक नजर

बारामूला में आतंकियों के तीन सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर बारामूला जिले के सोपोर इलाके से मंगलवार को सुरक्षा बलों ने आतंकियों के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उनके कब्जे से एक पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने जांच के लिए एक संयुक्त चौकी स्थापित की और वहां देखा कि तीन संदिग्ध मौके से भागने का प्रयास कर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, दल ने उन्हें पकड़ लिया। उनकी पहचान फैसल अहमद कांचरू, आकिब मेहराज काना और आदिल अकबर गोजरी के रूप में की गई है।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में नौ नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नौ नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लेंड्रा गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नौ नक्सलियों को मार गिराया है। गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल में डीआरजी, एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे।

माफीनामा दिखावा, खुद पेश हों बाबा रामदेव : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

भ्रामक विज्ञापनों से जुड़ा अवमानना का मामला

उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न बीमारियों के इलाज से संबंधित पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े अवमानना के एक मामले में योग गुरु बाबा रामदेव और उनके शिष्य आचार्य बालकृष्ण के माफीनामे को मंगलवार को दिखावा करार देते हुए खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में पतंजलि के बड़े-बड़े दावों और कोविड महामारी के चरम दौर में एलोपैथी को बदनाम करने पर केंद्र की कथित निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया और पूछा कि सरकार ने क्यों अपनी आंखें मूंदे रखीं?

> पीठ ने कहा आपने हर बाधा तोड़ दी है। अब यह कहना कि आपको खेद है, स्वीकार्य नहीं है। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा कि उनकी माफी इस अदालत को संतुष्ट नहीं कर पा रही हे और हमें लगता है कि यह कोरी बयानबाजी मात्र है।

कोर्ट ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में उन्हें एक सप्ताह के भीतर अपना स्पष्ट हलफनामा दाखिल करने का आखिरी मौका दिया और मामले पर विचार के लिए 10 अप्रैल की तारीख मुकर्रर कर दी। उस दिन बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को पेश होने का निर्देश भी दिया। पीठ के समक्ष मंगलवार को बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित थे। उन्होंने अपने वकील बलबीर सिंह के माध्यम से अदालत के समक्ष यह कहना चाहा कि वे मामले में हलफनामा दायर करने में अपनी विफलता के लिए माफी मांगना चाहते हैं। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा, अवमानना का उद्देश्य किसी व्यक्ति को यह एहसास कराना है कि कानून का गौरव सबसे ऊपर है।" पीठ ने समाज में बाबा रामदेव के रुतबे के मद्देनजर कहा, उनकी जिम्मेदारी एक आम नागरिक से भी अधिक कठिन है। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। चिकित्सा के अन्य क्षेत्र को अपमानित करना अस्वीकार्य है। पीठ ने पतंजलि प्रबंध निदेशक के हलफनामे के उस बयान की भी निंदा की, जिसमें कहा गया था कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स (मैजिक रेमेडीज) अधिनियम पुरातन है। पीठ ने टिप्पणी की, क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि प्रत्येक पुरातन अधिनियम को लागू नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, आपने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था और आपका विज्ञापन दो महीने बाद आया। शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता विपिन सांघवी की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि विज्ञापन मीडिया विभाग द्वारा जारी किए गए थे, जो अदालत के समक्ष इस मामले में चल रही कार्यवाही से अनभिज्ञ था। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जो कुछ भी हुआ वह नहीं होना चाहिए था। सुझाव दिया कि वह वकील के साथ बैठेंगे और अदालत में दाखिल करने के लिए हलफनामा तैयार करेंगे। इस पर पीठ ने कहा, हमें आश्चर्य है कि भारत सरकार ने अपनी आंखें क्यों बंद रखीं।

कारोबारी के नाबालिग बेटे की कार ने रौंदा, दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- किशोर और उसके पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: महानगर क्षेत्र में मंगलवार तड़के शराब व्यवसायी के नाबालिग बेटे ने 100 की रफ्तार में कार दौड़ाकर दो महिलाओं को रौंद दिया। अस्पताल में डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नाबालिग चालक और उसके पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महानगर थाना क्षेत्र के पेपर मिल कॉलोनी निवासी साइदा बानो (54) और शबनम (40) सुबह 4:50 बजे घर के सामने खड़ी थी। मेट्रो अपार्टमेंट की ओर से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से कार आई और साइदा व शबनम को रौंदते हुए दो बाइकों को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद कार छोड़कर भाग रहे चालक को दबोच कर लोग पीटने लगे। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस चालक को भीड़ से बचाकर थाने ले गई। घायल साइदा और शबनम को अस्पताल भेजा गया, जहां डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एडीसीपी मध्य रवीना त्यागी ने बताया कि आरोपी चालक की उम्र 15 साल है। आरोपी और उसके पिता प्रतीक जायसवाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अबकी बार छोटेलाल, जिलाध्यक्ष ने कहा- अभी थोड़ा ठहर जाओ

नवाबगंज, अमृत विचार : टिकट के लिए कांग्रेस छोड़कर बसपा में आए पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार पार्टी की ओर से अब तक उन्हें प्रत्याशी घोषित न करने पर बेसब्र हो उठे। उन्होंने खुद को बसपा प्रत्याशी घोषित कर प्रचार भी शुरू कर दिया। जिलाध्यक्ष ने उन्हें प्रत्याशी घोषित किए जाने से इन्कार किया तो अब इस प्रचार के लिए प्रिंटर को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

एक पोस्टर मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें पूर्व विधायक गंगवार ने बसपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह के साथ अपना फोटो लगाकर खुद को बरेली लोकसभा क्षेत्र में बसपा प्रत्याशी बताया था। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर उनकी ही आईडी

- **पूर्व विधायक ने खुद को घोषित किया बसपा प्रत्याशी, पार्टी के नेताओं ने नकारा**

से वायरल हुआ। यह मामला बसपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह और मंडल कोऑर्डिनेटर ब्रहमस्वरूप सागर तक पहुंचा तो उन्होंने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। बताया कि अभी पार्टी ने बरेली से प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। मामला उल्टा पड़ने पर पूर्व विधायक गंगवार भी बैकफुट आए गए और प्रिंटर की गलती बताकर मामले को टाल गए।

सत्यवेंद्र बरेली, शिवम आंवला लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी

बरेली, अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर यादव ने सत्यवेंद्र यादव को अधिवक्ता सभा का प्रदेश सचिव और बरेली लोकसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं, अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव शिवम सिंह चौहान को आंवला लोकसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। जिलाध्यक्ष समाजवादी अधिवक्ता सभा श्यामवीर सिंह यादव एडवोकेट, मो. मुस्तकीम, धर्मेंद्र गंगवार आदि ने बधाई दी।

आसेराम गंगवार बसपा छोड़ भाजपा में शामिल

बहेड़ी, अमृत विचार : विधानसभा चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहे पूर्व जिला पंचायत सदस्य और प्रधान आसेराम गंगवार मंगलवार को पीलीभीत में भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ कई और समर्थकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

कमाल : भाजपा को जितने वोट 2019 के चुनाव में, उतने ही विधानसभा 2022 में

कैंट विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 84 वोट बढ़े, बरेली में सबसे ज्यादा करीब छह हजार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इन आंकड़ों पर आश्चर्य किया जा सकता है कि लोकसभा चुनाव 2019 और विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा के वोटों की संख्या जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में लगभग जस की तस रही। तीन साल का अंतर होने के बावजूद कैंट विधानसभा क्षेत्र में तो सिर्फ 84 वोटों का अंतर आया। सर्वाधिक करीब छह हजार वोट बरेली विधानसभा क्षेत्र में बढ़े। बाकी तीन विधानसभा क्षेत्र में यह अंतर हजार-दो हजार वोट का ही रहा।

दोनों चुनाव में वोटों की संख्या में जो भी उतार-चढ़ाव हुआ, वह सिर्फ सपा-बसपा और कांग्रेस के ही खाते में हुआ। भाजपा के प्रत्याशी संतोष गंगवार को लोकसभा चुनाव 2019 में कुल मिलाकर पांच लाख 63 हजार 533

वोट मिले थे। विधानसभा चुनाव 2022 में भी आश्चर्यजनक तरीके से जिले की पांचों सीटों पर भाजपा

24 18वीं लोकसभा का चक्रव्यूह

प्रत्याशियों को कुल मिलाकर पांच लाख 65 हजार 486 वोट मिले। यानी अंतर करीब दो हजार वोटों का ही आया।

संतोष गंगवार ने मीरगंज विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 19 हजार 154 वोट पाए थे। तीन साल बाद हुए विधानसभा चुनाव में मीरगंज से पार्टी प्रत्याशी डॉ. डीसी वर्मा को भी एक लाख 16 हजार 435 वोट मिले। यह अंतर तीन हजार से भी कम वोटों का था।

लोकसभा चुनाव में संतोष गंगवार को नवाबगंज विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 10 हजार 628 वोट मिले थे। विधानसभा चुनाव में पार्टी के डॉ. एमपी आर्या को भी एक लाख 11 हजार 113 वोट मिले। भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में संतोष गंगवार को एक लाख 11 हजार 799 वोट मिले और विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रहे बहोरनलाल मौर्य को एक लाख नौ हजार 993 वोट। हालांकि बहोरनलाल मौर्य को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। बरेली विधानसभा क्षेत्र में संतोष गंगवार को एक लाख 23 हजार 105 वोट मिले। तीन साल बाद विधानसभा चुनाव में इसी सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरुण कुमार लड़े तो उन्होंने एक लाख 29 हजार 14 वोट पाए। बरेली कैंट विधानसभा क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में संतोष गंगवार को 98 हजार 847 वोट मिले थे, विधानसभा चुनाव में इसी सीट से भाजपा के प्रत्याशी संजीव अग्रवाल को 98 हजार 931 वोट मिले। पांचों विधानसभा क्षेत्रों में यहां सबसे कम सिर्फ 84 वोटों का अंतर रहा।

पॉश इलाकों में वोटिंग प्रतिशत हमेशा रहा कम

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में बरेली में पॉश इलाकों में आने वाले मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत कम ही रहा। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 की बात करें तो 335 बूथ ऐसे थे, जिनमें 50 प्रतिशत से कम मतदान हुआ था। रामपुर गार्डन, सिविल लाइंस, राजेंद्र नगर, बृजलोक कॉलोनी आदि में मतदान प्रतिशत 40 प्रतिशत से अधिक नहीं गया था, जबकि पूरी लोकसभा का प्रतिशत करीब 61 प्रतिशत रहा था। बरेली शहर विधानसभा क्षेत्र के 131, कैंट के सौ, बहेड़ी के चार, मीरगंज के 11, भोजीपुरा के छह, नवाबगंज के 30, बिथरी चैनपुर के 18 और आंवला के 22 पोलिंग बूथ शामिल थे। कन्या पाठशाला निकट केंद्रीय जेल पोलिंग बूथ पर 29.73 प्रतिशत, सेंट फ्रांसिस स्कूल संजय नगर में 39.44 प्रतिशत, बांके बिहारी कम्युनिटी हाल राजेंद्र नगर में 39.42, सरस्वती विद्या मंदिर बृजलोक कॉलोनी में 37.37, सूरजभान पब्लिक स्कूल राजेंद्र नगर में 36.36, मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में 36.79 प्रतिशत रहा।

जनता का मंच

क्या सूचनाएं लोगों की धारणा को प्रभावित करती हैं?

बरेली, अमृत विचार : कोई दौर था कि लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए पर्याप्त माध्यम नहीं थे लेकिन अब लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने की होड़ मची हुई है। इन सूचनाओं में निष्पक्षता की कोई गारंटी नहीं है। कई बार एक ही विषय पर लोगों को अलग-अलग तरह की सूचनाएं मिलती हैं। लोग मानते हैं कि सूचनाएं उनके निर्णय को प्रभावित करती हैं, इसलिए उनका निष्पक्ष और बेबाक होना बेहद जरूरी है। सही सूचनाएं ही किसी को सही रास्ता दिखा सकती हैं।

सूचनाओं का आम लोगों के जीवन में बहुत महत्व है। अलग-अलग माध्यमों से मिलने वाली सूचनाएं सच हों न हों, उन्हीं के आधार पर लोग कई निर्णय लेते हैं। जनता को सजग करने वाली सूचनाओं में कमी आई है। बेरोजगारी, महंगाई, प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दे मीडिया में भी अछूते हैं। - **राहुल कुमार,** लालफाटक

यह दौर असल सूचनाओं को छिपाने का है। देश में महंगाई और बेरोजगारी का संकट मंडरा रहा है लेकिन कोई भी माध्यम हो, इस बारे में सही सूचनाएं आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। इसके बजाय ऐसी सूचनाएं लोगों तक पहुंचाई जा रही हैं जो उनके काम की नहीं हैं और उन्हें गुमराह करती हैं। - **रेवती,** प्रेमनगर

हर कोई मुनाफा कमाना चाहता है। सूचनाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम भी इसी खेल का हिस्सा बनकर रह गया है। जो मुद्दे उपयोगी नहीं हैं, उन्हें इस तरह लोगों के दिमाग में भर दिया जाता है कि वे उन्हीं में उलझकर रह जाते हैं। जो मुद्दे उन्हें सही राह दिखा सकते हैं, उन पर चर्चा नहीं होती। - **पंकज,** रामपुर बाग

सही सूचनाएं हासिल करना मुश्किल हो गया है। सूचनाएं देने के माध्यम प्रचार तंत्र का हिस्सा बन गए हैं। ऐसी सूचना लोगों तक नहीं पहुंचाई जाती कि वे किसी मुद्दे पर मंथन कर निष्कर्ष पर पहुंच सके। इसलिए जरूरी है कि लोग सूचना ग्रहण करते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करें। - **अतुल राजपूत,** स्टेडियम रोड

मतदान बहिष्कार के बाद भी नहीं बदले हालात

कच्ची गलियां पक्की न होने और अरिल पर सुरक्षा दीवार न बनने पर नाराज थे लोग

आंवला, अमृत विचार : आंवला के गांव फतेहगंज के लोगों ने पड़ोस से गुजर रही अरिल नदी पर सुरक्षा दीवार का निर्माण और कच्ची गलियों को पक्का न कराए जाने पर 2019 के चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया था। अफसरों के साथ तत्कालीन बिल्सी के भाजपा विधायक आरके शर्मा ने चुनाव होते ही दोनों समस्याओं का निदान कराने का वादा करके उन्हें मतदान करने के लिए मना तो लिया लेकिन फिर उनकी सुनी भी नहीं। इसकी कसक आज भी गांव वालों के मन में है।

फतेहगंज गांव में अभी तक कच्ची है सड़क। ● अमृत विचार

मझगवां ब्लॉक की ग्राम पंचायत इस्माइलपुर के मजरा फतेहगंज काफी पिछड़ा हुआ है। गांव के सुरेशपाल सिंह, भानु प्रताप सिंह, मुंशीलाल पाल, जगराम वाल्मीकि, भीमसेन दिवाकर, भूपराम मौर्य, बादशाह सिंह, रामसेवक पाल आदि ने बताया कि उनके गांव के पास से अरिल नदी गुजर रही है जिस पर सुरक्षा दीवार बनाने की जरूरत है। गांव की कई गलियां कच्ची हैं। बारिश में पानी भरता है तो घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बरसों से उनके गांव में कोई काम नहीं हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक पहले उनका गांव ग्राम पंचायत था। करीब 30 साल पहले उसे इस्माइलपुर में शामिल कर मजरा बना दिया गया।

फतेहगंज गांव आंवला विधानसभा क्षेत्र में आता है जबकि इस्माइलपुर बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र में है। गांव की समस्याओं के निदान के लिए 2019 में गांव के लोग बरेली के

पुरानी फाइलों से...

अधिकारियों से मिले थे लेकिन उनसे कोई उचित जवाब तक नहीं मिला तो उन्होंने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया। मतदान के दिन दोपहर तक एक भी वोट नहीं डाला गया। दोपहर को तत्कालीन एसडीएम विशु राजा पुलिस के साथ गांव पहुंचे और मतदान करने की अपील की। इसके बाद भी लोग वोट न डालने पर अड़े रहे।

दोपहर करीब दो बजे बिल्सी (बदायूं) के भाजपा विधायक आरके शर्मा ने आकर मतदान की अपील की थी। आरके शर्मा ने आंवला में विधायक रहते हुए गांव के लिए सड़क बनवाई थी। उनकी अपील पर लोग इन्कार नहीं कर सके। करीब 3:30 बजे लोगों ने मतदान शुरू किया और मतदान खत्म होने तक करीब 70 प्रतिशत वोट डाले। उसके बाद किसी ने गांव की तरफ मुड़कर भी नहीं देखा। गांव की समस्याएं आज भी जस की तस हैं।

मंच पर रो पड़ीं संघमित्रा

बदायूं में प्रबुद्ध सम्मेलन के मंच पर बैठीं सांसद संघमित्रा फूट-फूटकर रो पड़ीं। बाद में बोलीं, गुलाबो देवी से रामायण का प्रसंग सुनकर वह भावुक हो गई थीं। संघमित्रा के पिता स्वामीप्रसाद मौर्य ने राम को अपशब्द कहे थे। इस चुनाव में भाजपा ने संघमित्रा का टिकट काट दिया है।

महिलाओं को आज भी पत्नी और माता की ही भूमिका में देखना चाहता है समाज

भारत में महिलाओं से प्राय: पारंपरिक लिंग भूमिकाओं के अनुरूप ही व्यवहार की उम्मीद की जाती है। एक तरफ कहा जाता है महिलाएं किसी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, दूसरी तरफ उन्हें राजनीति में करियर बनाने के लिए हतोत्साहित किया जाता है। सामाजिक मानदंड और रूढ़िवादिता यह निर्धारित करती है कि महिलाओं को पत्नियों और माताओं के रूप में ही अपनी भूमिका को प्राथमिकता देनी चाहिए। राजनीति को पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है। महिलाओं के लिए शिक्षा का क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित माना जाता है अधिकांश महिलाओं के परिवारजन उन्हें इसी क्षेत्र में ही जाने का मशवरा देते हैं जबकि वे हर क्षेत्र में बढ़ने का दम रखती हैं। हाल के वर्षों में कुछ सुधार आया है लेकिन अभी और गंभीरता से काम होना बाकी है। राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए विधायी निकायों में सीटें आरक्षित की जानी चाहिए। बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में इसे लागू किया गया है। राजनीतिक दलों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उम्मीदवारों के चयन में महिलाओं को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दें। -डॉ. अनु महाजन, असिस्टेंट प्रोफेसर चित्रकला, रानी अवंतीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय

आधी आबादी की आवाज...

भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाली गड़बड़ियों से बढ़ती जा रही निराशा

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की सरगर्मी आईवीआरआई में भी है जहां देश भर के सैकड़ों विद्यार्थी पढ़ तो रहे हैं लेकिन सरकारी नौकरी मिल पाएगी, इसके लिए आश्वस्त नहीं हैं। भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाली गड़बड़ियां उनकी उम्मीदों को और ज्यादा कमजोर कर रही हैं। इन भावी वैज्ञानिकों का कहना है कि रोजगार के दरवाजे खोलने वाली सरकार ही उनकी प्राथमिकता होगी। अमृत विचार से बातचीत में इन विद्यार्थियों ने बताया कि उनके बीच शिक्षा, रोजगार, युवा उत्थान, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और आरक्षण जैसे तमाम मुद्दों पर चर्चा होती है लेकिन इनमें सबसे ज्यादा फोकस रोजगार के अवसरों पर ही रहता है। दूसरी तरफ, इसी संस्थान के वैज्ञानिकों के बीच वैश्विक स्तर पर सुरक्षा, आर्थिक मजबूती, रोजगार और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे चुनाव में छाए हुए हैं।

आईवीआरआई: हवा का रुख

सरकारी योजनाओं के धरातल पर सही ढंग से लागू नहीं होने की खबरों पर काफी चिंतन करता हूं। अगर यही स्थिति रही तो कैसे हमारा देश विकासशील देशों में शामिल होगा। आने वाली सरकार को इन बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा। युवाओं को बेहद सजग रहने की जरूरत है। **दीपेंद्र,** एमवीएससी छात्र त्रिपुरा

युवा लंबे समय से सरकारी नौकरियों और भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं की वजह से परेशान हैं। इसमें हाल ही में यूपी पुलिस भर्ती का पेपर लीक होना भी शामिल है। युवाओं को अब किसी भी पार्टी से ज्यादा उम्मीद नहीं रह गई है। **चंद्रप्रकाश दीक्षित,** एमवीएससी छात्र लखनऊ

युवाओं के भविष्य को लेकर वह खुद ही नहीं, उनके अभिभावक भी हर समय चिंता में रहते है। एक तरफ उद्यमियों के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ नौकरियां घटती जा रही हैं। बावजूद इसके कि देश की तमाम योजनाओं की सब्सिडी नौकरीपेशा लोगों से आती है। **बूस,** वीबीएससी छात्र गोवा

बेरोजगार नौकरी के लिए भटक रहे हैं। यही इस लोकसभा चुनाव में मुख्य मुद्दा होना चाहिए लेकिन कोई इस पर बात नहीं कर रहा। सब दूसरे मुद्दों पर जनता को भटका रहे है। पिछले चुनावों में भी सबको रोजगार देने की बात कही गई, लेकिन युवा अब तक इंतजार ही कर रहा है। - **दीपांशु,** वीबीएससी छात्र कोटा

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत अलग पहचान बना रहा है। आने वाली सरकार को राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी उद्देश्यों को शामिल करने पर विचार करना चाहिए। आर्थिक कूटनीति और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाना प्राथमिकता होनी चाहिए। - **डॉ. गौरव शर्मा,** वैज्ञानिक

देश औद्योगीकरण और तकनीकी प्रगति के दौर में है, लेकिन बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी तक पहुंच में काफी चुनौतियां हैं। हालांकि कुछ वर्षों में कृषि अनुसंधानों पर फोकस किया गया है। आने वाली सरकार को इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। - **डॉ. अमरपाल,** वैज्ञानिक

स्कूलों-अस्पतालों का निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, अपराध, रोजगार, नागरिकों की आर्थिक मजबूती चुनाव के प्रमुख मुद्दे होने चाहिए। आने वाली सरकार को लोकतंत्र और सरकारों पर कम होते भरोसे को नए सिरे से कोशिश कर बहाल करना चाहिए। सरकार और जनता के बीच भरोसा कम है। - **डॉ. रोहित,** वैज्ञानिक

अपेक्षा है कि पशुपालन के साथ पशुचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी विकास के लिए काम किया जाए। इसके तमाम विकल्प हो सकते हैं, आईवीआरआई की तरह विशेषज्ञता वाले पशु चिकित्सालय देश भर में खोलने का काम करने से देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पशु चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। - **डॉ. अभिषेक,** वैज्ञानिक

शिव इन्टरप्राईजेज
फोम एण्ड प्लाई
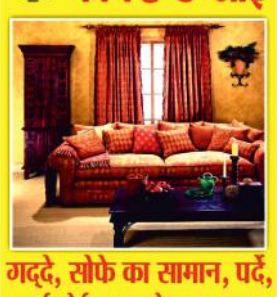
गद्दे, सोफे का सामान, पर्दे, प्लाई बोर्ड, दरवाजे, सनमाइका
हार्डवेयर, फर्नीचर
सिकलापुर, बरेली
9897245877

संतोष गंगवार का आशीर्वाद मिलेगा...इसमें संदेह नहीं

● प्रबुद्ध सम्मेलन के मंच पर बोले मुख्यमंत्री, कहा- यशस्वी रहा संतोष का नेतृत्व, बस पार्टी की एक व्यवस्था है, उनका अभिनंदन

● संतोष ने भीड़ से कहा- मैंने 40 साल तक आपकी सेवा की है सभी का भरपूर प्यार मिला, कोई कमी रह गई हो तो माफी चाहता हूं

अनुपम सिंह, बरेली

अमृत विचार : बरेली के लोगों ने लंबे समय तक सांसद संतोष गंगवार का यशस्वी नेतृत्व देखा है। बरेली के साथ प्रदेश और देश के कार्यों को भी आगे बढ़ाने में उन्होंने मदद की है। कार्यकर्ताओं को लगातार उनका आशीर्वाद मिला है और आगे भी मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। पार्टी की एक व्यवस्था है। वे हमारे बीच में हैं। हम उनका स्वागत और अभिनंदन करते हैं। उन्होंने अपना आशीर्वाद भाजपा, छत्रपाल गंगवार और धर्मेंद्र कश्यप को दिया है।

बरेली कॉलेज के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के मंच पर मंगलवार को ये शब्द मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के थे। जवाब में सांसद संतोष गंगवार ने भी बरेली की सीट पर हुए रद्दोबदल की ओर इशारा करते हुए इसे पार्टी की परंपरा बताया। कहा, मैंने 40 सालों तक सेवा की है। सभी का भरपूर प्यार, सहयोग और समर्थन उन्हें मिला है। अगर उनकी ओर से कोई कमी रह गई तो माफी चाहते हैं। बोले, देश को प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत है। इसके लिए पार्टी प्रत्याशी को सहयोग और समर्थन मिलता रहे।

आठ बार बरेली के सांसद चुने गए संतोष गंगवार का टिकट कटने के बाद पार्टी में कई दिनों से चल रही उथलपुथल का फिलहाल इसे पटाक्षेप माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक बरेली में चल रही हलचल की मुख्यमंत्री को पहले से ही जानकारी थी। मंगलवार को बरेली आने से पहले बदायूं में भी पार्टी के नेताओं के साथ इस बारे में चर्चा हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बरेली आकर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के मंच से ही इस प्रकरण का जिक्र किया ताकि पार्टी के साथ आम लोगों में भी यह संदेश चला जाए कि संतोष गंगवार का टिकट कटने का विवाद निपट चुका है।

बता दें कि दो दिन पहले भाजपा की पूर्व प्रदेश प्रवक्ता डॉ. दीप्ति भारद्वाज की ओर से इस मामले में मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष को ट्वीट किया गया था, जिसके बाद कई दिन सोशल मीडिया पर चल रहीं प्रतिक्रियाएं और जोर पकड़ गई थीं। पार्टी के अंदर और बाहर इस पर लगातार चर्चा हो रही थी।

संतोष के चेहरे पर पहले खामोशी, फिर मुस्कान

मुख्यमंत्री के आने से काफी देर पहले ही सांसद संतोष गंगवार प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के मंच पर पहुंच गए थे। मुख्यमंत्री की कुर्सी के दाहिनी ओर संतोष गंगवार की कुर्सी डाली गई थी और बाईं ओर भाजपा के मौजूदा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार की। मुख्यमंत्री के आने से पहले तक संतोष गंगवार बेहद खामोशी के साथ अपनी कुर्सी पर बैठे रहे। आसपास कई और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी थी लेकिन उनकी ओर भी ज्यादा मुखातिब नहीं हुए। इस बीच लोगों की नजरें संतोष गंगवार के ही चेहरे पर टिकी रहीं। मुख्यमंत्री के आने के बाद उनके चेहरे के भाव कुछ बदले। संबोधन के बाद चेहरे पर हल्की मुस्कान भी दिखी।

बरेली इंटर कॉलेज में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मंच से जनप्रतिनिधियों के साथ लोगों का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

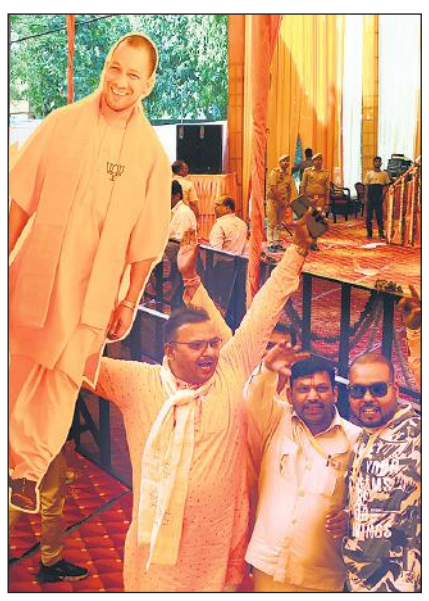
प्रबुद्ध सम्मेलन में उत्साहित दिखे लोग। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री को सुनने पहुंचीं समाजवादी महिला सभा की पूर्व पदाधिकारी

● गले में पड़ा था भाजपा कार्यकर्ता का पास, चेहरे पर था मास्क

बरेली, अमृत विचार : भाजपा के सम्मेलन में समाजवादी महिला सभा की एक पूर्व महासचिव भी चेहरे पर मास्क लगाकर पहुंची और यहां मुख्यमंत्री का पूरा भाषण सुना। गले में वीआईपी पास लटका हुआ था। पिछले दिनों उन्होंने महिला सभा से इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी नहीं छोड़ी थी।

समाजवादी पार्टी और महिला सभा के कार्यक्रमों का संचालन करने वाली इस महिला पदाधिकारी की उर्दू पर अच्छी पकड़ है। फरवरी में उन्होंने महिला सभा की जिलाध्यक्ष से अनबन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी न छोड़ने की बात कहते हुए अखिलेश यादव की नीतियों में आस्था जताई थी। भाजपा ने अपने पदाधिकारियों और

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पास जारी किए थे। इनके प्रवेश के लिए गेट नंबर एक अधिकृत था। इसी गेट से पूर्व सपा पदाधिकारी दोपहर 2.40 बजे जब सभा में पहुंची, तब सारे सोफे और कुर्सियां भर चुकी थीं। काफी देर तक वह पंडाल के नीचे खड़ी रहीं। तब उनका चेहरा खुला था। बाद में उन्होंने मास्क पहन लिया और फिर काफी देर वहीं खड़ी रही।

नेता बोले...

मोदी-योगी की सरकार युवाओं, महिलाओं, किसानों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने वह कर दिखाया, जो दूसरी पार्टियां पिछले 60 सालों में नहीं कर पाईं। - **डॉ. अरुण कुमार**, वनमंत्री

पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताकर प्रत्याशी बनाया है। प्रबुद्धजन का आशीर्वाद मेरे साथ है। सांसद संतोष गंगवार के आशीर्वाद के बिना तो कुछ भी कल्पना नहीं की जा सकती। - **छत्रपाल सिंह**, भाजपा प्रत्याशी बरेली

हमारे क्षेत्र में इतने विकास कार्य हुए हैं कि अब कुछ कराने के लिए नहीं बचा है। सड़क, बिजली की जरूरत क्षेत्र में पूरी हो गई है। असर भी दिख रहा है। बुनियादी सुविधाओं पर काम हुआ है। - **डीसी वर्मा**, विधायक

साढ़े पांच साल में बरेली की दशा बदल गई है। नाथ नगरी की पहचान मिली है। पहले 30 हजार लाइटें थीं, अब 80 हजार जगमगा रही हैं। करोड़ों का इनवेस्ट होने से रोजगार के अवसर बढ़े हैं। - **उमेश गौतम**, मेयर

मोदी-योगी की सरकार में मातृशक्ति को अपनी ताकत का एहसास हुआ है। दूसरी पार्टियों ने महिलाओं और बेटियों के बारे में कुछ नहीं सोचा। मातृशक्ति को छोटी-छोटी बातों को समझना होगा। - **रश्मि पटेल**, जिला पंचायत अध्यक्ष

मुख्यमंत्री से मिलते डॉ. केशव कुमार अग्रवाल। ● अमृत विचार

नरेंद्र गुप्ता पप्पू ने भी किया मुख्यमंत्री का स्वागत। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री से मिलते डॉ. विमल भारद्वाज। ● अमृत विचार

मनोज सक्सेना, विनोद सक्सेना और दीपक सक्सेना।

एक नजर

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की वजह से कई सड़कों पर की बैरिकेडिंग

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम की वजह से मंगलवार को जगह-जगह जाम लगा। ट्रैफिक रोकने की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस ने जाम खुलवाकर ट्रैफिक सुचारू किया। दोपहर में साढ़े तीन बजे के बाद पुलिस लाइन से जब मुख्यमंत्री का काफिला बरेली इंटर कॉलेज के लिए निकला तो चौपुला पुल, सेटेलाइट चौराहा, चौकी चौराहा, गांधी उद्यान के पास ट्रैफिक रोक दिया गया। इसकी वजह से लोग जाम में फंस गए। इसी तरह वापसी में भी जाम लगा। जाम में ज्यादा देर लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए एसपी ट्रैफिक शिवराज लगातार भ्रमण करते रहे।

काला कोट पहनकर प्रवेश नहीं।

चुनाव के दौरान विजिलेंस ने चेकिंग अभियान रोका

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दौरान विजिलेंस ने बिजली चोरी पकड़ने का अभियान रोक दिया है। अब मतगणना के बाद ही जून में अभियान चलाया जाएगा। आचार संहिता लगने के बाद अब एंटी थेफ्ट थाने के विवेचक विवेचना निपटाने में लग गए हैं, हालांकि बिजली चोरी की सूचना पर विभाग कार्रवाई जारी रखेगा। सीओ विजिलेंस मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि चुनाव की वजह से चेकिंग पर रोक लगा दी गई है। विवेचकों को लंबित विवेचनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अगर कोई सटीक सूचना मिलेगी तो विजिलेंस टीम के साथ बिजली विभाग की टीम चेकिंग करके कार्रवाई करेगी।

हजार प्रचारकों की भीड़ तैयार कर गए मुख्यमंत्री

● सम्मेलन में लोगों को मंत्र देकर माहौल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी

● नाथ नगरी को नमन से संबोधन की शुरुआत जय श्रीराम से समापन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के लिए हजारों प्रचारकों की फौज तैयार कर गए।

सम्मेलन में मौजूद शिक्षक, अधिवक्ता, सीए, इंजीनियर, डॉक्टर, व्यापारी नेता, उद्यमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को उन्होंने एक के बाद एक कई मंत्र देकर उन्हें चुनाव में माहौल बनाने की जिम्मेदारी सौंप दी। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत नाथ नगरी को नमन और समापन जय श्रीराम कहकर किया। उन्होंने अपने भाषण में सभी को चुनाव में पूरी तरह से जुट जाने का भी मंत्र दिया।

- मुख्यमंत्री ने हर चेहरे पर खुशहाली, हर नौजवान को रोजगार, किसानों को पानी और व्यापारी की सुरक्षा का जिक्र करते हुए इन वर्गों को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प में शामिल होने का संदेश दिया। कहा, विकसित भारत के लिए तीसरी बार मोदी को अवसर देने की जरूरत है क्योंकि वही दुनिया को नेतृत्व दे सकते हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक, अधिवक्ता, सीए, इंजीनियर, डॉक्टर, व्यापार संगठन, उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता जैसे प्रबुद्ध लोगों की बड़ी भूमिका होती है क्योंकि उनकी समाज में पैठ और संपर्क होता है। काफी लोग इन प्रबुद्धजन के संपर्क में रहते हैं और उनकी बातों को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। ये लोग जनता को जागरूक करेंगे।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीसरे कार्यकाल और विकसित भारत के लिए मोदी जरूरी हैं। बोले, विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित बरेली भी जरूरी है। विकसित बरेली के लिए भाजपा आवश्यक है। इसके लिए छत्रपाल सिंह गंगवार और धर्मेंद्र कश्यप का चुना जाना भी आवश्यक है।
- गर्मी से मतदाताओं की तकलीफ पर मुख्यमंत्री ने चिंता जताई। बोले, तीसरे चरण के तहत सात मई को बरेली में मतदान है, स्वाभाविक है कि तब तक गर्मी बढ़ेगी लेकिन आप परेशान नहीं होना। धूप, गर्मी, बारिश की परवाह किए बिना एक ही लक्ष्य, हठ होना चाहिए कि खुद मतदान के बाद दूसरों को भी जागरूक करेंगे।
- 18 मिनट के भाषण में मुख्यमंत्री ने 20 बार से ज्यादा मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया, लेकिन विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए एक बार भी किसी पार्टी का नाम नहीं लिया। मुख्यमंत्री के भाषण में इस बार पिछले भाषणों जैसी आक्रामकता भी नहीं दिखी। सधे शब्दों में सियासी तीर चलाए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रबुद्ध लोग मोदी के प्रतिनिधि के रूप में घर-घर जाकर संपर्क करें। उन्होंने सामने बैठे लोगों से पूछा, मोदी को तीसरे कार्यकाल का आशीर्वाद देने के लिए आए हैं। सभी ने हां में जवाब दिया। सीएम ने किसान सम्मान निधि, आवास, उज्ज्वला कनेक्शन, स्वास्थ्य बीमा, रामलला विराजमान, करोड़ों लोगों को राशन का भी जिक्र किया।
- रोजगार के लिए पीएम विश्वकर्मा, हस्तशिल्पी, कारीगरों की उन्नयन की योजनाओं को गिनाने के साथ सीएम ने कहा कि बरेली में तीसरे चरण में चुनाव है, जिसमें रैलियां होंगी, मगर इससे पहले प्रबुद्धजन से अपील कर सकूं, उनका आशीर्वाद प्रत्याशियों के लिए ले सकूं, इसलिए जनप्रतिनिधियों के साथ उनके बीच आया हूं। चुनावी रैलियों के लिए फिर आऊंगा।

भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन को सुनते लोग। ● अमृत विचार

सम्मेलन में ये भी रहे मौजूद

सांसद धर्मेंद्र कश्यप, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, विधायक संजीव अग्रवाल, प्रो. श्याम बिहारी लाल, डॉ. एमपी आर्या, डॉ. राघवेंद्र शर्मा, एमएलसी संतोष सिंह, उद्यमी घनश्याम खंडेलवाल, पूर्व विधायक बहोरन लाल मौर्य, सेलेक्शन प्वाइंट के एमडी नरेंद्र गुप्ता पप्पू, डॉ. विमल भरद्वाज, डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी, डॉ. विनोद पागरानी, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. सतेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, लोकसभा क्षेत्र प्रभारी देवेंद्र सिंह, राकेश गुप्त, शिवसिंह चटर्जी ,संयोजक केएम अरोड़ा, अनिल कुमार एडवोकेट, डॉ. सीपीएस चौहान, ब्लॉक प्रमुख योगेश पटेल आदि भी मौजूद रहे।

वर्दी पर भी सियासी रंग, सिपाही ने की आपत्तिजनक पोस्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पुलिस की वर्दी पर भी सियासी रंग चढ़ रहा है। एसएसपी कार्यालय में तैनात सिपाही की व्हाट्सएप ग्रुप पर आपत्तिजनक पोस्ट से एक समुदाय विशेष में नाराजगी है और अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है। दरगाह आला हजरत से जुड़े संगठन जमात रजा मुस्तफा के लोगों ने भी शिकायत की है।

शिकायत के अनुसार सिपाही अजय गोस्वामी ने व्हाट्सएप ग्रुप में एक पोस्ट की है जिसमें अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और सपा नेता आजम खां का फोटो लगा है। इसमें अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की फोटो पर डन लिखा है, सपा नेता आजम खां के फोटो पर लोडिंग लिखा है।

फोटो के नीचे लिखा है कि मार्च क्लोजिंग कैसे की जाती है, यह सीखने के लिए आप पधारिए उत्तर प्रदेश में। इसके बाद बुलडोजर वाले बाबा और कुछ अन्य लाइनें भी लिखी हैं।

सीओ से मिले जमात के पदाधिकारी

● अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और आजम खां की फोटो पर लिखा कमेंट

जमात रजा-ए-मुस्तफा के पदाधिकारियों ने इस मामले की सीओ प्रपंकज श्रीवास्तव से शिकायत की है। मोइन खां ने ग्रुप में गाली देने वाले अन्य सदस्यों पर भी कार्रवाई की मांग की है। बताया कि इसी तरह की एक पोस्ट महिला डॉक्टर के नाम से भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस दौरान शाईबउददीन रजवी, जुबैर नबी, शारुन अल्वी, बिलाल रजा, घोसी, अनस खान, समी रजा आदि लोग मौजूद रहे। सीओ ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री का चेंज ओवर, सुरक्षा घेरे में रहा एयरपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : रुद्रपुर जाने के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरेली एयरपोर्ट पर चेंजओवर किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एयरपोर्ट से लेकर आसपास का इलाका छावनी में तब्दील रहा। प्रधानमंत्री पूर्वाह्न 11.20 बजे एयरपोर्ट पर पहुंचे। जहां पांच मिनट के चेंजओवर के दौरान उनसे वन मंत्री अरुण कुमार, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, सांसद संतोष गंगवार, मेयर डॉ. उमेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायक संजीव अग्रवाल, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. एमपी आर्या, प्रो. श्याम बिहारी लाल, पूर्व विधायक बहोरन लाल मौर्य, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना आदि ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री रुद्रपुर के लिए रवाना हो गए। वापसी में प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट पर फिर चेंजओवर किया। इसके बाद जयपुर के लिए रवाना हो गए। सुरक्षा के मद्देनजर साढ़े आठ सौ पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

● मंत्री, सांसद मेयर और विधायकों ने पीएम से की मुलाकात

मुद्दा: घर-घर पानी पहुंचाने की योजना पर ही पानी फेर दिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : योजना घर-घर पानी पहुंचाने की थी लेकिन भ्रष्ट और बेपरवाह सिस्टम ने योजना पर ही पानी फेर दिया। तमाम गांवों की अच्छी-भली सड़कों को खोदकर पाइप लाइन डाली गई, इसके बावजूद पानी तो नहीं पहुंचा, सड़कें अब तक खुदी पड़ी हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अफसरों को चेतावनी दी, जिले के प्रभारी मंत्री के सामने भी कई जनप्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया लेकिन हालात जस के तस हैं। अब इन्हीं सड़कों से लोगों को वोट डालने जाना है। विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाने की फिराक में हैं।

तमाम गांव पहले ही खराब रास्तों की वजह से बदहाल थे, जिन गांवों में रास्तों की हालत ठीक थी, जल निगम ने उन्हें भी जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदकर बर्बाद कर दिया। करीब एक साल से मीरगंज, नवाबगंज और भोजीपुरा समेत जिले के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों के तमाम गांवों की सड़कें खोदे जाने के बाद जस की तस पड़ी हैं। जिले में आए डिप्टी सीएम ने दो बार अपने संबोधन में जिक्र किया कि बरेली की तरह प्रदेश के तमाम जिलों में सड़कें खोदकर डाल दी गई हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अफसरों को चेतावनी भी दी लेकिन बरेली में इसका कोई नतीजा सामने नहीं आया।

फरवरी में आए जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह की समीक्षा बैठक में भी कई विधायकों और ब्लॉक प्रमुखों ने यह मुद्दा उठाया। कहा कि तमाम गांवों में लोग दिक्कत झेल रहे हैं और खरीखोटी भी सुना रहे हैं। इस बैठक में अफसरों ने मार्च तक काम पूरा करने की बात कही, लेकिन बाद में कोई ध्यान नहीं दिया। भोजीपुरा ब्लॉक के बेसिक स्कूल अटा कायस्थान में टाइल्स को काटकर पाइप लाइन डाली गई थी। बाद में टाइल्स को दुरुस्त नहीं किया गया। बच्चे ऊबड़खाबड़ टाइल्स पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

भोजीपुरा के गांव प्रहलादपुर में पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कें वैसी ही पड़ी हैं। कुछ सीसी रोड जल निगम ने बनवा दिए हैं, ज्यादातर अब भी टूटे पड़े हैं। मुख्य सड़क पर बेसिक स्कूल के सामने से गांव में प्रवेश करने पर पहले डामर और फिर खंड़जा सड़क है। खड़ंजा भी खोदकर छोड़ दिया गया। मुख्य मार्ग ऊबड़खाबड़ हो गया है। जल निगम ने पाइप लाइन डालने के बाद गड्ढे को मिट्टी से पाटा और फिर सुध नहीं ली। कुछ जगह लोगों ने अपने घर के सामने रास्तों को समतल करने की कोशिश की है। फिर भी नाली का पानी भी सड़क पर आ रहा है।

प्रहलादपुर गांव में पाइप लाइन डालने के बाद खोदकर छोड़ दिया। ● अमृत विचार

● पाइप लाइन डालने के बाद साल भर से खुदे पड़े हैं रास्ते, पानी की सप्लाई भी नहीं शुरू हुई

● डिप्टी सीएम और प्रभारी मंत्री के सामने उठा मुद्दा, फिर भी कुछ नहीं हुआ

ओवरहेड टैंक स्वीकृत हैं दो दूसरा बनाने को तैयार नहीं

भोजीपुरा के गांव पट्टी और बिहारीपुर में अलग-अलग ओवरहेड टैंक स्वीकृत हैं लेकिन अफसर एक गांव में बने ओवरहेड टैंक से ही काम चलाना चाहते हैं। दूसरे गांव में टैंक नहीं बनाया जा रहा है। इस ब्लॉक के बोहित, हमीरपुर, सुरला, नौगवां घाटमपुर, वीरपुर समेत तमाम गांवों में सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं।

नवाबगंज के इन गांवों की दुर्दशा : कल्याणपुर, हरहरपुर मटकली, सुडियांवा, हरदुआ फैजुल्लापुर समेत कई गांवों में न घरों में कनेक्शन दिए गए हैं और न ही खोदी गई सड़कें बनाई गई हैं।

लोग बोले- बहुत दिनों से हैं परेशान

मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली गली में सीसी रोड को खोदकर छोड़ दिया गया है। दो महीने से लोग दिक्कत झेल रहे हैं। रात में गिरने का डर रहता है। महिला और बच्चों की चिंता रहती है। - **अंकित कुमार**

घर के सामने डामर रोड काटकर पाइप लाइन डाली, फिर बनाने नहीं आए। बच्चे आए दिन गड्ढे में गिरकर चोटिल होते हैं। पानी भी नहीं आता है। बिजली के खंभों में बॉक्स नहीं लगाए हैं। - **रमेश**

मुख्य सड़क से घर तक पाइप लाइन डाली है लेकिन पानी आज तक नहीं आया है। घर में टोंटी भी नहीं लगाई है। चेकिंग की थी तो घर में पानी आ गया था। पूरे गांव में यही स्थिति है। - **धर्मवीर**

विकास नहीं किया, दिक्कत बढ़ा दी। खोदी गई सड़क को अब बनाने के लिए नहीं आ रहे हैं। दिक्कत से बचने के लिए गांव वालों को खुद अपने आसपास के गड्ढे ठीक करने पड़ रहे हैं। - **शिवदयाल**

जल निगम के अफसरों की मनमानी सीमा पार कर चुकी है। प्रभारी मंत्री की बैठक में गांवों की हालत बताई थी तो अफसरों ने जल्द सड़कें ठीक कराने की बात कही थी लेकिन अब भी गांवों की जनता शिकायत लेकर आती है। कहीं कोई सुधार नहीं किया गया है।
- **योगेश पटेल**, ब्लॉक प्रमुख भोजीपुरा

हर दर्द का इलाज करते हैं
डॉ. रूप किशोर
समय प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक
गठिया
फालिज
जोड़ों एवं नसों का दर्द
झनझनाहट
सुन्नपन
फातिमा हॉस्पिटल
जगतपुर रोड, बरेली
9267043010

मरीजों को राहत : जिला अस्पताल में पानी की पाइपलाइन हुई दुरुस्त

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल परिसर में पानी की टूटी पाइप को मंगलवार को दुरुस्त कर दिया गया। इसके बाद से वार्डों में पानी की सप्लाई शुरू हो गई।

अस्पताल के रोड पार वाले भवन में सीवर लाइन की मरम्मत की वजह से खोदाई की जा रही थी। सोमवार को खोदाई के दौरान भूमिगत पानी की पाइप लाइन टूट गई थी। इसकी वजह से ऑर्थो, टीबी समेत अन्य वार्डों की पानी की सप्लाई ठप हो गई थी। इससे मरीजों को काफी परेशानी हुई। अमृत विचार ने इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया तो मंगलवार सुबह एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा ने टीम को पाइप लाइन दुरुस्त करने का आदेश दिया। इसके बाद पाइप लाइन ठीक कर पानी की सप्लाई शुरू की गई। इससे मरीजों के साथ तीमारदारों को भी राहत मिली। आवासों में भी पानी की सप्लाई शुरू हो गई।

जिला अस्पताल में तीन दिन से पानी नहीं

● अमृत विचार ने समस्या को प्रमुखता से किया था प्रकाशित

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

चरक पैथलैब
विश्वसनीय परिणाम
स्वास्थ्य जॉंच पैकेज की व्यापक रेंज
जांचों पर विशेष छूट
समस्त प्रकार की खून जांचे उपलब्ध
39-बी, एकता नगर, चाट बाजार के पास, नीरज लाईफ केयर हॉस्पिटल के सामने, बरेली
मो. 9410200042, 9410200047 समय प्रातः 8 से रात 9 बजे तक
घर से सैम्पल लेने की सुविधा उपलब्ध E-mail: pathlab.charak@gmail.com

डा. सतेन्द्र शर्मा
M.D. (Ayu.)
बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ
क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है
जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।
क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।
श्रद्धा केयर अस्पताल
मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड
बरेली सम्पर्क सूत्र : 9758284825, 8077550393

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।

डॉ. पुनीत सरपाल
(वरिष्ठ चिकित्सक)
समय-प्रातः 9 बजे से सायं 7 बजे तक
विशेषज्ञ
कैंसर, गुर्दे रोग, पथरी, बांझपन, हाईड्रोसीफलस, चर्म रोग
Since 1978
सरपाल होम्योपैथी
ए-92, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के पास, एकता नगर, बरेली
डॉ. प्रियम सरपाल 9837318170, 9149172383 डॉ. सोनम सरपाल
youtube channel : www.youtube.com/user/drPunitSarpal/Videos

यशस्वी क्लीनिक
डॉ. अनिल मिश्रा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
डायबिटीज एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
मो. 9896567597
समयः प्रातः 9:30 से 2:00 बजे एवं सायं 5:00 बजे से 8:00 बजे तक
रविवार को अवकाश रहेगा।
स्वास्थ्य परामर्श
• डेंगू, टायफाइड, मलेरिया का उचित इलाज
• दिल सम्बन्धित बीमारियां
• शुगर, ब्लडप्रेशर, सीने में दर्द
• बुखार, खांसी, सांस सम्बन्धित बीमारियां
• थायराइड, गठिया, खून की कमी
• जिगर, पेट, लीवर, अल्सर, भूख न लगना, वजन घटना, कब्ज, उल्टी एवं दस्त की बीमारी
• दिमागी बुखार, मिर्गी के दौरे, एन्सेफ्लाइटिस,
• लकवा, स्ट्रोक, सर दर्द, माइग्रेन
• गुर्दे एवं पेशाब की तकलीफ, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट का बढ़ना, पेशाब में खून आना व जलन।
पताः- फैज़ हास्पिटल के सामने बेसमेन्ट में, 100 फुटा रोड, बरेली
सम्पर्क सूत्रः- 7895161674, 7906502059

डा० आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS DNB MINAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
Trust your eyes with us
ADITYA
भूतपूर्व चिकित्सक- शहीद भगत सिंह आई हॉस्पिटल, बरेली
50000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
TIME : 10:00 AM TO 5:00 PM
8077344353
अब इस पते पर उपलब्ध हैं :- आँखों का अस्पताल
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, रेड टेप शोरूम के बराबर में, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

प्राइम हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
PRIME HOSPITAL
नरियावल बाजार के सामने, बिथरीचैनपुर रोड, नरियावल, बरेली
• मेडिसिन विभाग • सर्जरी विभाग • स्त्री एवं प्रसूति विभाग
• मानसिक रोग विभाग • हड्डी रोग विभाग
• न्यूरो विभाग • बाल रोग विभाग
आयुष्मान योजना के तहत फ्री ऑपरेशन व इलाज
24 घण्टे इमरजेन्सी सुविधा उपलब्ध 7302532226, 9758044442
डॉ. मिनहाज अली खान एम.डी.

भाजपा पार्षद के पति और पुलिस कर्मियों के धमकाने से गर्भवती महिला की मौत

परिजनों और ग्रामीणों ने काटा हंगामा, पुलिस ने लोगों को समझाकर किया शांत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर के तुलाशेरपुर में मंदिर तक सड़क बनवाने की मांग करने पर भाजपा पार्षद पति के इशारे पर चीता पुलिसकर्मियों ने गर्भवती महिला और उसके पति को जेल भेजने की धमकी दी। पुलिस की धमकी के डर से महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद मंगलवार शाम परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया। महिला के पति की तहरीर पर पुलिस ने पार्षद पति हरपाल सागर, पूर्व सभासद रामनुवाज समेत सात-आठ अज्ञात के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, धमकाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने पार्षद पति के घर दबिश दी, लेकिन वह फरार हो गया।

आजमनगर निवासी रवि ने बताया कि उनकी बहन शीतल (35) और बहनोई संजीव कुमार तुलाशेरपुर थाना इज्जतनगर में रहते हैं। शीतल पांच माह की गर्भवती थी। शीतल और संजीव ने करीब 20 दिन पहले एक मंदिर बनवाया है। मंदिर तक सड़क का निर्माण न होने से लोगों को दिक्कत हो रही थी और प्राण प्रतिष्ठा भी नहीं हो पा रही थी। इस पर गांव के दर्जनों लोगों ने रविवार रात भाजपा पार्षद संजू के घर पहुंचकर सड़क निर्माण की मांग की थी। वहीं पर पार्षद पति हरपाल ने लोगों से गालीगलौज की और चीता पुलिस बुला ली। उस समय मामला शांत हो गया।

मंगलवार को दिन में पांच बार चीता पुलिस कर्मी संजीव के घर पहुंचे और उसके भाइयों को पूछने लगे। रवि ने बताया कि शीतल दवा लेने के लिए जा रही थी। इसी बीच रास्ते में चीता पुलिस कर्मी मिल गए। उन्होंने शीतल को भी जेल भेजने की धमकी दी। इससे शीतल डर गई और वापस घर आ गई और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। शीतल की मौत के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और चीता पुलिस कर्मियों और पार्षद पति पर हत्या का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची सीओ अनीता चौहान और इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत किया और पार्षद पति और पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गुस्साए लोगों को समझाते इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह और सीओ अनीता चौहान। ● अमृत विचार

शीतल का फाइल फोटो।

● पार्षद पति पूर्व पार्षद समेत अन्य पर रिपोर्ट पार्षद पति फरार

सोमवार को रात में तीन बार पहुंचे चीता पुलिस कर्मी

संजीव ने बताया कि सोमवार को उसके परिजनों को रात भर चीता पुलिस कर्मी परेशान करते रहे। रात में तीन बार चीता पुलिस कर्मियों ने दबिश दी और गालीगलौज की। डर के कारण लोग घर से बाहर सोने गए।

> तुलाशेरपुर में दो दिन पहले रास्ता बनवाने को लेकर पार्षद पक्ष से विवाद हुआ था। दोनों पक्षों की ओर शिकायती पत्र दिए गए थे। संजीव की पत्नी का मंगलवार को आकस्मिक का निधन हो गया है। संजीव पक्ष की ओर से पार्षद व दो अन्य के खिलाफ तहरीर दी गई है। तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।
> –**अनीता चौहान**, सीओ तृतीय

ट्रांसफार्मर में बिल्ली चिपकने से बिजली गुल

बरेली, अमृत विचार : डीडीपुरम उपकेंद्र पर सोमवार रात ट्रांसफार्मर में एक बिल्ली चिपक गई। इसकी वजह से क्षेत्र की एक घंटे बिजली गुल रही। दूसरे ट्रांसफार्मर से लाइन जोड़कर बिजली सप्लाई शुरू की गई। हालांकि मंगलवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की वजह से मरम्मत के काम की वजह से बिजली कटौती नहीं की गई।

डीडीपुरम उपकेंद्र पर 10 एमबीए के दो ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं। सोमवार रात एक ट्रांसफार्मर में खराबी हो गई। जब कर्मचारियों ने मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि ट्रांसफार्मर से बिल्ली चिपकने से फाल्ट हुआ है। इसकी वजह से मॉडल टाउन, रेजीडेंसी गार्डन समेत अन्य क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई।

अधूरे काम से गर्मी में होगा बिजली संकट

बरेली, अमृत विचार: आरडीएसएस योजना के तहत बिजली सुधार के काम अधूरे हैं। इसकी वजह से गर्मी में लोगों को बिजली संकट झेलना पड़ सकता है। पॉवर कॉरपोरेशन मुख्यालय ने आरडीएसएस योजना के तहत बिजली सुधार के 820 करोड़ रुपये के काम अप्रैल तक 50 फीसदी पूरा करने के लिए निर्देश दिए गए थे लेकिन काम अधूरे हैं। जनवरी 2025 तक काम पूरे होने हैं। दो महीने पहले काम धीमा होने पर मुख्य अभियंता ने कंपनी को नोटिस भी जारी किया गया था। मुख्य अभियंता रणविजय सिंह ने बताया कि जो भी काम अधूरे रह गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश कंपनी को दिए गए हैं।

रैबीज से ग्रसित मरीज की मौत आईडीएसपी को पता नहीं लगा

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रैबीज से ग्रसित एक मरीज की मौत हो गई, लेकिन एकीक्रत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) से जुड़े अफसरों को इसकी जानकारी नहीं हुई। जब आईडीएसपी के प्रभारी लखनऊ में प्रशिक्षण को गए तो उन्हें पता चला। इससे मरीजों की निगरानी करने वाले तंत्र पर सवाल उठ रहे हैं।

भमोरा निवासी सूर्यकांत (40) को जनवरी में कुत्ते ने काट लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। वहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था, रास्ते में उनकी मौत हो गई थी। जनवरी के अंत में आईडीएसपी के प्रभारी लखनऊ मुख्यालय पर ट्रेनिंग में शामिल होने गए तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। फरवरी में विभागीय पोर्टल पर सूचना दर्ज की गई। इससे स्वास्थ्य विभाग की आईडीएसपी टीम की सक्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

● लखनऊ प्रशिक्षण में आईडीएसपी के प्रभारी गए तो हुई जानकारी

> मैं लखनऊ प्रशिक्षण लेने गया तो वहां बरेली के मरीज की मौत की सूचना मिली थी, जिसके बाद पोर्टल पर अपडेट किया गया।
> –**डॉ. मीसम अब्बास**, प्रभारी, आईडीएसपी

तीन वर्षों में 14 मरीज तोड़ चुके हैं दम

आईडीएसपी की रिपोर्ट के अनुसार रैबीज से 2022 में सबसे अधिक 10, 2023 में तीन और 2024 में अब तक एक मरीज की मौत हो चुकी है। इस वर्ष जनवरी से अब तक करीब साढ़े दस हजार मरीजों को वैक्सीन लग चुकी है। जिसमें सबसे अधिक नौ हजार मामले कुत्ते काटने के सामने आए हैं।

घंटों कराया इंतजार, अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर मरीजों का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में मंगलवार को गर्भवती महिलाओं ने अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर जमकर हंगामा किया। घंटों इंतजार के बाद भी जांच न होने पर मरीजों ने स्टाफ से नाराजगी जताई तो स्टाफ भी भड़क गया। इससे दोनों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। करीब आधे घंटे के हंगामे के बाद दूसरे मरीजों और कर्मचारियों के समझाने पर मामला शांत हुआ।

मरीजों की संख्या अधिक होने पर स्टाफ ने पर्चों पर दो दिन बाद की डेट दे दी। इससे मरीज बिफर गए। मरीजों का कहना है कि जब दो दिन बाद ही जांच करनी थी तो भी घंटों लाइन में क्यों लगवाया। अस्पताल में स्थाई रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं होने से सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही अल्ट्रासाउंड जांचें होती हैं। एक दिन में करीब 60 से अधिक मरीजों की जांच हो जाती हैं लेकिन संख्या अधिक होने पर दिक्कत होती है।

जिला महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर हंगामा करते मरीज।

● जिला महिला अस्पताल में कर्मियों ने मरीजों को समझाकर शांत कराया

> सुबह 8 बजे से इंतजार कर रहे हैं लेकिन दोपहर 12 बजे तक पर्चा ही नहीं लिया गया। ऐसे में अगर कोई समस्या हो जाए तो कौन जिम्मेदार होगा।
> – **इरम**, पदारथ पुर

> मेरी देवरानी गर्भवती है। सुबह 10 बजे से यहां इंतजार कर रहे हैं। तीन घंटे बाद नंबर आया तो अब दो दिन बाद आने को बोल रहे हैं।
> –निधि, दिवानाखाना

> स्थाई डॉक्टर की तैनाती न होने से व्यवस्था प्रभावित हो रही है। तीन दिन जांच करने के लिए अन्य डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। शासन को जल्द स्थाई तैनाती करने के लिए पत्र भेजा गया है।
> –**डॉ. त्रिभुवन प्रसाद**, सीएमएस, जिला महिला अस्पताल।

कार्यवृत्त में गलत जानकारी दी और खोल दीं बंद अवैध दुकानें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम की बोर्ड बैठक में कुतुबखाना सब्जी मंडी की अवैध दुकानों को खोलने का प्रस्ताव पास किया गया था। अब यह बात निकल कर सामने आ रही है। मामले में ऑडिटर ने भी आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन उसे नजर अंदाज किया गया। कमेटी ने भी रिपोर्ट में दुकानों पर अवैध कब्जेदारों के काबिज होने की बात कही थी। इसके बाद भी दुकानें खोल दी गईं।

कुतुबखाना सब्जी मंडी की बंद दुकानों को खोलने के प्रस्ताव के खिलाफ पार्षद कपिल कांत ने बोर्ड बैठक में आपत्ति दर्ज कराते हुए मोशन चस्पा कराया था। पार्षद संजय राय और राजकुमार राजपूत इस मोशन अनुमोदक थे। मामले की शिकायत मंडलायुक्त से भी की गई। उसमें जांच करने के आदेश नगर आयुक्त को दिए गए। इस बीच संजय राय किन्हीं कारणों से पीछे हट गए, लेकिन दूसरे पार्षद ने शपथपत्र देकर अनुमोदक रहना स्वीकार किया।

अवैध दुकानें खुलवाने के लिए कार्यवृत्त से की गई थी छेड़छाड़: सूत्रों के अनुसार अवैध दुकानें खुलवाने के लिए कार्यवृत्त से छेड़छाड़ की गई थी। सदन की 23 अगस्त 23 की बैठक के बाद जो कार्यवृत्त उसी दिन जारी हो जाना चाहिए, वह 15 दिन बाद 6 सितंबर को जारी किया गया। इस कार्यवृत्त में भी यह दर्ज किया गया कि कुतुबखाना सब्जी मंडी में कुछ दुकानें डिमांड रजिस्टर पर दर्ज नहीं हैं। शासनादेश है कि बैठक के बाद मुख्य नगर अधिकारी और अन्य अफसरों के हस्ताक्षर से कार्यवृत्त जारी किया जाएगा। इसमें कोई संशोधन होता है तो उसे शासन को भेजा जाएगा, लेकिन कुतुबखाना सब्जी मंडी की दुकानें खुलवाने को जारी किए गए संशोधित कार्यवृत्त में नगर आयुक्त के हस्ताक्षर ही नहीं हैं।

● पार्षद ने शपथपत्र देकर सदन की कार्यवाही को बताया था गलत

स्थिति जानने के लिए बनी थी कमेटी

पिछले साल अगस्त में हुई बोर्ड बैठक के बाद दुकानों को खुलवाने और उनकी स्थिति जानने के लिए कमेटी बनी थी। कमेटी ने भी रिपोर्ट में कहा कि निगम की दुकान में काबिज व्यक्ति ने अनुमति के बिना पक्का निर्माण कर लिया है। दुकान नंबर 14 सी, 15सी, 25 सी के बारे में कहा गया कि निगम की अनुमति के बिना तीन दुकानों को एक और डबल स्टोरी कर लिया गया। यह दुकानें अफसरों की कृपा पर बिना किराए वर्षों से चलती आ रही हैं। 2016- 17 की आडिट रिपोर्ट में भी ऑडिटर ने आपत्ति दर्ज कराई थी। 2012-13 से न तो उक्त दुकानें आवंटित की गई। इनकी मांग भी रजिस्टर पर अंकित नहीं की गई और न किराये की वसूली प्रदर्शित की गई।

टैक्स वसूली को हर महीने लक्ष्य

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम अब वित्तीय वर्ष के अंतिम तीन महीनों के बजाय पूरे साल टैक्स वसूली करेगा। इसके लिए टीसी और राजस्व निरीक्षकों को सभी को महीने का लक्ष्य दिया जाएगा। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा ने बताया कि जीआईएस सर्वे के अनुसार शहर में टैक्स बिलों का वितरण और वसूली की जाएगी। सर्वे में हुई गड़बड़ियों की वजह से लोगों के पास गलत बिल भी पहुंचेंगे। ऐसे में आपत्ति के बाद जो बिल बनेगा, उस हिसाब से वसूली की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग छह हजार नए लोगों ने टैक्स जमा किया है। नए वित्तीय वर्ष में प्रयास होगा कि संख्या 60 हजार पहुंचे। इसके लिए राजस्व निरीक्षक और टीसी को सक्रिय कर प्रत्येक सप्ताह रिपोर्ट ली जाएगी। अब हर वार्ड के अनुसार टैक्स वसूली सूची बनेगी।

रेंट विभाग ने वसूले दो करोड़ : नगर निगम के रेंट विभाग ने वित्तीय वर्ष में दो करोड़ रुपये की वसूली की है। विभाग ने दो करोड़ 36 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया था। नगर निगम क्षेत्र में 15 सौ से ज्यादा दुकानों से किराया वसूला जा रहा है।

गांवों में सफाई अभियान चलाया

बरेली, अमृत विचार : जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। बिथरी चैनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत डोहरिया में मुख्य मार्गों और नालों की सफाई की गई। डीपीआरओ धर्मेंद्र कुमार ने सभी पंचायत सचिवों और प्रधानों को निर्देश दिए कि सफाई के बाद दवा का छिड़काव भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। अभियान के दौरान पोलिंग बूथों और स्कूलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आवश्यकता है
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित अमृत विचार को
रिपोर्टर /सब एडिटर/सीनियर सब एडिटर की
न्यूनतम योग्यताः- स्नातक
मुख्यधारा के अखबार में कम से कम 3 से 5 वर्ष काम करने का अनुभव
वेतन :- योग्यता अनुसार
बायोडाटा भेजें:-
hr@amritvichar.com 8476006584, 9518031113
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
हेड ऑफिस : नजदीक सेटेलाइट बस स्टैण्ड, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सार-संक्षेप

ऑटिज्म पीड़ित से करें नरम व्यवहार

बरेली, अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मंगलवार को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तसलीम खान रहे। अध्यक्षता प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका ए मसीह और उप- प्रधानाचार्या डॉ. अनीथा पी ने की। प्रधानाचार्या ने कहा कि ऑटिज्म पीड़ित से सुगम व्यवहार करें। उप प्रधानाचार्या ने बताया कि ऑटिज्म एक मेंटल डिसऑर्डर बीमारी है, जो ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलती है। पीड़ित मरीज की बातों को समझने में कठिनाई होती है। वक्ता प्रिया मैसी और दीक्षा खनका ने सहयोग किया।

सपा के प्रदेश प्रवक्ता ने प्रदर्शनी का किया समापन

बरेली, अमृत विचार : तीन दिन से युगवीणा लाइब्रेरी स्थित यामिनी आर्ट गैलरी में चल रही चित्रकला प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। सपा के प्रदेश प्रवक्ता मयंक शुक्ला मोंटी ने आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंग उतारकर प्रदर्शनी का समापन किया। चित्र कलाओं को दर्शकों ने सराहा था। डॉ. आरपी. गौतम, विपिन सागर ,गुंजन भारद्वाज, आयुष गुप्ता, संगीता पाठक, एडवोकेट विकास सोमवंशी एवं चित्रकारों में अवनी शाह, रिया गौर, अभिषेक चौहान उपस्थित रहे।

महिला शिक्षकों ने बीईओ के सामने रखीं समस्याएं

बरेली, अमृत विचार : महिला शिक्षक संघ की पदाधिकारियों ने क्यारा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी शीशपाल के सामने मातृत्व अवकाश समेत कई समस्याएं रखीं और निस्तारण की मांग की। मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्ष रेनू गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने खंड शिक्षा अधिकारी को संगठन की उद्देश्य पत्रिका भेंट की। महामंत्री संतोष मिश्रा, वंदना चंदन, प्रियंका शर्मा,कामिनी चौहान, नीतू अग्रवाल, राजबाला, जूही सिद्दीकी आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने पर जोर

बरेली, अमृत विचार : बिथरी बीआरसी पर मंगलवार को आयोजित तीन दिवसीय शारदा प्रशिक्षण में शिक्षकों को अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम आदि के बारे में जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने पर जोर दिया। ट्रेनर राजेश कुमारी यादव ,दीपाली सक्सेना, देवेंद्र गंगवार आदि मौजूद रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने मनाया होली मिलन समारोह

बरेली,अमृत विचार : उप्र प्राथमिक शिक्षक ने सोमवार को आरपी एंक्लेव में कैंप कार्यालय पर होली मिलन समारोह आयोजित किया। पदाधिकारियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान, मंत्री शिव स्वरूप शर्मा, अजरार हुसैन आगा, प्रमोद गंगवार, हरीश बाबू गंगवार, चंद्रसेन दिवाकर, विनोद वर्मा मौजूद रहे।

होली मिलन समारोह में इकट्ठे हुए रेल कर्मी

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ (पीआरएसएस) के मंडल कार्यालय पर मंगलवार को होली मिलन समारोह हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। संगठन के मंडल मंत्री जे एस भदौरिया ने सभी को बधाई संदेश दिया। विभूति यादव, विवेक शर्मा, शैलेश वर्मा, नंदन सागर, रविन्द्र, रुद्रप्रताप, चंदन रावत, धनकुमार पासवान आदि मौजूद रहे। इस मौके पर सूरज मलमीना संगठन में शामिल हुए। इस दौरान उनका अभिनंदन किया गया।

आज से 16 ट्रेनों का संचालन होगा प्रभावित

चार ट्रेनें निरस्त, सात रिशेड्यूल, टोडरपुर स्टेशन पर होंगे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आलमनगर-शाहजहांपुर रेलखंड के बीच टोडरपुर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य बुधवार से शुरू होंगे। इसकी वजह से मुरादाबाद मंडल की 16 ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इनमें चार ट्रेनों को रेलवे ने निरस्त, दो को शॉर्ट टर्मिनेट, सात को रिशेड्यूल और तीन को रेग्युलेट किया है।

मुरादाबाद रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन संख्या 14235 वाराणसी बरेली एक्सप्रेस मंगलवार को वाराणसी से नहीं चलाई गई, इसलिए ट्रेन बुधवार को स्टेशन नहीं पहुंचेगी और चार अप्रैल तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा 14307 प्रयागराज संगम-बरेली, 14236 बरेली वाराणसी, 14308 बरेली प्रयागराज एक्सप्रेस बुधवार से पांच अप्रैल तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा तीन से पांच अप्रैल तक 15074 टनकपुर-सिंगरौली त्रिवेणी 90 मिनट टनकपुर से, 22454 मेरठ सिटी-लखनऊ राज्यरानी एक्सप्रेस मेरठ से 120 मिनट , तीन अप्रैल को 15652 जम्मूतवी गुवाहटी लोहित जम्मूतवी से 65 मिनट, चार अप्रैल को 15076 टनकपुर-शक्तिनगर 90 मिनट, 12332 जम्मूतवी हावड़ा हिमगिरी एक्सप्रेस जम्मूतवी से 65 मिनट, चार और पांच अप्रैल को 15044 काठगोदाम लखनऊ एक्सप्रेस काठगोदाम से 65 मिनट देरी से चलाई जाएगी। इसके अलावा 13152 सियलदह एक्सप्रेस, 15910 अवध असम एक्सप्रेस, 15623 भगत की कोठी कामाख्या एक्सप्रेस का संचालन भी प्रभावित रहेगा।

कल साढ़े नौ घंटे बंद रहेगा बरेली-चंदौसी रेलमार्ग

- बिशारतगंज-आंवला स्टेशनों के बीच पड़ने वाले पुल पर होगा मरम्मत कार्य
- बरेली अलीगढ़ और बरेली मुरादाबाद पैसेंजर अप और डाउन ट्रेनें निरस्त

बरेली,अमृत विचार : मुरादाबाद रेल मंडल के बरेली-चंदौसी रेल मार्ग पर गुरुवार को साढ़े नौ घंटे का मेगा ब्लॉक की वजह से नौ ट्रेनों को संचालन प्रभावित होगा। ब्लॉक के दौरान बिशारतगंज और आंवला स्टेशन के बीच पुल संख्या 18 पर पुराने ब्लॉक बदले जाएंगे। इसकी वजह से रेलवे ने चार ट्रेनों को निरस्त, दो ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजनेट और शॉर्ट टर्मिनेट, दो ट्रेनों को रिशेड्यूल और एक ट्रेन को डायवर्ट किया है। मुरादाबाद रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि गुरुवार को 04366 मुरादाबाद बरेली, 04365 बरेली मुरादाबाद, 04378 बरेली अलीगढ़ और 04377 अलीगढ़ बरेली पैसेंजर का संचालन निरस्त रहेगा। इसके अलावा 15529 जन साधारण एक्सप्रेस को डायवर्ट कर बरेली कैंट-चंदौसी-मुरादाबाद के स्थान पर बरेली कैंट-बरेली जंक्शन-मुरादाबाद के रास्ते गुजरा जाएगा। इसके अलावा 12035 दिल्ली पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस टनकपुर से 120 मिनट और 12036 टनकपुर पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस दिल्ली से 270 मिनट देरी से चलाई जाएगी। बुधवार को दिल्ली से चलने वाली 04304 दिल्ली बरेली पैसेंजर मुरादाबाद तक ही चलेगी और यह ट्रेन गुरुवार को बरेली जंक्शन पर निरस्त रहेगी। 04303 बरेली दिल्ली पैसेंजर गुरुवार को मुरादाबाद से चलाई जाएगी और ट्रेन गुरुवार को बरेली जंक्शन से निरस्त रहेगी।

देखकर भी अनदेखी

जिला अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के बाहर एक मानसिक मंदित वृद्धा घंटों बैठी रही लेकिन स्टाफ ने उसकी सुध नहीं ली, डॉक्टर भी सामने से होकर निकल गए पर किसी की नजर उस पर नहीं गई। ● अमृत विचार

सचल दल ने बीए की परीक्षा में छात्र को नकल करते पकड़ा

- प्रवेश पत्र पर लिखकर लाया था नकल

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में रुहेलखंड विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा में बीए के छात्र को नकल करते पकड़ा गया। छात्र प्रवेश पत्र के पीछे नकल लिखकर आया था। सचल दल ने उसका यूएफएम कर रिपोर्ट विश्वविद्यालय भेज दी है। वहीं बरेली इंटर कॉलेज में मुख्यमंत्री के प्रबुद्ध सम्मेलन की वजह से परीक्षार्थियों को कुछ परेशानी हुई। छात्रों को स्विमिंग पूल गेट से ही प्रवेश और बाहर किया गया। पूर्वी और पश्चिमी गेट से छात्र बाहर न जाएं, इसके लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड सतर्क रहा।

चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि बीए द्वितीय वर्ष के छात्र को सचल दल ने चेकिंग के दौरान नकल करते पकड़ा है।

विश्वविद्यालय परिसर के एमएड के फार्म 4 से भरे जाएंगे : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने परिसर में संचालित एमएड के परीक्षा फार्म 4 से 10 अप्रैल तक ऑनलाइन भरे जाएंगे। जल्द ही इस संबंध में नोटिस जारी किया जाएगा।

बीएड, एमएड और बीपीएड की प्रयोगात्मक परीक्षा पांच अप्रैल से होगी

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएड, एमएड, बीएलएड, बीपीएड और प्रोफेशनल और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि निर्धारित कर दी है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक महाविद्यालयों को 5 अप्रैल से 5 मई तक परीक्षा कराकर अंक वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे। इसके बाद वेबसाइट बंद कर दी जाएगी और अंक स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कुतुबखाना पुल : बिजली कनेक्शन न होने से स्ट्रीट लाइटें बंद, छाया अंधेरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर की लाइफलाइन कहे जाने वाले कुतुबखाना पुल से व्यापारियों की समस्याएं कम नहीं हो रही हैं। बिजली कनेक्शन न होने से पुल के नीचे लगीं 46 स्ट्रीट लाइटें बंद पडी हैं। यह लाइटें सिर्फ उद्घाटन वाले दिन जली थीं। पुल के नीचे अंधेरा होने से लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है और व्यापारियों को दुकानों में चोरी होने का डर बना रहता है।

पुल का निर्माण स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत हुआ है। इसलिए स्ट्रीट लाइटों का बिल भी नगर निगम को भरना होग, लेकिन कनेक्शन नहीं लेने पर विद्युत विभाग ने सप्लाई देने से इन्कार कर दिया। व्यापारियों ने लाइटें चालू कराने की मांग की है। इसके अलावा व्यापारियों का कहना है कि जिला अस्पताल रोड पर पुल बनने के बाद कूड़े का उठान नहीं हुआ। लोहे के गर्डर और सीढ़ियां भी पड़ी हैं। पुताई का काम दिन में होने से जाम की समस्या हो रही है।

पुल के नीचे बंद पड़ी हैं स्ट्रीट लाइटें।

कुतुबखाना पुल स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बना है, इसलिए विद्युत बिल भी नगर निगम जमा करेगा। कार्यदायी संस्था पत्राचार कर रही है। स्ट्रीट लाइट कनेक्शन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द कनेक्शन हो जाएगा।
– केएन ओझा, महाप्रबंधक सेतु निगम

जिस दिन पुल चालू हुआ, उस दिन स्ट्रीट लाइटें जलीं, लेकिन उसके बाद अंधेरा रहता है। रात में दुकानों में चोरी होने का डर बना रहता है।
– चिरंजीत सिंह, दुकानदार

कुतुबखाना पुल व्यापारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। जाम की समस्या से व्यापारी पहले से ही परेशान हैं। अब स्ट्रीट लाइटें भी बंद पड़ी हैं।
–लविस अरोड़ा, दुकानदार

–सिर्फ एक दिन लाइटें जलीं, उसके बाद से बंद हैं। कोतवाली से कोहाड़ापीर तक करीब 46 पोल लगे हैं। सभी की लाइटें नहीं जल रही हैं।
–जितेंद्र अरोड़ा, दुकानदार

–पुल की वजह से व्यापारियों का हाल खराब है। पुल के नीचे कई जगह गंदगी के ढेर लगे हैं। लाइटें न जलने की वजह से भी दिक्कत हो रही है।
– संजय आनंद, दुकानदार

गर्भावस्था के समय बरतें सावधानी बच्चा हो सकता है क्लेफ्ट लिप

बरेली, अमृत विचार : ओरल हेल्थ माह के तहत बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस की ओर से बच्चों के मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. सत्यजीत ने बताया कि कटे होंठ और तालू को मेडिकल भाषा में क्लेफ्ट लिप और पैलेट कहते हैं। यह मुंह की प्रभावित करने वाला सबसे आम प्रकार का जन्म दोष है। यह समस्या तब होती है जब होंठ का निर्माण करने वाली दो संरचनाएं सामान्य रूप से काम न कर पाएं। एक हजार में से सात बच्चे में यह दोष होता है। विशेष कर यह जन्मदोष तब होता है, जब गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में भ्रूण विकसित होता है, तब उस दौरान मुंह के तालू की संरचनाएं आपस में नहीं जुड़ पाती हैं। यदि परिवार में किसी को या माता-पिता को यह समस्या हो तो उनसे होने वाले बच्चों में भी इस जन्म दोष का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ऐसी समस्या आए तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लें।

परीक्षा संपन्न, मई में आएगा रिजल्ट

बरेली, अमृत विचार : मंगलवार को सीबीएसई 12 वीं की परीक्षा संपन्न हो गई। अंतिम दिन छात्रों ने कंप्यूटर साइंस की परीक्षा दी। शहर के 81 विद्यालयों के 10 वीं के 7628 और 12 वीं के 6867 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया। सीबीएसई के सिटी समन्वयक वीके मिश्रा ने बताया कि मई में परीक्षाफल घोषित होने का अनुमान है। किसी प्रकार का संदेह होने पर छात्र कापियों का दोबारा से मूल्यांकन कराने को लिए स्क्रूटनी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्टेडियम में बच्चों के पूल की शुरुआत

बरेली, अमृत विचार : स्टेडियम में मंगलवार को तरणताल की शुरुआत संयुक्त विकास आयुक्त प्रदीप कुमार पांडे ने की। इसके साथ ही आवासीय छात्रावासों में प्रवेश के लिए फुटबॉल का पंद्रह दिवसीय केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर भी शुरू हुआ। स्विमिंग कोच सुमित ने बताया कि अभी बच्चों का पूल शुरु हुआ है। 10 से 15 दिन बाद बड़ा पूल भी शुरू हो जाएगा। बच्चों के पूल के लिए बुधवार से पंजीकरण शुरू होंगे। इस दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेंद्र यादव, जिला तैराकी संघ सचिव सुनील मित्तल, उपक्रीड़ाधिकारी शमीम, चंदन, शिल्पी, हरसुख, अनीता यादव, हरिशंकर आदि मौजूद रहे।

साठगांठ का खेल कई अनुदेशक घर बैठे कर रहे नौकरी

बरेली, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग में अफसरों से साठगांठ कर कई अनुदेशक घर बैठे नौकरी कर रहे हैं। उनके खातों में हर माह मानदेय पहुंच रहा है। एक उच्च प्राथमिक विद्यालय की अनुदेशक की शिकायत बीईओ तक पहुंची है। मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही गई है। आरोप है कि नवाबगंज के मुड़िया भीकमपुर स्थित उच्च प्राथमिक स्कूल में तैनात अनुदेशक कई साल से स्कूल नहीं जा रही हैं। मानदेय के लिए बीआरसी से भेजे जाने वाला पावना प्रपत्र पर अनुदेशक की अनुपस्थिति दर्ज है, लेकिन उनका मानदेय जारी हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक जिले में ऐसे करीब 20 अनुदेशक हैं जो बिना स्कूल गए मानदेय पा रहे हैं। बीईओ सतीश वर्मा ने बताया कि अनुदेशक के संबंध में शिकायत मिली है। इस संबंध में प्रधानाध्यापक से ब्योरा मांगा गया है।

खालसा साजना दिवस पर12 तक होंगे कार्यक्रम

प्रेसवार्ता में जानकारी देते प्रबंध समिति के अध्यक्ष मालिक सिंह कालरा।

- गुरुद्वारा प्रबंध समिति ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी

बरेली, अमृत विचार : मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से खालसा साजना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। मंगलवार को गुरुद्वारे में आयोजित प्रेसवार्ता में गुरुद्वारा प्रबंध समिति के अध्यक्ष मालिक सिंह कालरा ने बताया कि इस बार पीलीभीत रोड पर कुर्मांचल नगर के सामने खालसा मैदान में खालसा साजना दिवस मनाया जाएगा। 31 मार्च से सहज पाठ के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हो चुकी है। 12 अप्रैल तक चोला निशान साहिब, गुरुवाणी लेखन मुकाबला, राग दरबार, इलाही कीर्तन काउंसिल, विशेष अमृत वेला समागम समेत कई कार्यक्रम होंगे।

13 अप्रैल को मुख्य दीवान सजाया जाएगा। परमजीत सिंह सलूजा, अमरजीत सिंह बख्शी, एमपी सिंह, बलविंदर सिंह ,हरनाम सिंह, अमनदीप सिंह, मंदीप सिंह , जेपी सिंह सेठी आदि मौजूद रहे।

रेलवे : अब प्री नर्सरी में भी मिलेगा शिक्षण भत्ता

बरेली, अमृत विचार : अगर रेल कर्मी का बच्चा प्री नर्सरी में पढ़ रहा है तो शिशु शिक्षण भत्ता मिलेगा। इसका लाभ अन्य केंद्रीय कर्मचारियों को भी मिलेगा। कारखाना इज्जतनगर में एनई रेलवे मजदूर यूनियन की हुई बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी ने बताया कि पहले शिशु शिक्षण भत्ता केवल एनसी और केजी में मिलता था। अब प्री नर्सरी में भी इसे लागू कर दिया गया है। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने बताया कि यह निर्णय कर्मचारियों के हित में है। केंद्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष वीएन सिंह ने बताया कि नए भत्ते का लाभ सत्र 2023-24 से लागू होगा। मंडल अध्यक्ष परवेज अहमद, मंडल मंत्री राम किशोर, अनुराग, धर्मपाल, राजवीर मीना, सचिन, ओम प्रकाश, बाबूलाल मीणा, पवन मिश्रा, गोविंद पोडवाल, हर्ष, मालती नेगी, एके अग्निहोत्री, राम सनेही मौजूद रहे।

कैंब्रिज स्कूल में हवन के साथ नया शैक्षिक सत्र शुरू

बरेली, अमृत विचार : स्टेडियम रोड स्थित कैंब्रिज स्कूल में मंगलवार को हवन कर नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत की गई। इस मौके पर बच्चों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि बीके कोचर एडवोकेट और प्रधानाचार्य मिथलेश वार्ष्णेय ने सत्र शुरू किया। प्रबंध निदेशक प्रो. कृष्ण अवतार वार्ष्णेय, डा. नवनीत कृष्ण वार्ष्णेय, अवधेश सक्सेना, साधना चौहान, रश्मि त्रिपाठी, रिंपी सक्सेना मौजूद रहीं।

बरेली शूटिंग अकादमी के शूटरों ने जीते 19 पदक

बरेली, अमृत विचार : लखनऊ में हुई ओपन शूटिंग चैंपियनशिप में बरेली शूटिंग अकादमी के शूटर ने 19 पदक जीते। अकादमी को बेस्ट अकादमी का भी अवार्ड मिला। प्रतियोगिता में वृंदा महाजन, देविना गर्ग, अदिति सिंह, आदित्य सिंह, गौतम शर्मा, हरजस सिंह, अनमोल चौरसिया, उत्कर्ष आदि शूटर्स ने पदक जीते। यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह यादव, कोच अमित यादव, ओम गुप्ता आदि ने पदक जीतने वालों को बधाई दी है।

Bareilly International University
Dental College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
REQUIREMENT
Accountant (04)
Fresher may apply.
Qualification - B. Com, M. Com, CA trainee
CA drop candidate, CA intermediate.
Basic knowledge of Accounting software is must.
Contact Number/WhatsApp - 9568131000

बीईओ के खिलाफ कार्रवाई को शिक्षक नेता लामबंद

बरेली, अमृत विचार : बीआरसी में चोरी के बाद बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है। इस मुद्दे पर शिक्षक नेता लामबंद हैं। उनका कहना है कि जब स्कूल में चोरी के मामले में शिक्षक को निलंबित किया जा सकता है तो बीईओ पर मेहरबानी क्यों। वहीं, बीईओ का कहना है कि मामले में उनके कार्रवाई का कोई नियम नहीं है।

दरअसल, कुछ समय पहले बिथरी और नवाबगंज में स्कूल में हुई चोरी पर बीईओ की संस्तुति पर दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया था। अभी कुछ दिन पहले बिथरी में ब्लाक संसाधन केंद्र (बीआरसी) और एक स्कूल में चोरी हुई थी। इसके बाद से शिक्षक नेता बीईओ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठा रहे हैं।

हार्ड डिस्क में था गोपनीय डाटा, वहीं हो गया चोरी

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डा. विनोद कुमार शर्मा का कहना है कि बीआरसी से कंप्यूटर हार्ड डिस्क सहित तमाम कीमती सामान की चोरी हुई है। बीईओ के लिए भी शिक्षकों की नियमावली ही लागू होती ही। इस पद के लिए अलग से कोई नियमावली नहीं है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिलाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि किसी भी अपराध के लिए दो अलग अलग नियम नहीं हो सकते हैं।

नहीं है कोई कार्रवाई का नियम

इस संबंध में बीईओ अवनीश कुमार का कहना है कि हर किसी संवर्ग के लिए कार्रवाई के लिए नियमावली है। टीचर की नियमावली से बीईओ पर कार्रवाई नहीं हो सकती है। कहा कि यदि ऐसा कोई नियम हो तो वह सस्पेंड होने के लिए तैयार हैं।

एंबुलेंस कर्मियों ने ईएमटी दिवस मनाया

बरेली, अमृत विचार : बरेली ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस संस्था की ओर से तीन सौ बेड अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में एंबुलेंस कर्मियों ने ईएमटी दिवस मनाया। इस दौरान ट्रेनर रिजवान आलम और क्वॉलिटी ऑडिटर संदीप कुमार ने कर्मियों को प्रशिक्षण दिया। बेहतर कार्य करने वाले ईएमटी को क्षेत्रीय मैनेजर विनय कुमार गुप्ता ने सम्मानित किया। प्रशिक्षण में बरेली, बदायूं समेत चार जिलों के कर्मियों ने भाग लिया। प्रोग्राम मैनेजर शिवम सोनी, जिला प्रभारी हरि भूषण आदि मौजूद रहे।

समस्या आपकी समाधान

INTERNATIONAL SEXOLOGIST

• Growth Hormone
• Testosterone Hormone
• L.H Hormone
• F.S.H.Hormone
• Vitamin D
• Prolactin Hormone
• Suger/ • B.P
• ALL OLD DISEASES ONLINE TREATMENT POSSIBLE

सभी जाँच करवा कर WhatsApp पर करें और घर वैठे इलाज करवायें

नरेन्द्र कुमार-
मेरी शादी को 4 वर्ष हो चुके थे। मैं शीघ्रपतन रोग से पीड़ित था। कम्प्यूटर इंजीनियर होने के साथ-साथ जॉब में अपने पार्टनर से मिलता था तब मुझे 30 से 40 सेकेन्ड में मेरा शीघ्रपतन हो जाता था। एक दिन हम दोनो ने फैसला लिया और सीधे सिंह क्लीनिक पहुंचे दोनों ने इलाज करवाया। डॉ. सिंह ने जैसे मुझे दवाई दी मैं एक सप्ताह में ठीक हो गया। मुझमें वही जोश आने लगा जो जोश जवानी में आता था। आज मेरा वैवाहिक जीवन सफल हुथा। आज में जो कुछ हूं वो डॉ. सिंह की वजह से हूं।

पवन कुमार-
आयु 11 वर्ष बदायु बरेली, मेरा बेटा 11 वर्ष का हो चुका था शारीरिक एवं मानसिक रूप से देखने में ठीक था जन्म से लिंग एवं अण्डकोष छोटे थे जिसकी वजह से हम अत्यधिक परेशान रहते थे किस डाक्टर को दिखाएं एक दिन हमने अपने बच्चे को डॉ. वी.पी. सिंह को दिखाया पहले उन्होंने जाँच कराई और जाँच के बाद इलाज सही तरीके से करवाया 8 महीने में बच्चे के लिंग का विकास होने लगा और क्रमश: बेटा ठीक हो गया।
धन्यवाद..DR. V.P. SINGH

नि:संतान स्त्री एवं पुरूष गुप्त रोगों से पीड़ित महिलायें ल्यूकोरिया पुरानी से पुरानी ल्यूकोरिया बांझपन आदि फलोपियन ट्यूब का बन्द होना IUI (इंट्रा यूटेराईन इन्सेमिनेशन, (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) IVF करवाना व पुरूषों में शुक्राणुओं का कम बनना आदि के लिए उचित परामर्श लें।

Singh Clinic™
An ISO 9001-2008 Certify Clinic
Marriage Counseling
Pre n Post Marriage & Married Counsltant

Dr. V.P. Singh
D.Lit. (Ayurveda)
स्त्री एवं पुरूष गुप्त रोग विशेषज्ञ
International Sexologist

रायल कालोनी, पीलीभीत बाईपास रोड, सैटेलाइट बस स्टैण्ड से 1 किमी. आगे, सतीपुर चौराहा, बरेली
9837057107
9837343729
Website: sexologistvpsingh.com
Website: drvpsinghsexologist.com
Google Maps
FOLLOW US :

साइबर सेल करेगी जांच, जेल के अफसर भी आ सकते हैं लपेटे में

शूटर राका के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस सक्रिय

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• हाई सिक्योरिटी बैरक में लिए गए फोटो जांच के लिए साइबर सेल भेजे

अमृत विचार : इज्जतनगर स्थित सेंट्रल जेल में बंद रहे शूटर समीर खान उर्फ राका के हाई सिक्योरिटी बैरक में खींचे गए फोटो जांच के लिए साइबर सेल भेज दिए हैं। जांच के बाद जेल के कई अफसर और कर्मचारी फंस सकते हैं।

जेल प्रशासन ने इस मामले में इज्जतनगर थाना में समीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके बाद इज्जतनगर इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह ने जेल में जाकर तीन घंटे तक निरीक्षण किया था। इसके अलावा सभी फोटो और वीडियो साइबर सेल को भेज दिए। पुलिस साइबर सेल की मदद से यह पता लगा रही है कि वायरल किए गए फोटो कब खींचे गए। समीर खान उर्फ राका ने जेल के अंदर के फोटो वायरल होने के बाद फेसबुक से अपना अकाउंट डिलीट कर दिया था।

जेल में खींची गई समीर की फोटो।

> समीर खान उर्फ राका के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले में जांच की जा रही है। राका के फेसबुक पर पोस्ट किए गए सभी फोटो और वीडियो साइबर सेल भेजे गए हैं। इससे पता लगाया जा रहा है कि कि फोटो कब खींचे गए। -जयशंकर सिंह, थाना प्रभारी इज्जतनगर

जेल में मिल रही थीं सभी सुविधाएं

बता दें कि बरेली के जिला जेल में बंद रहे माफिया अशरफ की तरह सेंट्रल जेल में राका को भी सभी सुख सुविधाएं मिल रही थीं। राका का हाई सिक्योरिटी बैरक सिर्फ नाम का था। बैरक किसी होटल के कमरे से कम नहीं थी। बैरक में टीवी, टेबल, हैंगर, बेड आदि सभी सुविधाएं मौजूद थीं। इंस्पेक्टर इज्जतनगर जयशंकर सिंह ने जेल में जांच के बाद साफ किया था कि हाई सिक्योरिटी बैरक में राका को मोबाइल फोन का खुलकर इस्तेमाल करने से साफ होता है कि ऐसा जेल के अधिकारियों की मर्जी के बगैर हो पाना मुश्किल है।

मकान का छज्जा गिरने से चार बच्चों समेत 11 घायल

मीरगंज, अमृत विचार : मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव कुल्चा खुर्द में छज्जा गिरने से चार बच्चों समेत 11 लोग घायल हो गए। बच्चों को हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल में भर्ती बच्चे।

गांव कुल्चा खुर्द निवासी गंगा चरण की बुजुर्ग मां चमेली देवी गांव ओसी थाना शाहबाद रामपुर में अपनी बेटी के यहां रहती थी। चमेली देवी की सोमवार की रात मौत हो गई। उनका शव मंगलवार की सुबह कुल्चा गांव में लाया गया। इस दौरान करन के घर के पर छज्जे पर जाकर लोग बैठ गए। इस दौरान अचानक छज्जा गिर गया, जिनमें अनीता (18), शीला (19), शिवानी (16), अंजनी (6), ऋतिक (6), कार्तिक (5), सुमन (12), ज्योति (10), उषा (22), प्रियल (4) और ज्ञानवती (35) गंभीर रूप से घायल हो गए।

जीटीआई के छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

संवाददाता, बरेली/सीबीगंज

• पुलिस के अनुसार तीन पेपर में बैक आने से तनाव में था छात्र

अमृत विचार : जीटीआई प्रथम वर्ष के छात्र ने मंगलवार को ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। छात्र तीन पेपर में बैक आने से तनाव में था और दो दिन से कॉलेज भी नहीं जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि कोतवाली के सीताराम कूंचा निवासी रजनीश शुक्ला का बेटा प्रशांत शुक्ला (22) राजकीय पॉलिटेक्निक सीबीगंज से मैकेनिकल प्रोडक्शन ट्रेड का छात्र था।

प्रथम वर्ष की परीक्षा में उसकी तीन विषयों में बैक आई थी, जिससे वह तनाव में रहने लगा। बैक आने की जानकारी उसने परिजनों को नहीं दी। वह दो दिन से कॉलेज भी नहीं आया। मंगलवार दोपहर में सीबीगंज क्षेत्र के एक ईंट भट्टे के पास डाउन लाइन पर आ रही राजधानी एक्सप्रेस के सामने वह कूद गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परसाखेड़ा चौकी इंचार्ज संदेश सिंह ने छात्र की पहचान दस्तावेजों के आधार पर की और परिजनों को सूचना दी। प्रशांत की मौत की सूचना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वह दो भाइयों में बड़ा था। राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रशांत शुक्ला प्रथम वर्ष का छात्र था। वह दो दिन से कॉलेज नहीं आया। उसकी तीन विषयों में बैक आई थी। आत्महत्या क्यों की इसकी वजह नहीं पता है। इस मामले में परिजनों भी कोई खास जानकारी नहीं दे सके।

संवेदनशील मतदान केंद्रों पर होगी ड्रोन से निगरानी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• एडीजी ने गूगल मीट के माध्यम से दिए दिशा निर्देश

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में संवेदनशील मतदान केंद्रों की निगरानी ड्रोन से की जाएगी। एडीजी पीसी मीना ने मंगलवार को पुलिस अधिकारियों को ऑनलाइन बैठक में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आगामी त्योहारों ईद, नवरात्र, राम नवमी और झूलेलाल जयंती पर भी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए। बैठक में आईजी डॉ. राकेश सिंह, एसएसपसी घुले सुशील चंद्रभान भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाने त्योहार रजिस्टर का अवलोकन करें और जुलूसों में पर्याप्त फोर्स लगाएं। इसके अलावा पीस कमेटी, प्रबुद्ध वर्ग और धर्म गुरुओं की बैठक करें। सोशल मीडिया पर भी नजर रखें। लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए कार्य योजना तैयार करें और अराजक तत्वों पर भी कार्रवाई करें। मतदान के दिन डायल 112 का रूट और ड्यूटी चार्ट चिह्नित करें।

ऑनलाइन बैठक करते एडीजी।

महिला का एटीएम कार्ड बदलकर निकाले रुपये

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर में महिला का एटीएम कार्ड बदलकर रुपये निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

राजीव कॉलोनी निवासी मधु चौहान ने बताया कि 31 मार्च को वह एटीएम कार्ड से रुपये निकालने के लिए सुभाषनगर स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम पर गईं थीं। वहां उन्हें एक युवक मिला। युवक ने बातों में लगाकर एटीएम बदल लिया। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर मेसेज आया कि बैंक ऑफ इंडिया की सिविल लाइंस शाखा के एटीएम कार्ड से 28500 रुपये निकाल लिए हैं। जब उन्होंने अपना एटीएम कार्ड देखा तो वह बदला हुआ निकला।

पुराने आईसीएफ कोच से दौड़ रहीं दादर और महाकाल एक्सप्रेस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• बोर्ड की लिस्ट में एलएचबी कोच प्रस्तावित होने के बावजूद नहीं किया बदलाव

अमृत विचार : बरेली से लोकमान्य तिलक टर्मिनस और इंदौर जाने वाली ट्रेनों की हालत खराब है। ट्रेनों के एसी कोचों में कम कूलिंग और बार-बार बिजली जाने से यात्री परेशान होते हैं। इसकी वजह है कि दोनों ही ट्रेनों को पुराने आईसीएफ कोच से चलाया जा रहा है, जबकि एलएचबी कोच से संचालन के प्रस्ताव को भी रेलवे से मंजूरी मिल चुकी है। यात्रियों की शिकायत की वजह से रेलवे इलेक्ट्रिकल विभाग के कर्मचारियों को भी काफी परेशानी होती है। सांसद संतोष गंगवार भी दोनों ट्रेनों को एलएचबी कोच से चलाने की मांग कर चुके हैं।

ट्रेन संख्या 14313/14 बरेली-लोकमान्य टर्मिनस-बरेली (दादर) और ट्रेन संख्या 14319/20 बरेली- इंदौर-बरेली महाकाल का आईसीएफ रैक काफी पुराना और खराब हो गया है। ट्रेन में बिजली स्वयं बनने और स्पीड कम होने के कारण कम कूलिंग और बार-बार बिजली गुल हो जाती है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि दोनों ट्रेनें एलएचबी कोच में परिवर्तन के लिए रेलवे बोर्ड की लिस्ट में शामिल हैं, लेकिन रैक उपलब्ध नहीं होने के कारण अभी तक अपग्रेड नहीं किया जा सका है। महाकाल और दादर एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन सप्ताह में एक-एक दिन किया जाता है। दोनों ही ट्रेनें एक ही रैक से चलाई जाती हैं। ऐसे में केवल एक ही रैक की आवश्यकता होगी। स्टेशन अधीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि आने वाले दिनों में सभी ट्रेनों को एलएचबी कोच से चलाया जाएगा। बरेली से चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस और वाराणसी एक्सप्रेस को भी एलएचबी कोच में बदला जाएगा।

दो युवतियों की हत्या कर फेंके गए शवों की दो माह बाद भी पहचान नहीं

बरेली, अमृत विचार : सीबीगंज और कैंट थाना क्षेत्र में दो युवतियों की हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने दो माह में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी तो दूर पहचान तक नहीं कर पाई है। 30 जनवरी को सीबीगंज इलाके के पड़धौली गांव के नजदीक हाईवे किनारे युवती का शव मिला था। युवती की हत्या करने के बाद चादर से उसका हाथ-पांव बांध कर फेंका गया था। पुलिस युवती की पहचान के लिए राजस्थान से हरियाणा तक गई मगर सफलता नहीं मिली। वहीं, कैंट क्षेत्र के ठिरिया निजावत खां के आम के बाग में 20 दिसंबर 2023 को युवती का गला रेत कर हत्या कर शव फेंका गया था। पुलिस अभी तक युवती की पहचान नहीं कर पाई है।

सेवा प्रबंधक के खिलाफ रोडवेज कर्मचारी देंगे धरना

बरेली, अमृत विचार : रोडवेज कर्मचारी उत्पीड़न के विरोध में बरेली रीजन के सेवा प्रबंधक के खिलाफ बुधवार को धरना प्रदर्शन करेंगे। यूपी रोडवेज इम्प्लॉइज यूनियन के क्षेत्रीय मंत्री रविन्द्र पांडे ने बताया कि यूनियन की बैठक में कर्मचारियों ने सेवा प्रबंधक पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। कर्मचारियों में भ्रष्टाचार के प्रति भी नाराजगी है।

सीएम शहर में, सड़कें जाम

मुख्यमंत्री के बरेली इंटर कॉलेज में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन की वजह से पुलिस लाइन से कार्यक्रम स्थल तक जगह-जगह बैरीकेड लगाकर ट्रैफिक रोका गया। इसकी वजह से चौपुला चौराहा, चौकी चौराहा, गांधी उद्यान, विकास भवन रोड पर जाम लग गया। लोगों ने दूसरे रास्तों से निकलने की कोशिश की तो वहां फंस गए। भीषण गर्मी में जाम में फंसने से लोग काफी परेशान हुए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी जाम की स्थिति बनी। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने यातायात सुचारू कराया।

• अमृत विचार

सार-संक्षेप

प्रेमी से शादी का विरोध कर रहे हैं परिजन

बरेली, अमृत विचार : भोजीपुरा थाना क्षेत्र की युवती प्रेमी से शादी करना चाहती है लेकिन प्रेमी के दूसरे समुदाय के होने की वजह से परिजन तैयार नहीं हो रहे हैं। परिजन उसका दूसरी जगह निकाह करना चाह रहे हैं। इस मामले में एक युवक ने पुलिस अधिकारियों को एक्स पर पोस्ट कर शिकायत की। युवक के मुताबिक युवती घर से प्रेमी के साथ पंडित केके शंखधार के पास पहुंची। युवती बचपन के साथी से प्रेम करती है और शादी करना चाहती है लेकिन परिजन विरोध कर रहे हैं। अगर वह अपने घर जाएगी तो उसे परिवार वाले जान से मार देंगे। युवती को भोजीपुरा पुलिस ने घरवालों के सुपुर्द कर दिया, जबकि उसके बयान कराने चाहिए थे।

महिला ने लगाए पिता पर गंभीर आरोप

बरेली, अमृत विचार : एक महिला ने पिता पर दुष्कर्म करने की कोशिश का आरोप लगाया है। महिला ने एसएसपी कार्यालय में शिकायती पत्र दिया था। अब दूसरे समुदाय के एक युवक ने पुलिस अधिकारियों को एक्स पर पोस्ट कर शिकायत की है। महिला का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रही है कि कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर लेगी। महिला का विवाह पांच साल पहले हो चुका है। उसके पिता एक विभाग में प्रभारी हैं और पति दूसरे विभाग में सहायक अभियंता हैं। महिला का आरोप है कि उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की तो उसने दादी से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। आरोप है कि पति भी पिता का ही सहयोग करते हैं। यदि कार्रवाई नहीं की तो वह आत्महत्या कर लेगी। वहीं महिला के पति और पिता कहना है कि महिला मानसिक मंदित है।

कुकर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, अमृत विचार : बालक से कुकर्म करने के मामले में थाना सिरौली के एक गांव निवासी आरोपी की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट रामदयाल ने खारिज कर दी। सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़ित के पिता ने थाना सिरौली में तहरीर देकर बताया था कि 21 फरवरी को बेटा डेयरी पर दूध पहुंचाने गया था, तभी हंसू आ गया और बेटे से अश्लील बातें करने लगा। आरोप है कि वह बालक को बहलाकर एक कमरे में ले गया। वहां उसके साथ कुकर्म किया।

कोल्ड ड्रिंक लेने गए युवक पर किया हमला

बरेली, अमृत विचार : बारादरी में कोल्ड ड्रिंक लेने गए युवक पर चार लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। संजयनगर निवासी अमर सिंह ने बताया कि 26 मार्च को वह दुकान से कोल्ड ड्रिंक लेने गए थे। रास्ते में उसे मोहल्ले का शोभित अपने तीन साथियों के साथ मिला और गालीगलौज करते हुए मारपीट की।

अधिवक्ता को दी झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

सीबीगंज, अमृत विचार : अधिवक्ता और उनके परिवार को दबंगों ने जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है। सीबीगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीबीगंज के अटरिया निवासी अधिवक्ता मोहनस्वरूप लोधी ने बताया कि वह भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री पूरनलाल लोधी के भाई हैं। उनका आरोप है कि सोमवार को रात साढ़े आठ बजे गांव का सुभाष लोधी और उसके पिता सोमपाल उनके घर के पास खड़े होकर गालीगलौज कर रहे थे। जब उनका बेटा वहां से निकला तो उसके साथ मारपीट की। जब वह थाने शिकायत करने पहुंचे तो आरोपी सुभाष ने फोन पर धमकी दी। उन्होंने फोन का स्पीकर ऑन कर इंस्पेक्टर राधेश्याम को भी सुनाया।

शमा वेलफेयर सोसाइटी ने कराया रोजा इफ्तार

बरेली, अमृत विचार : शमा वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद शादाब रजवी ने मंगलवार को सिविल लाइन में रोजा इफ्तार का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों सहित शहर की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। बरेली हज सेवा समिति के संस्थापक पम्मी खान वारसी, विधायक अताउर्रहमान, ई .अनीस अहमद खां, डॉ. अनीस बेग, अर्शी अहमद खां, जहीर अहमद, डॉ कदीर अहमद, मौलाना शाहबुद्दीन रजवी, पाशा मियां निजामी नियाजी, मनजीत सिंह बिट्टू आदि मौजूद रहे।

शक्ति लगने पर युद्ध में मूर्छित हुए लक्ष्मण

बरेली, अमृत विचार : ब्रह्मपुरी में चल रही रामलीला में मंगलवार को कलाकारों ने लक्ष्मण शक्ति और कुंभकर्ण वध का मंचन किया। गुरु व्यास मुनेश्वर महाराज ने बताया कि अंगद ने रावण को समझाया, लेकिन वह नहीं मना। वानरों की सेना ने लंका के दुर्गम किले को घेर लिया। मेघनाद और लक्ष्मण के बीच युद्ध शुरू हो गया। मेघनाद ने वीरघातिनी शक्ति का प्रहार किया। शक्ति लगने पर लक्ष्मण मूर्छित हो गए। प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा, अध्यक्ष सर्वेश रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बरेली संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
अमृत विचार

साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222
हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

एक नजर

सेमीखेड़ा चीनी मिल का पेराई सत्र आज होगा खत्म

देवरनियां, अमृत विचार : सेमीखेड़ा चीनी मिल का पेराई सत्र बुधवार को बंद हो जाएगा। मंगलवार को लाउडस्पीकर से क्षेत्र में एलान कराया गया। मिल प्रबंधन के मुताबिक मिल यार्ड में गन्ने की कम आपूर्ति को देखते हुए तीन अप्रैल से मिल बंदी का फैसला लिया गया है। मंगलवार को कुछ किसान ही गन्ना लेकर आए। मिल प्रबंधन ने क्षेत्र में बुधवार से मिल बंदी का एलान कराते हुए , कहा कि जिन किसानों के पास गन्ना बचा है ।वह मंगलवार रात तक आपूर्ति कर दें। बुधवार को मिल बंद कर दी जाएगी।

परीक्षाफल के साथ मिला पुरस्कार तो खिल उठे चेहरे

नवाबगंज, अमृत विचार : नगर के श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में मंगलवार को परीक्षाफल वितरण करने के साथ ही कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शम्भू दयाल, राम कुमार शर्मा, राम दुलारे, राम सेवक शर्मा, खेमकरन लाल, चन्द्र पाल, सुरेन्द्र पाल, मोहन स्वरूप, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एक ही रात में ग्राम प्रधान समेत चार घरों पर चोरों ने बोला धावा

सोने-चांदी के जेवर समेत नकदी समेट ले गए, पुलिस को दी तहरीर

संवाददाता, सिरौली

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के एक गांव के चार घरों को चोरों ने निशाना बना लिया। चोर ग्राम प्रधान समेत दो घरों से नकदी समेत जेवर चोरी करके ले गए। जबकि दो घरों में लोगों के जागने पर चोर सामान ले जाने में असफल हो गए।

सिरौली के बराथानपुर ग्राम प्रधान पति प्रकाश सिंह यादव ने बताया कि बीती रात चोर उसके घर में घुसे और दो लाख के सोने-चांदी के जेवर, एक लाख की नकदी चोरी करके ले गए। गांव के शिव सिंह ने बताया कि चोर सोने-चांदी के जेवर और 25 हज़ार की नकदी चुरा कर ले गए। ग्रामीणों ने बताया कि चोरों ने गांव के रामसेवक यादव और सीताराम शर्मा के घरों में भी चोरी करने की कोशिश की। परंतु लोगों के जागने पर चोर फरार हो गए। ग्राम प्रधान पति ने पुलिस को शिकायत दी है।

मंदिर से डेढ़ बोरी पीतल की घंटी और नकदी चोरी

भोजीपुरा, अमृत विचार : चोरों ने सोमवार रात बालाजी मंदिर डेढ़ बोरी पीतल की घंटियां और दानपात्र से नकदी चुरा ले गए। पुजारी को चोरी की सुबह जानकारी हुई। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। भोजीपुरा के गांव मोहम्मदपुर ठाकुरान में बालाजी का मंदिर आबादी से दूर मुख्य सड़क पर हैं। मंदिर में गांव के ही हरीशचंद्र बालाजी की सेवा करते हैं। रात में वह घर जाकर सोते हैं। मंदिर में भक्तों ने पीतल के छोटी-छोटी घंटी दान में भेंट किए गए थे। पुजारी ने घंटों को दो बोरियों में भरकर मंदिर के कमरे में रख दिए थे। प्रत्येक मंगलवार को बालाजी का दरबार लगता है और हर वर्ष ज्येष्ठ माह में विशाल भंडारा होता है। मंदिर में तीन बड़े दान पात्र रखे हुए थे। दानपात्रों में ज्येष्ठ माह से अब तक के हजारों रुपये रखें थे। सोमवार की रात चोरों ने मंदिर में बोरियों में रखे सभी घंटों और तीनों दानपात्रों को तोड़कर नकदी ले गए। सुबह चोरी की जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर डायल 112 और भोजीपुरा थाने से एसआई रनवीर सिंह फोर्स को लेकर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण किया। हिंदूवादी नेता हिमांशु पटेल ने बरेली पुलिस को ट्वीट कर कार्रवाई की मांग की है। पुजारी ने घटना की तहरीर नहीं दी।

दिव्यांग ने प्रधान पुत्र और रोजगार सेवक पर लगाया मारपीट का आरोप

गुलड़िया, अमृत विचार : सिरौली थाना क्षेत्र के गांव गुरुगांव मुश्किल निवासी दिव्यांग अमर सिंह ने बताया कि वह 30 मार्च को गांव के रोजगार सेवक के पास नल की समस्या को लेकर गए थे। वहां प्रधान पुत्र पहले से ही मौजूद थे। जब प्रार्थी अपने नल की समस्या का जिक्र किया तो ग्राम प्रधान पुत्र गुस्से में गाली देते हुए मुझे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद जब उसने पूछा क्यों मारा तो रोजगार सेवक भड़क उठा और अभद्र भाषा बोलते हुए मुझे पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द व अपशब्द कहते हुए मुझे वहां से भगा दिया। दिव्यांग का आरोप है कि प्रधान पुत्र ने मेरे साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि तूने हमें वोट नहीं दिया है , इसलिए हम तेरा काम नहीं करेंगे अगर तूने पुलिस में शिकायत की तो तेरे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। जब पीड़ित सिरौली थाने शिकायत लेकर पहुंचे तो सिरौली थाने से हमें बड़गांव चौकी भेज दिया, बड़गांव पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

साइबर ठग ने ग्रामीण से की नौ हजार की ठगी

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : साइबर ठग ने एक ऑनलाइन प्लेटफार्म की फर्जी आईडी भेजकर मिक्सी डिलेवर के नाम पर ग्रामीण से साढ़े नौ हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।

गांव कुरतरा निवासी महेंद्र पाल सागर ने दो दिन पहले ऑनलाइन मिक्सी खरीदी थी।मंगलवार सुबह को साइबर ठग ने फोन करके कहा कैश ऑन होम डिलीवरी नहीं हो पाएगी। आपको ऑनलाइन पेमेंट करना होगा। महेन्द्र पाल ने गुगल पे से 2308 रुपये भेज दिए। इसके कुछ देर बाद फिर फोन आया कि आपने मिक्सी की धनराशि कम भेजी है। 2379 भेजो आपका जो भी अतिरिक्त धन आएगा उसे वापस कर दिया जाएगा। उसने 2379 और भेज दिया।कुछ देर बाद उसका फिर फोन आया दो बार धनराशि भेजने से दो आईडी बनने के कारण डिलेवरी नहीं हो पा रही है।अब 4687 रुपये भेजोगे तभी मिक्सी मिलेगी। आपका अतिरिक्त रुपया मिक्सी के साथ वापस भेज दिया जाएगा।पीड़ित ने यह धनराशि भी भेज दी। कुछ देर बाद साइबर अपराधी ने 4600 रुपये और मांगे तो उसे ठगी का एहसास हो गया। उसने और रुपये नहीं भेजने की असमर्थता जताई तो आरोपी ने अपनी आईडी भेज दी। पीड़ित ने गांव के एक व्यक्ति उस प्लेटफार्म की आईडी सर्च कराई वह फर्जी निकली।आइडी पर दयाशंकर मिश्रा लिखा था।जबकि उसके फोन के सिम की आइडी पर आफताब आलम और गूगल पे पर कुछ और नाम आ रहा था। आइडी मिसमैच होने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।

छुट्टा पशुओं की समस्या पर सौंपा ज्ञापन

शेरगढ़,अमृत विचार : भाकियू (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष तेजपाल गंगवार की अध्यक्षता में ब्लॉक मुख्यालय पर मासिक पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें गोवंशीय पशुओं की समस्या समेत कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री,जिलाधिकारी,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और मुख्य विकास अधिकारी के नाम संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी सीपी पांडेय को सौंपा गया। 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा में बताया गया कि खमरिया बांध को किसान हर साल निजी स्तर से धनराशि एकत्र कर बांधते हैं। सरकार पक्का बांध का निर्माण कराए जिससे सिंचाई की समस्या दूर हो सकें। वहीं किसानों की खतौनियों में जो अंश प्रमाण पत्र खुलवाए गए हैं उनमें हिस्सा स्पष्ट नहीं होता जिससे किसानों को बैंक तथा तहसील में धक्के खाने पड़ते हैं जिसे ठीक कराया जाए,इसके साथ ही अन्य मांगे रखी। इस मौके पर दानिश अख्तर, हरिओम शर्मा,भारत भूषण गुप्ता,रिंकू गंगवार,रोहित शर्मा,इकबाल खां,गुड्डू,जाकिर,कृष्ण पाल,लतीफ खां,मोहम्मद यासीन समेत अन्य मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

प्रवेश लेने वाले बच्चों का किया स्वागत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में नए सत्र का आरंभ होने के साथ ही बच्चों के प्रवेश शुरू हो गए। बच्चों के प्रवेश के लिए रैलियां निकाली जा रही है। मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय सिमरा में बच्चों का प्रवेश हुआ तो इंचार्ज प्रधानाध्यापिका कन्यावती, बिंदु रानी ने बच्चों के माथे पर तिलक लगाकर प्रवेश पंजिका पर नाम अंकित किया। इस दौरान नए बच्चों की प्रवेश पर बच्चों को मिठाइयां भी खिलाई गई तथा उपहार भी भेंट किए गए । इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय निवड़िया में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अर्पणा शर्मा एवं कामरान खान ने बिलपुर में प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह चौहान ने बच्चों के प्रवेश किये तथा उनको उपहार बांटे।

यूटा ने पांच सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) ने शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी और सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया। मंगलवार को मीरगंज इकाई की ओर से सिंघौली के उच्च प्राथमिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डायट प्रवक्ता रोशनी सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक ही अपनी शिक्षा के उपहार से समाज को संवारते हैं। शिक्षक और अधिकारी आपस में सहयोगात्मक रूप से मिलकर कार्य करें तो बेसिक शिक्षा की तस्वीर बदल सकती है। कार्यक्रम अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक की तुलना किसी से नहीं की जा सकती, शिक्षक अपने कर्तव्य से कभी भी सेवानिवृत्ति नहीं होता है। इस दौरान पांच सेवानिवृत शिक्षकों को सम्मानित किया गया । खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार, रमेश मौर्य, सत्य वीर, भारत वीर गंगवार, मुकेश गंगवार, सर्वेश गंगवार, अमित कुमार, पूनम गंगवार, दिनेश मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे।

छात्रों को परीक्षाफल किया गया वितरित

कैंट,अमृत विचार : नकटिया स्थित जनता इंग्लिश इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षाफल का वितरण किया गया। वहीं प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रबंधक हाजी एम . इकबाल एडवोकेट, डायरेक्टर काशिफ रजा, प्रधानाचार्या जैनब, शिवम कुमार, सोहित पाठक, जितेंद्र कश्यप, गरिमा सक्सेना, सुनीता देवी, शीबा, सविता सिंह, पूजा, प्रिया सिंह, इकरा, जैनब खान समेत समस्त शैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा।

छात्राओं के स्वागत से शुरू हुआ नया सत्र

फरीदपुर अमृत विचार : कस्बे के किशोर चंद कन्या इंटर कॉलेज में नए सत्र के पहले दिन छात्राओं का जोरदार स्वागत किया गया। पहले दिन स्कूल जाने को लेकर अभिभावकों के साथ ही बच्चे भी उत्साहित दिखे। वहीं स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत के लिए तैयारियां पूरी कर ली थी। बच्चों के पहले दिन स्कूल में आगमन पर उनका फूल वर्षा कर स्वागत किया गया। प्रधानाचार्या डॉ. बीनू सिंह ने बताया की बच्चों के स्कूल आगमन पर पुष्पों से अभिनंदन किया गया तथा मिष्ठान वितरण के साथ उनका स्कूल के नए सत्र के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई ।

ससुराल वालों पर दर्ज कराई मारपीट की रिपोर्ट

मीरगंज, अमृत विचार : एक महिला ने थाने में ससुरालियों पर मारपीट की रिपोर्ट मंगलवार को दर्ज कराई। महिला ने बताया कि थाना शाही के गांव ग्राम चकरपुर उर्फ लमकन में उसकी ससुराल है। उसके ससुराल वाले उसके पति की संपत्ति जबरी बेचने की कोशिश में है। 31 मार्च को बैनामा दफ्तर खुला होने की वजह से सभी लोग बैनामा कराने तहसील पहुंचे। जानकारी होने पर वह पहले ही वहा पहुंच गई। उसे देखते ही ससुराली उसे गाली देते हुए उसके साथ मारपीट की। वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाया। वह जब शाम को लौट रही थी, रास्ते में उसे घेरकर फिर मारपीट की। उसके पिता को आते देख लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

सफाई नहीं होने से नाली में भरी गंदगी

शीशगढ़, अमृत विचार : शीशगढ़ के गांव जिया नगला में दो साल से सफाई नहीं होने से नाली गंदगी से पट गई हैं। यहां के रहने वाले कैलाश चंद्र समेत अन्य ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी शेरगढ़ और सीएम पोर्टल पर शिकायत कर नाली के सफाई कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताय कि उनके गांव में कमलेश मास्टर के मकान से लेकर महेश पांडे के मकान तक 2 साल से नाली की सफाई नहीं हुई है। जिसकी वजह से गंदगी का अंबार लगा हुआ है और सड़क पर पानी भरा पड़ा है। गंदगी होने की वजह से गांव में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है और सड़क पर ग्रामीण फिसल कर चोटिल भी हो जाते हैं। उन्होंने खंड विकास अधिकारी शेरगढ़ और सीएम पोर्टल पर शिकायत कर कार्रवाई की है।

डिवाइडर से टकराकर पलटा कंटेनर

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचार : शाहजहांपुर की ओर जा रहा कंटेनर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। इससे हाईवे पर जाम लग गया। राहगीरों ने केबिन में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। टिसुआ चौराहा पार करते ही ड्राइवर को नींद की झपकी आने से कंटेनर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। कंटेनर का केबिन नीचे डिवाइडर में धंस गया।कटेनर में लदा सामान हाईवे पर बिखर गया।सड़क का यातायात बाधित हो गया।कंटेनर के केबिन में फंसे ड्राइवर आसिफ को राहगीरों ने दौड़कर केबिन से बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिखरे सामान को हटवा कर सड़क पर लगा जाम खुलवाया। घायल ड्राइवर आसिफ को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। इस घटना के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ओर करीब एक घंटे तक जाम के हालात बने रहे पुलिस में बमुश्किल जाम को खुलवा पाया ।

सड़क पर पलटा कंटेनर।

इको की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : इको की टक्कर लगने से बाइक सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए । जिन्हें पुलिस ने इलाज के लिए बरेली भेजा। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर रमपुरा गांव के सामने बाइक से पीलीभीत निवासी लीलाधर और कुंवरसेन निवासी जमुनिया महुआ थाना बीसलपुर फतेहगंज पूर्वी की ओर से फरीदपुर की ओर जा रहे थे । रमपुरा गांव के समीप पीछे से आ रही है एक इको गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे लीलाधर और कुंवरसेन गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए बरेली भेजा है जहां दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है ।

मंदिर के पास शराब की दुकान का विरोध

बहेड़ी, अमृत विचार : गांव इटौआ धुरा में शिव मंदिर के निकट दलित बस्ती के बीच खुली शराब की दुकान को लेकर ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार मंजरी सिंह को सौंपा। राकेश गंगवार, मुकेश शर्मा, मोहन स्वरूप, विनीता, पार्वती, रूकमणि, खेमकरन, गंगाराम के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में बताया कि शराब की दुकान खुलने से बच्चों पर गलत असर पड़ रहा है। लोग घरों के बर्तन भाड़े बेचकर शराब पी रहे जिससे परिवारों में कलह की स्थिति बन रही है। ज्ञापन में लोगों का कहना है कि गुजरी 16 मार्च को समाधान दिवस में शिकायत करने पर आबकारी निरीक्षक ने मौके पर जाकर स्थिति परखते हुए समाधान का आश्वासन दिया था पर हालात जस के तस है। ज्ञापन में शराब की दुकान को अविलंब हटाए जाने की मांग की गई है।

युवती का अश्लील वीडियो किया वायरल, रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : एक युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उसकी अश्लील वीडियो बना ली। बार-बार दुष्कर्म करने का विरोध करने पर युवक ने वीडियो वायरल कर दी। जिससे युवती ने आत्महत्या की कोशिश की। युवती के पिता ने आरोपी युवक समेत 7 लोगों के खिलाफ एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।पीड़ित पिता ने बताया कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। बड़ी का निकाह हो गया है, छोटी बेटी घर में रहती है। उसने बताया कि कुछ दिन से वह गुमसुम थी, खाना भी नहीं खा रही थी। कुछ पूछने पर रोने लगती थी। करीब 10 दिन पहले उसने खुदकुशी की कोशिश की । कारण पूछने पर बताया कि 2 वर्ष पूर्व उसे बरेली निवासी युवक का फोन आया था, धीरे-धीरे उसने प्रेम जाल में फंसा लिया , एक बार वह एक मजार पर ले गया वहां एक ताबीज पहनवाया और उसके बाद वह घर आने लगा। उसने आरोप लगाया कि एक दिन उसने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली। वह लगातार वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा और वीडियो बनाता रहा। उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर घर में रखे जेवर और रुपये ले गया। विरोध करने पर उसने उसकी अश्लील वीडियो वायरल कर दी। आरोपी उसके मोबाइल पर अश्लील वीडियो और धमकी भरे मेसेज भेज रहा है। पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अदनान, अरबाज, बीना, सरवत, सुम्मी, शामिया, अनम निवासी रबड़ी टोला पुराना शहर बारादरी बरेली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दबंगों ने घर में घुसकर महिला से की छेड़खानी

क्योलड़िया, अमृत विचार : दबंगों ने घर में घुसकर से महिला से छेड़खानी की, विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने पुलिस को नामजद तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता अब उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत करेगी। महिला का पति खेत पर गन्ने की खुदाई करने गया था, घर पर वह अकेली थी। इसी दौरान गांव के ही दो लोग उसके घर में घुस आए और उसके साथ छेड़खानी की, विरोध करने पर उसके साथ जमकर मारपीट की। शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पीड़िता ने थाने में शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बाइक-साइकिल की टक्कर में दो लोग घायल

आंवला, अमृत विचार : एक बाइक सवार साइकिल को टक्कर मारकर बिजली के खंभे से टकरा गया। जिससे साइकिल सवार और बाइक सवार दोनों घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है नगर के लठैता मोहल्ला निवासी सतीश सिंह साइकिल से घर लौट रहा था। नगर के भमोरा रोड स्थित 132 केवी विद्युत उपकेंद्र के समीप सिरौली के गांव गौंटिया डालचंद मजरा गुरुगांवा मुस्तकिल निवासी नेत्रपाल ने उसे टक्कर मार दी और उसकी बाइक सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गई। जिससे दोनों लोग घायल हो गए।

लूट के मामले में कार्रवाई नहीं होने पर लगाई मुख्यमंत्री से गुहार

भमोरा, अमृत विचार : लूट के मामले में भमौरा पुलिस के कार्रवाई नहीं करने पर पीड़ित ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र के गांव संजयपुर निवासी अवधेश कुमार ने मुख्यमंत्री से की शिकायत में बताया कि 26 मार्च 2024 की शाम को वह अपनी कार से बीसलपुर रिश्तेदारी में गमी की होली मिलने परिवार के साथ जा रहे था। बरेली बदायूं मार्ग पर ग्राम सिरोही के पास बने एक पेट्रोल पंप के समीप एक बाइक पर बैठे तीन लोगों ने मेरी कार के आगे बाइक लगाकर रुकवा दी । एक युवक ने तमंचा तान दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए गले में पड़ी सोने की चेन पत्नी की सोने की चेन व कुंडल लूट लिए व कार के शीशा तोड़ दिया। शोरगुल सुनकर लोगों को आता देख बदमाश तमंचा लहराते हुए भाग गए । भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया और डायल 112 पर फोन कर थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया। इसके बाद पुलिस ने कहा अभी आप परिवार के साथ हैं कल सुबह आ जाना अगले दिन सुबह जाने पर पता चला की पुलिस ने मामूली कार्रवाई कर आरोपी को छोड़ दिया। इसके बाद एसएसपी बरेली को प्रार्थना पत्र दे कार्रवाई की मांग की लेकिन कार्रवाई न होती देख मुख्यमंत्री के नाम शिकायत पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की हैं। वहीं भमोरा पुलिस से इस मामले में पता करने के लिए फोन किया गया, लेकिन बात नहीं हो पाई।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

फ्री डेन्टल इलाज
स्थान:- डेन्टल कॉलेज
पीलीभीत वाईपास रोड, सुरेश शर्मा नगर चौराह के पास विचपुरी मोड
(रोहिलखण्ड मेडिकल कालेज कैम्पस)
प्रस्तुत करता है
स्वच्छ दंत अभियान
एक और कदम स्वच्छता की ओर
दिनांक :- 02 अप्रैल 2024 से प्रारम्भ
06 अप्रैल 2024 को समापन
सुविधाऐं
★ मुफ्त परामर्श, ★ मुफ्त रजिस्ट्रेशन
★ मुफ्त दातों की सफाई
★ मुफ्त दातों का निकालना
अन्य इलाज सस्ते दरों पर
नोट - बच्चों के दाँतो के इलाज की सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
मैंने अपने पुत्र सुखदेव एवं पुत्रवधू पूनम देवी को गलत व्यवहार के चलते चल अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। उनके कृत्यों की मैं जिम्मेदार नहीं। लता देवी पत्नी स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद, सबलपुर खास, पूरनपुर, पीलीभीत (उ.प्र.)

सूचना
मैंने अपनी पुत्री कु. हिना को उसके गलत चाल चलन व दुर्व्यवहार के कारण उससे समस्त सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। ये अपने कृत्यों व लेनदेन की स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता न होगा। जाकिर पुत्र श्री मोहम्मद हुसैन, निवासी उड़ला जागीर, थाना बिथरी चैनपुर, तहसील व जिला बरेली

आवश्यकता है
अति शीघ्र आवश्यकता है,
फुल स्टाफ की।
विश्वास डायग्नोस्टिक सेंटर
पता- ITBP बुखारा मोड़, बरेली
मो. 7037760814, 9695554511
निम्नलिखित पदों में
योग्य स्टाफ की आवश्यकता है।
1. नर्सिंग स्टाफ 5. लैब टेक्नीशियन
2. रिसेप्शनिस्ट 6. सफाई कर्मचारी
3. कंप्यूटर ऑपरेटर 7. PRO
4. एक्स-रे टेक्नीशियन 8. Blood Collection Team
इच्छुक व्यक्ति ऊपर दिए गए पते पर संपर्क करें।

आवश्यकता है
लड़के व लड़कियों की आफिस कालिंग हेतु व फील्ड कार्य हेतु।
सैलरी+इन्सेन्टिव
गेट नंबर 1 महानगर बरेली गोल चक्र नियर PNB एटीएम के पास
9045350563, 9258469345

REQUIREMENT
Wanted Experienced fluent in English
Receptionist, Counsellors
Accountant (Tally)
(Male / Female)
PRT, TGT, PGT
Commerce, English, Physics,
ST. XAVIER SCHOOL
Akansha Enclave, Near Munshinagar, Bareilly
stxc@rediffmail.com

आवश्यकता है
अस्थाई रूप से
चेतना सेवा संस्थान टी.आई
बरेली में
परामर्शदाता 1 पद
मानदेय 16000+1200
योग्यता-MA समाजशास्त्र / MSW
कम से कम एक वर्ष का अनुभव
ओ.आर.डब्लू. 3 पद
मानदेय 10500+1500
कम्युनिटी को वरीयता
योग्यता इण्टर
साक्षात्कार - दिनांक 9-4-2024
आवेदन भेजने का पता :
12, नवादा शेखान, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Email : bareilly.chetna@gmail.com
संपर्क 7018236674, 7830340519

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

एक नजर

मीरगंज में आज छह घंटे बाधित रहेगी बिजली

मीरगंज,अमृत विचार : मरम्मत कार्य के चलते बुधवार को छह घंटे बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। एसडीओ विद्युत जसीम अख्तर ने बताया कि उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि बुधवार को मीरगंज तहसील विद्युत उपकेंद्र तथा वहां से निकलने वाले थाना और स्टेशन पोशाक के पैनल आदि का मरम्मत का कार्य होना है। जिसके चलते विद्युत उपकेंद्र की विद्युत आपूर्ति सुबह 11 बजे से 5 बजे तक बाधित रहेगी।

दर्द से तड़प रहे गोवंशीय पशु को मिला इलाज

कैंट,अमृत विचार : कैंट के परगवां गांव में घायल पड़े गोवंशीय पशु के इलाज के लिए मंगलवार को टीम पहुंची। दरअसल 15 दिन पहले किसी असामाजिक तत्व ने धारदार चीज से हमला कर उसे घायल दिया था, जिससे उसका घाव सड़ने लगा था। गोवंशीय पशु की पीड़ा को अमृत विचार ने मंगलवार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया। जिसके बाद पशु चिकित्सकों की टीम परगवां गांव पहुंची। और ग्रामीणों की मदद से गोवंश का इलाज शुरू किया गया। राजकीय पशु चिकित्सालय कैंट के प्रभारी पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार ने बताया कि गोवंश को काफी गहरे घाव हो गए थे। घावों की सफाई कर ड्रेसिंग कर दी गई है। इंजेक्शन भी दे दिए गए हैं।

उधार के रुपये मांगने पर की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

मीरगंज, अमृत विचार : उधार दिए रुपये वापस में मांगने पर आरोपी युवक को मारपीट कर घायल कर दिया, पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। ख्वाजा हसन निवासी ग्राम गुलड़िया ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव के ही मोहम्मद हसनैन ने उससे दो लाख पचास हजार रुपये उधार लिए थे।जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। पीड़ित ने तहरीर देकर आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कराई।

सांसद की भतीजी के पति समेत आठ लोगों पर एफआईआर दर्ज

सांसद की भतीजी के साथ छेड़खानी और मारपीट का मामला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर

- दरोगा की पत्नी की तहरीर पर हुई आरोपियों पर कार्रवाई

अमृत विचार: दरोगा पर पड़ोसी जिले के सांसद की भतीजी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मंगलवार को पुलिस ने दरोगा की पत्नी की तरफ से सांसद की भतीजी के पति और सात अज्ञात के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज की है। सभी आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया है। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की और उनकी 11 साल की बेटी के साथ छेड़छाड़ की।

नारकोटिक्स सेल में तैनात दरोगा अभय मिश्र शहर के एक मोहल्ले में पड़ोसी जनपद के सांसद की भतीजी के मकान में किराए पर रहते थे। तीन दिन पहले दोनों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। इसके बाद सांसद की भतीजी भाजपा सदर विधायक योगेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव के साथ कोतवाली पहुंचीं थीं। आरोप था कि दरोगा अभय मिश्रा शराब के नशे में धुत थे। उन्होंने उनके साथ मारपीट की। दुपट्टा खींचा और कपड़े फाड़ दिए। कार्रवाई को लेकर सदर विधायक कोतवाली में ही धरने पर बैठ गए थे। पुलिस ने आरोपी दरोगा, उसकी पत्नी और बेटी के खिलाफ छेड़छाड़ व मारपीट आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। अब दरोगा की एसआई पत्नी की तहरीर पर सांसद की भतीजी के पति व सात अज्ञात लोगों पर मारपीट करने और 11 साल की बेटी के साथ छेड़छाड़ करने पर पाक्सो एक्ट सहित संगीन धाराओं में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। प्रकरण की जांच राजापुर चौकी इंचार्ज संचित यादव को सौंपी गई है।

> दरोगा की पत्नी ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच चौकी इंचार्ज राजापुर को दी गई है। जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।
>
> –पवन गौतम, एएसपी खीरी।

संविदा कर्मचारियों ने कार्यदायी संस्था का किया विरोध

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- ईएसआई कार्ड में परिवार के नाम नहीं जोड़ने का आरोप लगाकर मुख्य अभियंता को दिया ज्ञापन

अमृत विचार : बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने कार्यदायी संस्था पर ईएसआई कार्ड में परिवार का नाम नहीं शामिल करने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से एक कर्मचारी के बच्ची की इलाज के अभाव में मौत हो गई। इसके अलावा समय से वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। नाराज कर्मचारियों ने मंगलवार को विरोध जताकर मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रिंकू श्रीवास्तव ने बताया कि कोहाड़ापीर उपकेंद्र पर तैनात संविदा कर्मचारी सोनू का बेटा बीमार था और उनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने ईएसआई कार्ड में बच्चे का नाम डलवाने के लिए कंपनी के साथ बिजली अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। समय से इलाज नहीं मिलने से बच्चे की 16 मार्च को मौत हो गई। मुख्य अभियंता को दिए ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों ने बताया कि हर महीने की एक तारीख को वेतन देने का आदेश कार्यदायी संस्था को दिया जा चुका है, लेकिन उन्हें समय से वेतन नहीं मिल पा रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि कर्मचारी तसब्बर की लाइन पर काम करते समय मौत हो गई थी, लेकिन कंपनी की लापरवाही से उसके परिवार को दुर्घटना हित लाभ नहीं मिल सका है।

सार-संक्षेप

बीईओ ने स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की

नवाबगंज, अमृत विचार : नए शिक्षा सत्र का आरंभ होने के साथ ही स्कूल चलो अभियान के साथ ही मदर ओरियंटेशन का आरंभ किया। बीईओ सतीश कुमार के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय प्रेमपुर मुरारपुर के प्राथमिक विद्यालय में स्कूल चलो अभियान के तहत गांव में रैली निकालने के साथ ही विद्यार्थियों का बर्थडे भी मनाया गया। इस अवसर पर एआरपी राजेंद्र पटेल ने माता उन्मुखीकरण में अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा देकर उन्नत नागरिक बनाने में सहयोग देने की बात कही। बीईओ ने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाने को प्रेरित करते हुए आंगनबाड़ी के सहयोग से नामांकन बढ़ाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान एआरपी सुरेंद्र सिंह, सुमेरलाल राठौर डालचंद यादव पूजा शर्मा और स्कूल प्रधानाध्यापक नीतू शर्मा दीक्षा गंगवार और श्याम यादव उपस्थित रहे।

बच्चों की देखरेख का दिया प्रशिक्षण

फरीदपुर अमृत विचार : बच्चों के गृह आधारित देखभाल का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर पर संपन्न हुआ। जिसमें 20 आशा कार्यकर्ता और, 2 संगिनी, 19 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, 23 एएनएम सहित 64 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। समापन सत्र पर प्रमाण पत्र वितरित करते हुए राज्य प्रशिक्षक अमित तोमर ने बताया कि छोटे बच्चों में सही वृद्धि का आंकलन सहित विकासात्मक विलंब की पहचान कर पाना आसान होगा। बच्चों का पोषण, स्वास्थ्य, वृद्धि निगरानी सहित आरंभिक बाल विकास पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक डिंपल गौड़, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग गौतम बीसीपीएम अनुपम कुमार आदि का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से प्रमुख रूप से सोनी सारस्वत, आरती देवी, सुनीता, सुधा, विद्यावती, अनीता समेत अन्य शामिल हुई।

भारतीय बजरंग दल ने मुख्यमंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार : भारतीय बजरंगदल ने विकास कार्यों में अनियमितताओं का आरोप लगाकर मुख्यमंत्री के नाम एक पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम आंवला नहने राम को सौंपा। संगठन प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि सरकारी अस्पतालों में गरीबों का इलाज सही से नहीं होता, स्टाफ लोगों से अच्छे से व्यवहार नहीं करता। सड़कों की गुणवत्ता पर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का अपात्र लाभ उठा रहे हैं। जल जीवन मिशन योजना में घोर लापरवाही बरती जा रही है। कई माह बीतने के बावजूद भी क्षेत्र के घरों तक जल पहुंचाने का काम अभी तक करीब 10 प्रतिशत ही पूर्ण हो सका है। इसके साथ ही कई मांगों से अवगत कराया। इस दौरान दिलीप शर्मा, मोहित पोरवाल, जसवंत राजपूत, ठाकुर सूरज, ठाकुर पुष्पेंद्र समेत अन्य रहे।

मुख्यमंत्री के संबोधन के बीच मंच पर गश खाकर गिरा सुरक्षाकर्मी

मंच पर गश खाकर गिरे सुरक्षाकर्मी को संभालते साथी।

पीलीभीत, अमृत विचार: सीएम योगी के संबोधन के दौरान मंच पर मौजूद एक सुरक्षाकर्मी अचानक गश खाकर गिर पड़ा। यह देख मंच पर खलबली मच गई। साथी सुरक्षाकर्मियों ने उसे संभाला। हालांकि पांच मिनट बाद ही उसकी हालत में सुधार हो गया।

प्रबुद्धजन सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता को संबोधित कर रहे थे। मंच पर तमाम नेता और उनके सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। इसी बीच मंच पर मुख्यमंत्री के पीछे की तरफ खड़ा एक सुरक्षाकर्मी अचानक गश खाकर गिर गया। उसे गिरते देख दूसरा सुरक्षाकर्मी संभालने को पहुंच गया। सुरक्षा कर्मी को मंच पर ठीक से बैठाया गया। कुछ देर बाद हालत में सुधार होने पर उसने फिर सुरक्षा की कमान संभाल ली।

आतिशबाज पिता-पुत्र पर रिपोर्ट

संवाददाता, इस्लामनगर

- जिलाधिकारी के आदेश पर होगी मजिस्ट्रेटी जांच, नौ बिंदुओं पर जांच करेंगी एडीएम प्रशासन

अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के कस्बा में मुख्य मार्ग किनारे घर में आतिशबाजी में विस्फोट हुआ था। जिसमें मां-बेटे की मौत हो गई थी जबकि दो बच्ची घायल हुई थीं। लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी घर में आतिशबाजी का भंडारण किया गया था। जिससे हादसा हुआ।

उपनिरीक्षक मुनेंद्र सिंह की तहरीर पर आतिशबाज और उनके बेटे के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, गैर इरादतन हत्या, संपत्ति के नुकसान आदि के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल से आतिशबाजी व ज्वलनशील सामग्री बरामद हुई। कस्बा इस्लामनगर के मोहल्ला मोहाली निवासी अख्तर अली आतिशबाजी बनाते थे। उनके पिता असगर अली के पास आतिशबाजी बनाने और बेचने का कई साल पहले लाइसेंस था। सोमवार दोपहर लगभग तीन बजे घर में धमाका हुआ तो पता चला कि घर में बड़ी मात्रा में आतिशबाजी रखी थी। मात्रा भी इतनी थी कि दो मंजिल मकान धराशायी हो गया। मलबे में अख्तर अली की पत्नी सलामत, बच्चे अर्शी, तमन्ना और तैमूर दब गए। जेसीबी से मलबा हटाया गया। अर्शी और तमन्ना को सुरक्षित बाहर निकाला। रुदायन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। सलामत और तैमूर गंभीर रूप से घायल थे। जिन्हें सीएचसी भिजवाया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मलबा हटवाया तो वहां से बनी और अधबनी आतिशबाजी मिली। इस्लामनगर के उपनिरीक्षक मुनेंद्र सिंह ने अख्तर अली और उनके पिता असगर अली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार अख्तर ने माना है कि वह बिना लाइसेंस के आतिशबाजी का काम कर रहे थे। इस्लामनगर के प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एसडीएम प्रशासन करेंगी जांच: मंगलवार को डीएम ने मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया है। उन्होंने बिल्सी एसडीएम प्रवर्धन शर्मा की प्राथमिक जांच के आधार पर एसडीएम रेनू सिंह को जांच अधिकारी नामित करते हुए नौ बिंदुओं पर 20 अप्रैल तक आख्या मांगी है।

खेत में लगे तार के करंट से युवक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली दातागंज क्षेत्र के गांव बादाम नगर निवासी युवक फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर गया था। जहां खेत के चारों ओर की गई तारकशी पर बिजली का तार टूटा पड़ा हुआ था। जिससे तारकशी में करंट आ गया। जिसके संपर्क में आने से किसान झुलस गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। गांव निवासी पप्पू गुप्ता (23) पुत्र महेश गुप्ता हलवाई थे। जिससे वह परिवार का पालन पोषण करते थे। मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे वह खेत पर फसल की रखवाली करने जाने की बात कहकर घर से निकले थे। एक खेत की तारकशी पर बिजली का तार टूटा पड़ा था। पप्पू गुप्ता तारकशी के संपर्क में आ गए। वह झुलस गए। आसपास खेतों पर काम कर रहे किसान दौड़कर पहुंचे। उनके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे। पप्पू गुप्ता को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस भी आ गई। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम् कराया गया। परिजनों ने खेत के मालिक और बिजली विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाया। दातागंज के प्रभारी निरीक्षक अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि परिजनों ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर आने के बाद रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

शेरगढ़, अमृत विचार : शेरगढ़ के प्राथमिक विद्यालय प्रथम में वार्षिकोत्सव मनाया गया, जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान अच्छे अंक पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। बतौर मुख्य अतिथि उपनिरीक्षक मनोज कुमार ने कक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि संस्कारवान बच्चे ही माता-पिता का सुखद सहारा बनते हैं। इस अवसर पर एसआई मनोज कुमार, तौफीक अहमद, उवैस रज़ा खां, संत सिंह, जगतपाल गंगवार, पार्वती देवी, शबनम अफरोज, जहीन ख़ान आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक उवैस रज़ा खां ने किया।

लोकतंत्र के पर्व में सभी करें मत का प्रयोग

आंवला, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल की ओर से नगर के राज गार्डन में वार्षिक संगठनात्मक बैठक हुई। जिसमें राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज सिंह, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री हरेंद्र सिंह शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा मतदान में अपनी शक्ति का परिचय दें। सभी हिंदू अपने मताधिकार प्रयोग अवश्य करें। हिंदू नव वर्ष के दिन प्रत्येक घर पर विजय उत्सव के रूप में ओम अंकित झंडा लगाएं। उन्होंने बदायूं के सिविल लाइंस क्षेत्र में दो बच्चों की हत्या का विरोध जताया। उन्होंने कहा कि मासूमों की हत्या का विरोध प्रदर्शन करने वाले 60 हिंदुओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने रिपोर्ट दर्ज की। जो कि हिंदू विरोधी नीति है। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद प्रांत महामंत्री सुनील गुप्ता, राष्ट्रीय महिला परिषद प्रदेश अध्यक्ष शौमिल अग्रवाल, राष्ट्रीय महिला परिषद जिला अध्यक्ष राधा शर्मा, सोखी अग्रवाल, सावित्री गुप्ता, नीतू गुप्ता, जिलाध्यक्ष, विमल गुप्ता, दीपक कठेरिया, हिमांशु सोलंकी आदि मौजूद रहे।

टनकपुर रेलखंड पर ट्रेन से कटकर युवक की मौत

पीलीभीत,अमृत विचार : टनकपुर जाने वाली ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। गेटमैन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। हादसा मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे का है। पीलीभीत-टनकपुर रेलखंड पर एक ट्रेन आ रही थी। तभी न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर में रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिसमें उसकी जान चली गई। रेलवे के गेटमैन ने मामले की सूचना रेलवे के अधिकारियों और पुलिस को दी। न्यूरिया पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। आसपास के लोगों से संपर्क किया तो शव की पहचान थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम सिरसा सरदाह निवासी 30 वर्षीय भारत सिंह पुत्र दशरथ सिंह के रूप में हुई।

बलजीत के पास फिर आई इंटरनेशनल कॉल

संवाददाता, पुवायां

- बाबा तरसेम की तरह हत्या करने की दी जा रही धमकी

अमृत विचार: किसान के पास दो दिन से लगातार इंटरनेशनल कॉल आ रही हैं। कॉल करने वाला नानकमत्ता गुरुद्वारा के डेरा प्रमुख तरसेम सिंह की तरह किसान के परिवार की हत्या करने की धमकी दे रहा है। सूचना दिए जाने के बाद भी पुलिस आरोपी के संबंध में पता नहीं लगा पाई है और न ही उसे पकड़ा जा सका है। जिससे किसान और उसका पूरा परिवार दहशत में है।सोमवार को सिख फार्मर बलजीत सिंह को प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा के नाम से इंटरनेशनल कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने किसान को परिवार सहित 24 घंटे में मार डालने की धमकी दी थी। किसान ने सोमवार को ही इस बात की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी थी, लेकिन पुलिस कॉल करने वालों तक नहीं पहुंच पाई। इसी बीच मंगलवार को फिर से किसान के नंबर पर कॉल आ गई। इससे किसान का पूरा परिवार दहशत में आ गया है। क्षेत्र के ग्राम बिलंदपुर निवासी बलजीत सिंह बग्गा ने बताया कि सोमवार को उनके पास व्हाट्सएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उनके बेटे अभिजीत सिंह के बारे में बातचीत की और धमकी देते हुए कहा था कि वह बब्बर खालसा आतंकी संगठन से बोल रहा है। कॉल करने वाले ने धमकी दी थी कि वह पूरे परिवार की हत्या कर देगा और वह भी सिर्फ 24 घंटे में। आरोपी ने यह भी कहा था कि जितनी पुलिस लगानी हो लगा लो।

नाली निर्माण में लगाईं जा रहीं पुरानी ईंट

देवरनियां,अमृत विचार : नगर पंचायत देवरनियां में नाली निर्माण मे पुरानी ईंट लगाने का फोटो वायरल होने के बाद लोगों ने कार्रवाई की मांग उठाई है।वार्ड बारह में सड़क बनने के लिए नाली निर्माण हो रहा है। सभासद मो. जीशान के घर के पास हो रहेनाली निर्माण में पुरानी ईंटे लगाई जा रही हैं। फोटो वायरल होने के बाद सभासद ने इसे ठीक कराने का दावा किया है। लोगों ने बताया कि नगर पंचायत कार्यालय से हुए नाला निर्माण में भी पीली ईंट लगाई गई है। चेयरमैन मोहम्मद कलीम अंसारी का कहना है कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है, अगर ऐसा है तो उसे ठीक कराया जाएगा।

सम्मन मुद्दालय
व अदालत सिविल जज जूनियर डिवीजन आंवला, जिला बरेली
मुकदमा संख्या-70 सन्-2023
कृष्णपाल बनाम नन्ही
बनाम नन्ही पत्नी महेन्द्र निवासी ग्राम अलापुर, तहसील दातागंज, जिला बदायूँ
मुद्दालय
चूँकि मुसम्मी कृष्णपाल ने आपके नाम एक नालिश वास्ते वसीयतनामा निरस्तीकरण के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 11.04.2024 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी बाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हों वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 01-4-२024 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।
सिविल जज जूनियर डिवीजन आंवला (बरेली)

कारागार में बंद अब्बास अंसारी से मिलने पहुंचे भाई और पत्नी निकहत

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : जेल में निरुद्ध मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी से मुलाकात के लिए मंगलवार को पति और भाई जिला कारागार पहुंचे। जहां दोनों ने अब्बास से औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान तीनों की आंखें नम हो गईं।

अब्बास अंसारी से परिजनों की मुलाकात पहले से तय थी। दोपहर 12 बजे से पहले भाई उमर अंसारी एवं पत्नी निकहत अंसारी जिला कारागार पहुंच गए। जिला कारागार के बाहर मीडिया कर्मियों का तांता था। 12 बजे जेल में दोनों को प्रवेश दिया गया। जहां पुलिस और इंटेलीजेंस की निगरानी में अब्बास अंसारी से पत्नी और भाई की मुलाकात कराई गई।

जिला कारागार से बाहर आते भाई उमर अंसारी और अब्बास की पत्नी निकहत।

मुलाकात के दौरान पिता की मौत पर अब्बास अंसारी और उमर अंसारी दुखी थे। पत्नी निकहत भी व्यथित थीं। तीनों की आंखे नम थीं। मुलाकात के बाद जब निकहत और उमर जेल से बाहर निकले तो मीडिया कर्मियों ने उन्हें घेर लिया। जमानत के लिए हुए प्रयास के बारे में उमर ने कहा कि पिता की मौत पर पैरोल का प्रयास किया था, लेकिन नहीं मिली थी। जमानत अर्जी हाईकोर्ट में लंबित है। उम्मीद है कि जल्द ही जमानत मिल जाएगी।

35 से 40 मिनट तक हुई मुलाकात: वैसे तो जेल प्रशासन ने आम मुलाकतियों के बाद उमर अंसारी और पत्नी निकहत के मुलाकात का समय तय किया था, लेकिन जेल के बाहर मीडिया कर्मियों की भीड़ के चलते जेल प्रशासन ने पहले ही दोनों की मुलाकात अब्बास से करा दी। जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया कि दोनों की मुलाकात 35 से 40 मिनट तक हुई। इंटेलीजेंस-पुलिस की देखरेख में मुलाकात कराई गई।

टायर फटने से बस पलटी, महिला परिचालक की मौत

एटा, अमृत विचार : फर्रुखाबाद से सवारियां लेकर दिल्ली जा रही फर्रुखाबाद डिपो की रोडवेज बस टायर फटने के पलट गई। बस दुर्घटना में एक महिला परिचालक की मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

जैथरा थाना क्षेत्र के अलीगंज रोड पर तेज रफ्तार फर्रुखाबाद डिपो की रोडवेज बस टायर फटने के कारण सोमवार की देर रात बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में जनपद फतेहगढ़ के नगला दीपा निवासी व बस परिचालक रेखा देवी (49) पत्नी ज्ञानेन्द्र कुमार की मौत हो गई, जबकि फर्रुखाबाद के हरीसिंहपुर अभिषेक कुमार, संतोषपुर आकाश कुमार, अभिनंदन सिंह कई लोग घायल हो गए।

खोया - पाया

स्व. श्री अजीत चन्द्र देव पुत्र स्व. श्री अखिल चन्द्र देव के पुत्र रतन कुमार देव से सम्पत्ति भवन सं. - 46 M.I.G. जनकपुरी आवास विकास, बरेली का मूल विक्रय विलेख जिसकी रजिस्ट्री बही नं. 01 जिल्द सं. 63 के पृष्ठसं. 261-278 क्रमांक - 2888 दिनांक- 11.04.1991 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वितीय बरेली में पंजीकृत हुई, वास्तव में कही खो गयी है। जिसे मिले वह 15 दिन में सूचित करे। अन्यथा यह माना जायेगा कि उपरोक्त सम्पत्ति व उपरोक्त मूल दस्तावेज पूर्णत: पाक साफ भार मुक्त है। किसी भी वित्तीय संस्थान आदि को कोई आपत्ति नही है, कोई क्लेम स्वीकार नही होगा। उपरोक्त मूल दस्तावेज का प्रयोग अवैध माना जायेगा। इस सम्बन्ध में ई.एफ.आर. दिनांक- 31.03.2024 को दर्ज की जा चुकी है। जिसकी LAR सं. 20240000240599 है। उक्त सम्पत्ति को मैं व वारिसान (अन्य) विक्रय करना चाहते है। जिसके लिए क्रेता गौरव सक्सेना व अन्य सम्पत्ति पर SBI बैंक RACPC (15485) बरेली से लोन सुविधा हेतु उक्त सम्पत्ति को बंधक करना चाहते है।

नाम - रतन कुमार देव
पता - 46 MIG जनकपुरी, आवास विकास, बरेली
मो. नं. - 8433248714

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की आवासीय/व्यावसायिक सम्पत्तियों के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु परिषद में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या सैक्टर/ खण्ड व योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में आपत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से मृतक का संबंध
01.	स्व. श्रीमती कैलाश सेठी पत्नी श्री अविनाशी राम सेठी	भूखण्ड सं. -ए-5/2, राजेन्द्र नगर बरेली	04.08.2021	श्री केवल कुमार सेठी, श्री सुरेन्द्र मोहन, श्रीमती सरिता सेठी, श्री राहुल सेठी, श्रीमती कनिका सेठी तनेजा, श्रीमती प्रियंका अरोड़ा	-	पुत्र, पुत्रियां पुत्रवधू

उपर्युक्त नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति पत्र प्राप्त न होने पर परिषद अभिलेखों के कॉलम-5 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

VACANCY
REQUIREMENT OF MANAGER FOR GARUD UNIT RUN CANTEEN AT BAREILLY CANTONMENT
Email ID: garudURC@gmail.com

Invites Application from eligible candidates for the following post on contractual basis

Post	Vacancy	Minimum Qualification/ Experience/Age
Manager for Garud Unit Run Canteen	01	• Preferable MBA/Diploma in management • Minimum 10 years experience • Less than 60 years of age. • Preferable a Retired Army/AF/Navy Officer

Salary perks and privileges as per Canteen SOP and Rules.
Action process : Application along with resume/CV with relevant documents as per eligibility criteria should be submitted through email only garud URC@gmail.com before 2359hr on 07 Apr 2024. Application received post 07 Apr 2024 will be rejected shortlisted candidates will be called for interview on 09 Apr 2024. Confirmation on date and time will be intimated through email/telephonically.

Officer-in-Charge
Garud URC
Bareilly-243001

दरोगा की पत्नी का ट्रेन में बैग चोरी

शाहजहांपुर,अमृत विचार: ट्रेन में चोरी की वारदातें थम नहीं रही है। नई दिल्ली-लखनऊ मेल में दरोगा की पत्नी का नगदी, डेविड कार्ड समेत बैग चोरी हो गया। दरोगा ने जीआरपी थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इससे पहले भी ट्रेन में पर्स व मोबाइल चोरी की घटनाएं हो चुकी है।नई दिल्ली के मोहल्ला ब्लाक सी, पुलिस कॉलोनी मंदिर मार्ग निवासी अमन कुमार बंसल ने बताया कि वह दिल्ली पुलिस में दरोगा हैं। उसकी पत्नी पूनम बंसल का नई दिल्ली-लखनऊ मेल में एसी कोच में रिजर्वेशन था। पूनम 29 मार्च को दिल्ली-लखनऊ मेल से दिल्ली से लखनऊ जा रही थी।

सीआरएस ने 110 किमी की रफ्तार को दी मंजूरी

लखीमपुर खीरी,अमृत विचार: रेल संरक्षा आयुक्त ने मैलानी-पीलीभीत रूट पर शाहगढ़-पीलीभीत रेलखंड पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन संचालन की अनुमति दी है। इसका लेटर भी सोशल मीडिया पर वायरल है।

वहीं विभागीय लोगों में ऐशबाग से पीलीभीत तक ट्रेन संचालन शुरू होने की सुगबुगाहट प्रारंभ हो गई है। सूत्र बताते हैं कि शुरुआत में तीन एक्सप्रेस, दो मेमू और एक पैसेंजर ट्रेन का संचालन पीलीभीत करने की योजना है। इंतजार सिर्फ रेलवे बोर्ड के आदेश है।सीआरएस प्रणजीव सक्सेना ने 30 और 31 मार्च को शाहगढ़ से पीलीभीत तक ब्रॉडगेज के साथ विद्युतीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था आरवीएनएल द्वारा कराए गए कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही 110 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से सीआरएस स्पेशल दौड़ाकर ब्रॉडगेज की गुणवत्ता परखी। सब कुछ ओके मिलने पर सीआरएस ने इस रेलखंड पर अधिकतम स्पीड 110 किलोमीटर से ट्रेन संचालन करने की स्वीकृत देकर रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेज दी है।

फंदे से लटका मिला हरदोई के युवक का शव

पीलीभीत।माता पूर्णागिरि के दर्शन करने के लिए दोस्तों के साथ हरदोई से आए युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव मंगलवार सुबह रेलवे स्टेशन के नजदीक माल गोदाम रोड पर पेड़ पर दुपट्टे से बने फंदे से लटका मिला। पता लगने पर पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। मामला सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के बल्लभनगर कॉलोनी के पास रेलवे मालगोदाम रोड का है। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे एक युवक का शव फंदे से लटका लोगों ने देखा। इसकी चर्चा फैली तो भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर यूपी 112 और सुनगढ़ी इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर जा पहुंचे। शव उतरवाने के बाद उसकी शिनाख्त का कोशिश की गई।

एल्बम में काम कराने के नाम पर युवती से दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

कई शहरों में शूटिंग के नाम पर उसे घूमाते रहे आरोपी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आय का 50 प्रतिशत देने की बात पर तैयार हुई थी पीड़िता

अमृत विचार: नजीराबाद थानाक्षेत्र में रहने वाली युवती ने वीडियो एल्बम में कार्य करने के नाम पर बलात्कार करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती ने पुलिस को बताया कि वह अभिनय करती है। मेरे बारे में जानकारी करने के बाद श्रेया एंटरटेनमेंट और प्रोडक्शन के अध्यक्ष हेमंत कुमार राय (कार्यालय निवास लखनऊ पब्लिक स्कूल साउथ सिटी) साजिश के तहत उसके घर आए और तीन चार वीडियो एल्बम में कार्य करने का प्रस्ताव रखा। यह वादा किया कि उसकी एल्बम को किसी बड़े स्टार के साथ लांच किया जाएगा और एल्बम में जो भी आय होगी उसमें से 50 प्रतिशत उसको दिया जाएगा। हेमंत कुमार राय की बातों पर विश्वास करके वह उसके एल्बम में कार्य करने को तैयार हो गई। कई बार हेमंत कुमार राय से मिलने उसके घर आने जाने लगी। युवती ने बताया कि उसके साथ कई बार मुंबई शूटिंग के लिए भी गई। 9 सितंबर 2023 को होटल ताज पैलेस मुंबई में वह और हेमंत रुके थे। युवती का आरोप है कि हेमंत ने होटल के कमरे में कोल्डड्रिंक में नशे की गोली मिलाकर पिला दिया जिससे वह बेहोश हो गई। इस दौरान नग्न फोटो और वीडियो बना लिया और हेमंत कुमार राय ने दुष्कर्म किया। आरोप है कि विरोध करने पर हेमंत कुमार राय ने धमकाया। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर माता-पिता को भी मारने की धमकी दी। आरोप है कि हैदराबाद, गुवाहाटी, मुंबई जैसे शहरों में होटल के कमरे में में कई दिन तक रखा और धमकाकर बलात्कार करता था। युवती का आरोप है कि किसी भी एल्बम में किसी बड़े स्टार को नहीं लिया गया बल्कि हेमंत कुमार राय ने स्वयं अभिनय करना शुरू कर दिया।

खेत में घुसे सांड़ के हमले में किसान की गई जान

पसगवां(लखीमपुर खीरी)। कोतवाली क्षेत्र के गांव पांडेयवारी निवासी सर्वेश कुमार (50) मंगलवार को अपने खेत में काम कर रहा था। दोपहर करीब ढाई बजे खेत में सांड़ घुस गया। सर्वेश उसे भगाने चला गया। खदेड़ते समय सांड़ ने सर्वेश को दौड़ा लिया और हमलाकर उसे गंभीर घायल कर दिया। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग शोर मचाते हुए पहुंचे और किसी तरह उसे बचाया। परिवार के लोग घायल सर्वेश को लेकर सीएचसी पसगवां पहुंचे, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पत्नी के अलावा एक पुत्री और तीन पुत्र हैं। इसी गांव के आत्माराम की दो वर्ष पहले सांड़ के हमले में मौत हो चुकी है।

रोजगार की गारंटी देने को बढ़े दो करोड़ मानव दिवस

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- पिछले वर्ष पहले चरण में मिला था 24 करोड़ मानव दिवस का लक्ष्य

अमृत विचार : प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में रोजगार की गारंटी बढ़ गई है। यानी केंद्र सरकार ने जॉबकार्ड श्रमिकों में काम की बढ़ती मांग को देखते हुए वर्ष 2024-25 में पहले चरण में 26 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य दिया है। जो वर्ष 2023-24 से दो करोड़ अधिक है।

पिछले वर्ष पहले चरण में मिला 24 करोड़ मानव दिवस कुछ ही माह में काम की अधिक मांग होने पर खत्म हो गये थे। इस वजह से खासकर दिवाली बाद हजारों श्रमिक खाली बैठे रहे। हालांकि केंद्र ने बाद में पूरे वर्ष कुल 34.50 करोड़ मानव दिवस दिए। इसमें भी मार्च अंत तक 34.35 करोड़ पूरे हो गए। इसे एक तरफ उपलब्धि भी कह सकते हैं तो कमी भी। लेकिन, दावा है कि बढ़े लक्ष्य से पिछले वर्ष की तरह समस्या नहीं आएगी। वहीं, 230 से 237 रुपये मजदूरी भी 1 अप्रैल से लागू हो गई है। इस संबंध में विजय चौधरी, उपायुक्त ग्राम्य विकास मुख्यालय ने कहा कि सरकार श्रमिकों के उत्थान के लिए संकल्पित है।

26 करोड़ मानव दिवस में इन जिलों को ये लक्ष्य मिला

लखनऊ 16,12,115, बरेली 34,40,979, कानपुर नगर 11,69,183, मुरादाबाद 25,93,093, अयोध्या 37,17,474, प्रयागराज 51,24,635, गोरखपुर 58,23,448, वाराणसी 14,75,368, आगरा 27,32,021

विधायक के भाई के घर लगी आग, दो बच्चियों की मौत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- दिल्ली स्थित आवास पर शॉर्ट सर्किट से दोपहर में लगी आग

अमृत विचार: देहात विधान सभा से विधायक हाजी नासिर कुरैशी के छोटे भाई के दिल्ली आवास पर मंगलवार दोपहर आग लग गई। घटना में दो बच्चियों की मौत हो गई।

विधायक के छोटे भाई हाजी शब्बू कुरैशी दिल्ली के सदर बाजार में रहते हैं। बताया गया कि मंगलवार दोपहर दो बजे मकान में शॉट सर्किट से आग लग गई। लोगों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल की चार गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। घटना के समय हाजी शब्बू की बेटी गुलशना (15) और अनाया (12) घर में मौजूद थीं। दोनों ने आग से बचने के लिए खुद को शौचालय में बंद कर लिया। दमकल कर्मियों और परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उनको निकाला। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही देहात विधायक व उनका परिवार दिल्ली रवाना हो गया है। देहात विधायक के बेटे व प्रतिनिधि हाजी आमिर कुरैशी ने बताया दोनों बच्चियों का दफीना बुधवार को दिल्ली में ही होगा।

तीन दिन तक लगातार रामलला को जगाए रखने पर ऊहापोह

अयोध्या, अमृत विचार : राम नवमी पर रामलला को तीन दिन के लिए 24 घंटे जगाए जाने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पांच अप्रैल को निर्णय लेगा। इसके पहले ट्रस्ट संतों के साथ विचार कर रहा है। हालांकि संतों ने बालक स्वरूप पांच वर्षीय रामलला को 24 घंटे तीन दिनों तक जगाए जाने के सवाल पर आपत्ति जताई हैं। 17 अप्रैल को रामनवमी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रशासन रामलला के दर्शन के लिए 16 से 18 अप्रैल तीन दिन तक 24 घंटे तक मंदिर खोले जाने पर विचार कर रहा है।

सत्ताधारी दल ने आठ हजार करोड़ का चंदा वसूला

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- राशन देकर जनता से सभी अधिकार छीन रही भाजपा

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मुफ्त राशन देकर भाजपा सरकार जनता के सभी अधिकार छीन रही है। ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स विभाग के जरिए सरकार वसूली करा रही है। चुनावी चंदा के नाम पर भाजपा ने सबसे अधिक आठ हजार करोड़ रुपये की वसूली की है।

मंगलवार को दोपहर सपा के जिला कार्यालय पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कन्नौज, छिबरामऊ व तिर्वा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली की सरकार के 10 और उत्तर प्रदेश के सात वर्ष पूरे हो गए हैं, लेकिन कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है। जो विकास कार्य होने चाहिए थे, लेकिन हुए। उन्होंने कहा कि 10 साल में केंद्र सरकार के इतने झूठ हैं कि गिना नहीं पाऊंगा। सपा मुखिया ने यह भी कहा कि ऐसी वसूली कभी नहीं देखी गई जो वर्तमान में पुलिस ने की है। भाजपा के लोग अंग्रेजी में जीरो टॉलरेंस इसलिए बोलते हैं कि गरीब लोग इसका मतलब न समझ सकें। उन्होंने मंच से सवाल दागे कि बुलंदशहर में डबल मर्डर, गाड़ी पलट जाने के बाद हत्या करना, जेल में जहर देना, तालग्राम में दंगे की साजिश व सपाइयों को फंसाना, क्या यही जीरो टॉलरेंस नीति है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिनों पहले तक विकसित भारत... कार्यक्रम के लिए शायद ही कोई ऐसा प्रधान बचा हो, जिससे 20-30 हजार रुपये न लिया गया हो। उन्होंने कहा कि ज्यादा मुनाफा लेना भी भ्रष्टाचार है।

केंद्र सरकार डरा-धमकाकर रुपया वसूल रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को जेल भेजने का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि इन कामों से दिल्ली में भाजपा की थू-थू हो रही है।

अब हैदराबाद को भी कीजिए टेक ऑफ...

अयोध्या कार्यालय

- स्पाइस जेट की 611 फ्लाइट 133 यात्रियों को लेकर पहुंची

अमृत विचार : अयोध्या से धीरे-धीरे देर भर के लिए उड़ानें शुरू हो रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार से हैदराबाद के लिए भी उड़ान सेवाएं शुरू हो गई हैं। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट दोपहर में महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या पहुंची।

एयरपोर्ट डायरेक्टर के नेतृत्व में यात्रियों का स्वागत किया गया। 45 मिनट बाद ही फ्लाइट यहां से हैदराबाद के लिए रवाना हो गई। यह फ्लाइट हफ्ते में तीन दिन संचालित होगी। 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों के अयोध्या एयापोर्ट के उद्घाटन के बाद से छह से भी अधिक एयरलाइन्स कंपनियों ने श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अपने विमानों का बेड़ा अयोध्या में उतार दिया है। सबसे अधिक फ्लाइट्स दिल्ली के लिए संचालित हो रही है। स्पाइस जेट ने अब हैदराबाद के लिए भी सेवाएं शुरू की हैं। स्पाइस जेट की फ्लाइट 611 ने हैदराबाद के एयरपोर्ट से मंगलवार को सुबह 10:45 पर उड़ान भरी और यहां दोपहर 12:45 पर लैंड हो गई। विमान से कुल 133 यात्री अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही सभी एक स्वर में जय श्रीराम का उद्घोष करते दिखे। इसके बाद दोपहर में 1:25 पर वही फ्लाइट 121 यात्रियों को लेकर यहां से टेक ऑफ हुई और 3:25 पर हैदराबाद पहुंच गई। अयोध्या से हैदराबाद के लिए हफ्ते में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को होगा।

आजम से मिले रामपुर जिलाध्यक्ष

सीतापुर, अमृत विचार : जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री व सपा नेता आजम खां से मंगलवार को जेल में रामपुर सपा जिलाध्यक्ष अजय कुमार सागर सहित तीन लोगों ने मुलाकात कर लोकसभा चुनाव की हलचल को बढ़ा दिया है। आजम खां के पत्र को जारी करने के बाद रामपुर के जिलाध्यक्ष की आजम से यह दूसरी मुलाकात है। मुलाकात के दौरान हरदोई जेल से आजम के बेटे का संदेश लेकर आये आजम खां के साढ़ू और साली ने मुलाकात की है।

चुनाव ड्यूटी पर लगने वाले पुलिस कर्मियों का पारिश्रमिक निर्धारित

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव 2024 को संपन्न कराने के लिए लगने वाले केंद्रीय, राज्य पुलिस कर्मियों और होमगार्ड के जवानों का पारिश्रमिक निर्धारित कर दिया गया है। इस संबंध में एडीजी कानून व्यवस्था की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है

जिसकी ड्यूटी विशिष्ट रूप से सेक्टर पुलिस ऑफिसर अथवा जोनल पुलिस ऑफिसर के रूप में लगाई जाएगी, उन्हें एक मुश्त 1500 रुपए की धनराशि मिलेगी। जो निरीक्षक अथा उपनिरीक्षक स्तर के हैं और जिनकी ड्यूटी पोलिंग अथवा मतगणना केंद्र पर लगाई जाएगी, उन्हें 350 रुपए प्रतिदिन अथवा अंश के रूप में प्राप्त होगी। मुख्य आरक्षी अथवा आरक्षी, जिनकी ड्यूटी पोलिंग बूथ अथवा मतदान केंद्र पर होगी उन्हें 250 रुपए मिलेंगे। होमगार्ड, पीबीडी अथवा चौकीदार, जिनकी ड्यूटी पोलिंग बूथ अथवा मतदान केंद्र पर लगाई जाएगी को 150 रुपए अथवा अंश के रूप में प्राप्त होगा। गजटेड ऑफिसर आदि की भी राशि तय कर दी गई है।

सार-संक्षेप

मुरादाबाद में पकड़ी अवैध शस्त्र फैक्ट्री

मुरादाबाद, अमृत विचार : पुराने क्षतिग्रस्त स्कूल में अवैध शस्त्र निर्माण की फैक्ट्री संचालित करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा है। इसके पास शस्त्र बनाने संबंधित तमाम उपकरण भी बरामद किए हैं। यह सफलता कांठ थाना पुलिस को मिली है। गिरफ्तार अभियुक्त अनीस पुत्र शरीफ थाना क्षेत्र की चौधरियान उमरी कला का रहने वाला है। इसके विरुद्ध 2014 में छजलैट थाने में किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में भी एक मामला दर्ज हुआ था। साथ ही बिजनौर जिले के स्योहारा थाने में भी तीन मामले दर्ज हैं। इसके विरुद्ध गोवध अधिनियम में भी मामला दर्ज है। एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि अभियुक्त अनीस उमरी कला गांव में ही पुराने स्कूल में अवैध शस्त्रों की फैक्ट्री संचालित कर रहा था।

कानपुर की राखी मंडी में आग, 75 गोदाम- कच्चे घर खाक

कानपुर, अमृत विचार : मंगलवार सुबह रायपुरवा थानाक्षेत्र में अफीमकोठी के पास राखी मंडी में भीषण आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते आग ने मंडी में स्थित 50 से 60 कबाड़ के गोदाम और तकरीबन डेढ़ दर्जन से ज्यादा झुग्गी झोपड़ी और कच्चे घरों को अपनी चपेट में ले लिया। चारों तरफ काला धुआं फैल गया जो तीन-चार किलोमीटर दूर से दिखता रहा। लोग अपनी जान बचाकर बच्चों को लेकर सामान छोड़कर भागे। करीब तीन घंटे तक आग की ऊंची-ऊंची लपटों के बीच सैकड़ों लोग घिरे रहे। फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से एक करोड़ से ज्यादा का नुकसान बताया जा रहा है।

मधुमक्खियों के हमले से बुजुर्ग की मौत, 14 घायल

इटावा, एजेंसी : जिले के थाना सिविल लाइन क्षेत्र में एक मंदिर में झंडा चढ़ाने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों के हमले से एक बुजुर्ग की मौत हो गयी और 14 अन्य लोग घायल हो गये। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि इटावा जिले के नया नगला निवासी राधेश्याम राजपूत ने अपनी बीमार बेटी के स्वस्थ हो जाने पर प्रसिद्ध सिद्ध पीठ हनुमान मंदिर पिलुआ महावीर पर झंडा चढ़ाने की मन्नत मानी थी। बेटी के स्वस्थ होने पर राधेश्याम मंगलवार को अपराह्न करीब तीन बजे मंदिर पर झंडा चढाने के लिए गांव के लोगों संग ट्रैक्टर द्वारा मंदिर जा रहे थे, तभी रास्ते मे सिंघावली गांव और विजयपुरा गांव के बीच एक पीपल के पेड़ पर लगे मधुमक्खी के छत्ते को किसी शरारती ने छेड़ दिया। इसके बाद मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक ट्रैक्टर मे बैठे श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया जिसमें 15 श्रद्धालु घायल हो गए। सभी घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने बताया कि मधुमक्खी के झुंड के हमले से घायल 15 लोगों को अस्पताल लाया गया, जिनमें से तुलसी राम (70) को मृत पाया गया। शेष 14 घायल खतरे से बाहर हैं।

अलग-अलग तिथियों पर अयोध्या आएं श्रद्धालु

अयोध्या, अमृत विचार : चैत्रराम नवमी मेले में भारी भीड़ आने की उम्मीद है। अयोध्या में भीड़ के ठहराव की एक क्षमता है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि अलग-अलग तिथियों में अयोध्या आएं। जिससे उन्हें बेहतर सुविधाएं दी जा सकें। सुलभदर्शन हो सके। कुछ ऐसी ही अपील राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले भी की गई थी। डीएम नितीश कुमार ने सोमवार को बातचीत में बताया कि चैत्र राम नवमी मेला नौ अप्रैल से शुरू होगा। 17 अप्रैल को राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। मेले में बेहतर सुविधा की व्यवस्था की गई है। मेले को लेकर श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भी बातचीत की गई। रामनवमी के पर्व पर ज्यादा से ज्यादा समय राम मंदिर खोलने के लिए अनुरोध किया गया है, लेकिन दर्शन कराने की भी एक क्षमता है। भोग आरती के अलावा बचे समय में दर्शन कराने का प्रयास है। इसलिए श्रद्धालु अपने गांव व घर में राम नवमी मनाएं। कहा कि दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालु अलग-अलग तिथियों पर अयोध्या आएं। बताया कि ट्रस्ट ने भी श्रद्धालुओं से ऐसी अपील की है।

हनुमानगढ़ी में भी वीआईपी दर्शन की व्यवस्था शुरू

अयोध्या, अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। प्रत्येक दिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु राम मंदिर और हनुमान गढ़ी पर दर्शन कर रहे हैं। जिसमें वीआईपी भी पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए अब हनुमान गढ़ी के निकास मार्ग पर वीआईपी दर्शन कराने की व्यवस्था मंगलवार से लागू की गई है। बीते दिनों पुलिस प्रशासन और मंदिर के प्रमुख संतों के बीच बैठक हुई थी। जिसमें हनुमान गढ़ी के निकास मार्ग से होकर मंदिर परिसर के अंदर विशिष्ट अतिथियों के लिए वीआईपी मार्ग बनाए जाने पर सहमति बनी थी। इसको लेकर लोहे की रेलिंग बनाई गई है। पूर्व अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत ज्ञान दास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने बताया कि अयोध्या में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ तमाम वीवीआइपी जैसे अलग-अलग राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, सचिव का भी आगमन हो रहा है। ऐसे में दर्शन के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े इसके लिए अलग एक व्यवस्था बनाई गई है। यह व्यवस्था अभी अस्थाई रूप से है।

उत्तराखंड

कॉर्बेट को 23 करोड़ का राजस्व मिला

रामनगर, अमृत विचार : वियावन जंगल में बाघों की दहाड़ और हाथियों की चिंघाड़ के रोमांच से भरा कॉर्बेट नेशनल पार्क दुनिया में लोकप्रियता के नए आयाम छूता जा रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले एक साल में पर्यटन से सीटीआर ने 23 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त किया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10 करोड़ रुपये अधिक है। बता दें कि बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में कॉर्बेट पार्क में कुल 3,40426 पर्यटक आये। इसमें 3,31375 भारतीय और 9051 विदेशी शामिल रहे। इन पर्यटकों से पार्क प्रशासन को कुल 23,4624373 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. धीरज पांडे ने बताया कि इस साल पर्यटन काफी बड़ा है।

रामपुर रोड पर बेलबाबा के पास लीसा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

आग लगने के बाद जलता लीसा।

अमृत विचार : देर शाम बेलबाबा के पास एक लीसा फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना के आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग को काबू करने की कोशिश हुई, लेकिन आधी-अधूरी तैयारी के साथ पहुंची टीम की वजह से आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल का फोम बीच में ही खत्म हो गया और पानी की ऊंची-ऊंची बौछार आग को काबू करने में नाकाफी साबित हुई।

विकराल आग ने ढाई घंटों में लीसा फैक्ट्री को जलाकर राख कर डाला। आग से हुए नुकसान और कारणों का पता नहीं लगाया जा सका है। रामपुर रोड स्थित बेलबाबा मंदिर के पास उमेश चंद्र डालाकोटी की डालाकोटी पेंट्स एंड केमिकल के नाम से लीसा फैक्ट्री है, जो हाईवे से करीब दो मीटर अंदर स्थित है। बताया जाता है कि शाम पौने छह बजे मजदूरों की नजर आग पर पड़ी। तब आग बेहद छोटी थी और मजदूरों ने खुद आग पर काबू करने की कोशिश शुरू कर दीं। हालांकि बेहद ज्वलनशील लीसा कुछ ही मिनट में धधकने लगा। बात हाथ से निकलते देख मजदूरों ने पास ही स्थित खड़िया फैक्ट्री में इसकी सूचना दी। खड़िया फैक्ट्री से गई सूचना के बाद करीब पौने 7 बजे दमकल के दो वाहन मय फोम टेंडर के साथ मौके पर पहुंच गए।

सूचना पर सीएफओ गौरव किरार, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई आदि मौके पर पहुंचे। जिसके बाद दो फोम टेंडर हल्द्वानी, एक फोम टेंडर रुद्रपुर और दो फोम टेंडर रामनगर दमकल से मंगाए गए। आग इतनी भयावह थी कि उसके करीब पहुंच पाना भी मुश्किल था। आग तब बुझी जब पूरी की पूरी लीसा फैक्ट्री जलकर जमींदोज हो गई।

ट्रेन के आगे कूदकर अधेड़ ने की खुदकुशी

काशीपुर, अमृत विचार : अज्ञात कारणों के चलते दढ़ियाल रोड स्थित रेलवे फाटक के पास एक अधेड़ ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह 10.45 बजे स्टेशन मास्टर ने पुलिस को सूचना दी दढ़ियाल रोड स्थित रेलवे फाटक के पास एक अधेड़ ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है तथा अधेड़ का कटा शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा है। सूचना पर पुलिस के एसएसआई सतीश शर्मा, एसआई भुपाल पौरी, एएसआई अजीत सिंह ने टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जीआरपी पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भिजवाया। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त मोहन सिंह (57) पुत्र रामलाल सिंह निवासी मऊ भरथल मधापुर जिला संभल, यूपी के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक के पुत्र को सूचना दी।

फारुखी को हल्द्वानी लाएगी एनआईए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हारिस फारुखी।

अमृत विचार : गौला नदी से सटे जंगलों में बम धमाके के ट्रायल की खबरों से हल्द्वानी सुर्खियों में आया था। अब भारत में आईएसआईएस प्रमुख हारिस फारुखी की गिरफ्तारी के बाद आतंकियों का हल्द्वानी कनेक्शन फिर सामने आ रहा है। एनआईए हारिस को देहरादून लेकर पहुंच चुकी है और माना जा रहा है कि आतंकी कनेक्शन को पुख्ता करने के लिए हारिश को हल्द्वानी भी लाया जाएगा।

बता दें कि दो अक्टूबर 2023 को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन आतंकियों मोहम्मद शाहनवाज आलम, मोहम्मद रिजवान अशरफ और मोहम्मद अशरद वारसी को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद हल्द्वानी की गौला नदी से सटे जंगलों में बम धमाके के ट्रायल की बात सामने आई थी। सूत्र बताते हैं कि इन्हीं आतंकियों ने आईएसआईएस के भारत प्रमुख हारिस फारुखी का नाम लिया था। मूलरूप से देहरादून निवासी हारिस फारुखी और उसके सहयोगी रेहान को कुछ समय पहले एनआईए ने असम से गिरफ्तार किया था। हारिस के पिता अजमल नगर निगम कॉप्लेक्स देहरादून में यूनानी दवाखाना चला रहे हैं। तब अमृत विचार ने दावा किया था कि हारिस को देहरादून लाया जाएगा। सोमवार को एनआईए हारिस को लेकर देहरादून पहुंच गई। हारिस का पूरा परिवार देहरादून में ही रहता है। जांच में सामने आया था कि आईएसआईएस आतंकी संगठन देश के विभिन्न शहरों में धमाकों की साजिश रच रहा था। इसके लिए हारिस ने हल्द्वानी में आईईडी युक्त बम का ट्रायल भी किया था। इसी को देखते हुए सोमवार को एनआईए की टीम हारिस को कड़ी सुरक्षा में देहरादून लेकर पहुंची है। एनआईए अब हारिस के दून और हल्द्वानी में लोकल संपर्क खंगाल रही है।

पश्चिम बंगाल के चोरों ने उगला हारिस का नाम

बीते साल पश्चिम बंगाल में दो आरोपी वाहन चोरी में पकड़े गए थे। उनके मोबाइल जांचने के बाद पुणे आधारित आतंकी मॉड्यूल का पता चला था। पता लगा था कि पकड़े गए लोग हारिस फारूकी के संपर्क में हैं। इसके बाद एनआईए, दिल्ली क्राइम ब्रांच और यूपी एटीएफ सक्रिय हुई थी।

मैजिक पेन से ठगी की कोशिश फंसने से पहले भागा जालसाज

हल्द्वानी, अमृत विचार : बड़ी फाइनेंस कंपनी के नाम पर लोन का लालच देकर एक व्यापारी से ठगी की कोशिश की गई। मैजिक पेन के जरिये व्यापारी के चेक को बैंक में भुनाने पहुंचा जालसाज फंस गया, लेकिन पकड़ा जाता इससे पहले ही भाग खड़ा हुआ। पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया।

प्रकाश कांडपाल सीमेंट और सरिया के व्यापारी हैं। उनकी हल्दूचौड़ और गैस गोदाम रोड में दुकान है। उन्हें 30 लाख रुपये के लोन की जरूरत थी। इसके लिए उन्होंने आवेदन किया था। बीती 30 मार्च को उन्हें एक जालसाज का फोन आया। कहा, कि वह बड़ी फाइनेंस कंपनी का मैनेजर है और लोन की कागजी कार्रवाई के लिए वह सर्वेयर भेज रहा है। अगले दिन सर्वेयर पहुंच भी गया। उसने कागजी कार्रवाई की और एक कैंसल चेक भी ले लिया। जालसाज ने पूरा चेक अपने मैजिक पेन से भरा, लेकिन व्यापारी के साइन दूसरे पेन से कराए। मैजिक पेन की लिखावट कुछ घंटे बाद ही उड़ गई। दो दिन बाद 48500 रुपये का चेक लेकर नवीन मंडी के पास बैंक की शाखा में पहुंच गया, लेकिन व्यापारी को शक हो चुका था ।

रुद्रपुर में जनसैलाब को मंत्रमुग्ध कर गए प्रधानमंत्री

संवाददाता, रुद्रपुर

संबोधन के बाद लौटते वक्त रोड शो करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद जाते-जाते पीएम मोदी जनसैलाब को मंत्रमुग्ध कर गए। सुबह से पीएम मोदी की एक झलक पाने को आतुर जनसैलाब ने नहीं सोचा था कि वापस जाते समय पीएम मोदी गाड़ी से बाहर निकलकर लोगों का अभिवादन करेंगे। यह देख एसपीजी भी हैरान रह गई और आनन-फानन में एसपीजी ने मोदी की कार को सुरक्षा घेरे में ले लिया।

मंगलवार की दोपहर 12 बजकर बीस मिनट पर पीएम मोदी का काफिला कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। उस वक्त तक भीड़ के आने का सिलसिला जारी था और जनसैलाब कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंच पाया था। जब मोदी का भाषण प्रारंभ हुआ तो भीड़ भी आनी शुरू हो गई। इसके बाद लोग मोदी की एक झलक पाने को मार्ग पर बने डिवाइडर पर खड़े हो गए। अपने संबोधन के बाद पीएम मोदी का काफिला कार्यक्रम स्थल से बाहर निकला। इस दौरान पहले पीएम ने गाड़ी में बैठे-बैठे ही हाथ हिलाकर लोगों को अभिनंदन किया। इसके बाद सौ मीटर दूर जाने के बाद अचानक गाड़ी का दरवाजा खोला तो गाड़ी की गति धीमी हो गई और मोदी ने खड़े होकर हाथ हिलाकर जनसैलाब का अभिवादन करना शुरू कर दिया। जिसे देखकर जहां भीड़ बेकाबू हो गई और बैरिकेडिंग को तोड़ने की कोशिश करनी लगी। इसके बाद एसपीजी कमांडो ने गाड़ियों से कूदकर पीएम मोदी की गाड़ी को घेर लिया। पीएम मोदी ने डीडी चौक तक रोड शो कर सभी को हैरान कर दिया। पिछले चुनावी जनसभा के दौरान पीएम ने आने के दौरान रोड शो किया था।

कॉर्बेट पार्क में 15 साल बाद दिखा सालाजार पिट वाइपर

रामनगर, अमृत विचार : कॉर्बेट पार्क के लैंडस्केप में 15 साल बाद दुर्लभ प्रजाति का सांप देखा गया है। जिसे सर्प विशेषज्ञ चन्द्र सैन कश्यप ने रेस्क्यू किया है। यह सालाजार पिट वाईपर अधिक विषैला व दुर्लभ प्रजाति का है।

विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट पार्क के जंगल में सांपों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। इनमें से कुछ ऐसी प्रजातियां है जो लगातार दिखाई देती है पर कुछ प्रजातियां ऐसी हैं जो दुलर्भ होती हैं। सर्प विशेषज्ञ चन्द्र सैन ने जिस सांप को रेस्क्यू किया है वह एक है दुर्लभ प्रजाति का है। चन्द्र सैन कहते हैं कि इस सांप को 15 साल पहले देखा गया था। यह दुर्लभ प्रजाति का सांप वाइपर प्रजाति के सांपों के समान है। इसका रंग हरे के साथ गोल्डन होता है जो अधिक विषैला भी होता है।

दुर्लभ प्रजाति का सांप।

विद्यामदो धनमदस्तृतीयोऽभिजनो मदः।
मदा एतेऽवलिप्तानामेत एव सतां दमाः॥

विद्या का अहंकार, धन-संपत्ति का अहंकार, कुलीनता का अहंकार तथा सेवकों के साथ का अहंकार बुद्धिहीनों का होता है, सदाचारी तो दमन द्वारा इनमें भी शांति खोज लेते हैं।

संपादकीय

युवा रोजगार की स्थिति

भारत में युवा रोजगार की वर्तमान स्थिति निराशाजनक है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने मानव विकास संस्थान (आईएचडी) के साथ मिलकर 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' जारी की है। चिंताजनक है कि पढ़े-लिखे बेरोजगारों जिन्होंने कम से कम दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की है, की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। देश के कुल बेरोजगार युवाओं में पढ़े-लिखे बेरोजगारों की संख्या भी 2000 के मुकाबले दोगुनी हुई है। बेरोजगारों में, शिक्षित युवाओं का अनुपात 2022 तक लगभग दोगुना होकर 65.7 प्रतिशत हो गया है, जो 2000 में 35.2 प्रतिशत था। यानि अगर भारत में 100 लोग बेरोजगार हैं तो उसमें से 83 लोग युवा हैं। ये निराशाजनक आंकड़े बेहतर भुगतान वाली नौकरियों की इच्छा रखने वाले शिक्षित युवाओं को शामिल करने में सक्षम नौकरियों की अनुपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता में कमियों को रेखांकित करते हैं जिसके कारण बड़ी संख्या में शिक्षित युवा अभी भी नौकरी के मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, मुद्रास्फीति को ध्यान में रखने के बाद मजदूरी या तो स्थिर हो गई है या उसमें गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार देश में लोगों का वेतन ज्यादातर एक जैसा रहा है या ये घटा है। नियमित श्रमिकों और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वेतन में साल 2019 के बाद नकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई है। इतना ही नहीं अकुशल श्रमिकों को साल 2022 में न्यूनतम वेतन तक नहीं मिला है। तकनीक से जुड़े बदलावों ने कौशल और रोजगार के प्रकारों की मांग को भी प्रभावित किया है। युवाओं में बुनियादी डिजिटल साक्षरता की कमी की वजह से उनकी रोजगार की क्षमता में रुकावट आ रही है। 90 प्रतिशत भारतीय युवा स्प्रेडशीट में गणित के फॉर्मूला लगाने में असमर्थ हैं। 60 प्रतिशत युवा फाइलें कॉपी और पेस्ट नहीं कर सकते हैं। वहीं 75 प्रतिशत युवा किसी अटैचमेंट के साथ ईमेल भेजने में असमर्थ हैं।

हालांकि उच्च और मध्यम स्किल वाली नौकरियों में युवाओं का बेहतर प्रदर्शन है। इन क्षेत्रों में नौकरी की असुरक्षा अभी भी परेशानी का सबब बनी हुई है। अब आम चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ, राजनेताओं ने नौकरियां सुनिश्चित करने और तकनीकी रूप से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को न केवल उनके अभियानों में, बल्कि उसके बाद नीति निर्माण में भी प्राथमिकता दी है। श्रम संगठन की रिपोर्ट में सभी के लिए बेहतर नौकरियां सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस व्यापक नीतिगत दृष्टिकोण की कमी पर जोर दिया गया है। इसलिए तकनीकी रूप से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था के लिए प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कौन चुन-चुनकर मार रहा है पाक में चीनियों को

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान चीन को अपना सबसे भरोसे का मित्र कहता है। चीन के नाराज होने से पाकिस्तान की पेशानी से पसीना छूटना लाजिमी है। बेशक, ताजा हमले ने पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों के आत्मविश्वास को भी हिला दिया है। पाकिस्तान से आ रही रिपोर्टों से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ चीनी नागरिक पाकिस्तान छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में चीनियों और बलूचिस्तान में चीनियों और पंजाबियों पर हमलों का गहराई से विश्लेषण करना होगा। लगता ये है कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की अवाम अपने देश की पंजाबियों से भरपूर सरकार और सेना से नाराज है। नाराजगी की वजह है इन दोनों प्रदेशों की अनदेखी। बलूचिस्तान के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कहते रहे हैं कि पाकिस्तान के कुल जमा प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा उनके प्रदेश से आता है, पर पकिस्तान सरकार उन संसाधनों का दोहन करने के बावजूद राज्य को किसी भी तरह से फायदा नहीं पहुंचाती। उनका आरोप है कि देश के संसाधनों का लाभ पंजाब को मिलता है।

पाकिस्तान में काम करने वाले चीनी नागरिकों पर एक के बाद हमले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। हमले पाकिस्तान में चीन की मदद से तैयार हो रही बहुत सारी विद्युत और अन्य विकास परियोजनाओं में काम करने वाले चीनी इंजीनियरों पर हो रहे हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बीते हफ्ते एक जलविद्युत परियोजना पर आत्मघाती हमला हुआ था जिसमें पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई। इसके बाद चीनी कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं पर अपना काम रोक दिया है। ये परियोजनाए हैं- दासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तारबेला पांचवां एक्सटेंशन। बता दें कि एक दौर में खैबर पख्तूनख्वा सीमांत गांधी के प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है, पर अब यह जल रहा है।

चीनियों पर हमले सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा में ही नहीं हो रहे हैं। चीनियों पर हमले बलूचिस्तान में भी नियमित रूप से हो रहे हैं। पाकिस्तान के मशहूर अखबार द डॉन में 1 अप्रैल, 2024 को छपी एक खबर के अनुसार, चालू वर्ष के पहले तीन महीनों में देश के दो प्रमुख राज्यों क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बीते साल की इसी अवधि की तुलना में आतंकी और हिंसक वारदातों में 92 और 86 फीसद बढ़ोतरी हुई है। अखबार ने सेंट फॉर रिसर्ट एंड सिक्युरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) के हवाले से उपर्युक्त जानकारी दी है। जाहिर है कि चीनी नागरिकों पर हमले के कारण चीन नाराज है।

पाकिस्तान चीन को अपना सबसे भरोसे का मित्र कहता है। चीन के नाराज होने से पाकिस्तान की पेशानी से पसीना छूटना लाजिमी है। बेशक, ताजा हमले ने पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों के आत्मविश्वास को भी हिला दिया है। पाकिस्तान से आ रही रिपोर्टों से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ चीनी नागरिक अपनी जान को खतरा होने के कारण पाकिस्तान छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार बार-बार अपराधियों को पकड़ने का वादा कर रही है। चीन भी अपने नागरिकों की पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहा है। चीनी नागरिकों में हो रहे हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इस्लामिक स्टेट-खुरासान को जिम्मेदार माना जा रहा है। ये तीनों इस्लामिक आतंकी संगठन पाकिस्तान के खिलाफ लगभग जंग छेड़े हुए हैं। चीनियों पर हाल हाल ही में हुए हमले के तुरंत बाद इन तीनों संगठनों के नाम सामने आए। माना जाता है कि टीटीपी चीनियों के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। इसके कमांडरों में से एक को 2021 में चीनियों पर हालिया हमले की तरह से हुए हमले के पीछे का मास्टरमाइंड घोषित किया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा के हजारा और कोहिस्तान गित क्षेत्र को बहुत बीहड़ माना जाता है। ये 'सम्मान' हत्याओं, लड़कियों के स्कूलों को जलाने और शिया मुसलमानों की हत्याओं के कारण अक्सर खबरों में रहा है। अब ये चीनी नागरिकों को मारने के कारण भी खबरों में रहने लगे हैं। खैबर में चल विकास परियोजनाओं में सैकड़ों चीनी नागरिक काम करते हैं। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार हमजा हबीब ने इस लेखक को बताया कि खैबर में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। इधर सरकार का डर या इकबाल खत्म हो चुका है। यहां पुलिस, सरकारी अफसर या राजनीतिक नेतृत्व आतंकियों के सामने नतमस्तक रहते हैं। इस स्थिति के कारण इस बात की संभावना न के बराबर है कि इधर चीनियों पर हमले थमेंगे। खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय आतंकी संगठनों ने बीते अक्टूबर 2022 में राज्य के एक मंत्री को बंधक बना लिया था। उन्होंने आतंकवादियों की रिहाई की मांग की थी। इन्होंने सन् 2013 में नंगा पर्वत बेस कैंप पर विदेशी पर्वतारोहियों को निशाना बनाया था। इन्होंने खैबर पख्तूनख्वा में महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं को समाप्त करने की मांग की थी। ये अंधकार युग में जीते हैं। सवाल ये है कि चीनी नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? देखा जाए तो ये वहां पर विकास परियोजनाओं को खड़ा कर रहे हैं।

एक बात गौर करने लायक यह है कि चीनियों पर हमले सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा में ही नहीं हो रहे। चीनियों पर हमले पाकिस्तान के बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में भी होते रहे हैं। आमतौर पर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) चीनियों पर हमलों की जिम्मेदारी लेता रहा है। पिछले साल के मार्च महीने में बलूचिस्तान ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर पर आतंकियों ने हमला किया था। उस हमले में पाकिस्तान सेना के कई जवान मारे गए थे। इस बंदरगाह परिसर में कई सरकारी और अर्धसैनिक कार्यालय हैं और रणनीतिक रूप से स्थित ग्वादर बंदरगाह अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के केंद्र बिंदुओं में से एक बना हुआ है। दरअसल ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा बलूचिस्तान लंबे समय से चल रहे हिंसक विद्रोह का केंद्र रहा है। बलूच विद्रोही समूहों ने पहले भी 60 अरब अमेरिकी डॉलर की सीपीईसी परियोजनाओं को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं।

एक बात और, अशांत बलूचिस्तान में अज्ञात बंदूकधारी राजमार्गों पर चलने वाली बसों में सवार पंजाबी यात्रियों को गोली मार रहे हैं। सेना जैसी वर्दी पहने बंदूकधारियों ने कराची और ग्वादर के बीच चलने वाली कई बसों के यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की और फिर अपना खूनी खेल चालू कर दिया। मारे गए सभी अभागे बस यात्री पंजाबी थे। हत्यारे बस को रोककर मुसाफिरों से उनके पहचान पत्र मांगते हैं। वे गैर-पंजाबियों को छोड़ देते हैं। पाकिस्तान सरकार पंजाबियों के कत्लेआम को दुनिया की निगाह से छुपाना चाहती है, पर ये सोशल मीडिया के दौर में हो नहीं पाता। खबरें जैसे-तैसे दुनिया के सामने आ ही जाती हैं। जानकार कहते हैं कि पंजाबियों को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी चुन-चुनकर मार रही है।

खैबर पख्तूनख्वा में चीनियों और बलूचिस्तान में चीनियों और पंजाबियों पर हमलों का गहराई से विश्लेषण करना होगा। लगता ये है कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की अवाम अपने देश की पंजाबियों से भरपूर सरकार और सेना से नाराज है। नाराजगी की वजह है इन दोनों प्रदेशों की अनदेखी। बलूचिस्तान के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कहते रहे हैं कि पाकिस्तान के कुल जमा प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा उनके प्रदेश से आता है, पर पकिस्तान सरकार उन संसाधनों का दोहन करने के बावजूद राज्य को किसी भी तरह से फायदा नहीं पहुंचाती। उनका आरोप है कि देश के संसाधनों का लाभ पंजाब को मिलता है। प्राकृतिक संसाधनों के भी अपनी सरकार से तमाम गिले-शिकवे हैं। खैबर और बलूचिस्तान में चीनियों पर हमलों की एक बड़ी वजह यह मानी जा सकती है कि इन प्रदेशों में सक्रिय आतंकी संगठनों को लगता है कि अब जो विकास परियोजनाएं चीन की मदद से उनके यहां चल रही हैं, उसका लाभ उनकी बजाय शेष पाकिस्तान को ही होगा।

अब सवाल ये है कि पंजाबियों को बलूचिस्तान में किस कारण से निशाना बनाया जा रहा है? जाहिर है कि पंजाबियों को मारे जाने की कोई वजह तो होगी ही। हालांकि हिंसा को सही तो नहीं माना जा सकता। तो जान लीजिए कि सारा पाकिस्तान नफरत करता है पंजाब और पंजाबियों से। सबको लगता है कि पंजाब उनका शोषण कर रहा है, उनके हकों को मार रहा है।

प्रसंगवश

शहादत का फलसफा

हफीज किदवई
लेखक

जिन्हें लगता था कि उनको जहर बुझे खंजर से खत्म कर देंगे। आज वह कहां हैं? किसी को नहीं पता, जो यह समझते हैं कि किसी को धोखे से कत्ल करके, वह जीत जाएंगे। असलियत में वह हार ही रहे होते हैं। एक मजबूत विचार वाले व्यक्ति का कत्ल उसे और ज्यादा दिलों में बिखेर देता है। एक बार दिलों में बिखरते ही, वह पुश्त दर पुश्त नीचे जिंदा होता चला जाता है।

19 वीं रमजान में हजरत अली की पीठ में धोखे से जो जहर बुझा खंजर घोपा गया, उसने जिस्म को भले ही नुकसान पहुंचाया हो मगर रूह को इतना आजाद कर दिया कि वह जमीन के हर हिस्से में बिखर गई। उन्हें शहीद करने वालों को लगा था कि चलो आज से इनका किस्सा खत्म हुआ, मगर बदबख्तों ने यह नहीं सोचा की आज से वह हर तरफ सूरज की तरह चमकेंगे। उनकी चमक इन जुल्मियों को अंधा कर देगी। पीठ पर उनके जख्म हुआ, मगर वह ज़ख्म देने वालो के लिए ही नासूर बन गया।

21 वीं रमजान के रोज हजरत अली की शहादत यकीनन दिलों में रंज पैदा करती है। तकलीफ होती है कि भला वह कैसे लोग थे, जो हजरत अली जैसी शख्सियत को बर्दाश्त नहीं कर सके। मुझे लगता था कि आखिर क्यों नहीं उस वक्त मस्जिद की दीवारें दरक गईं। जब हजरत अली जहर के असर से तकलीफ में दांत कसते होंगे। तब क्यों नहीं मस्जिद की मीनारें ढह गईं? लोगों ने जनाजे में तो भीड़ बनकर जाना मुनासिब समझा, मगर उनके हाथ क्यों नहीं नोच डाले, जिन्होंने यह गुस्ताखी की थी। आखिर अरब कैसे यह सब बर्दाश्त कर गया? तब मुझे शहादत का फलसफा समझ आया। बहुत बार हां बहुत बार खुदा जब अपने किसी महबूब के जिंदा जिस्म से काम ले चुकता है और उसका काम जमीन पर पूरा नही हुआ होता, तब वह ऐसे जिस्म को शहीद करता है।

यह शहादत फिर हजारों साल तक जुल्म, बेइंसाफी के खिलाफ लड़ने की रौशनी बनती है। हजरत अली की शहादत ने मक्के, मदीने, बसरा, दमिश्क सबकी गलियों में जुल्म के खिलाफ लोगों को एक कर दिया। उनके खून का एक-एक कतरा खुदा के इंसाफ की गवाही बनने को बेताब हो गया। हजरत अली उस माटी से निकल कर दुनियाभर में बस गए। सबने इल्म के बादशाह के सामने सर झुका लिया।

इल्म के बादशाह, शेरे खुदा, सूफीजम के बादशाह हजरत अली को जब पीठ में जहर बुझा खंजर लगा। मौत सामने देख अपनी प्यारी औलाद को उन्होंने पास बुलाया। आखिरी वसीयत करते हुए कहा, देखो जिसने मुझ पर खंजर चलाया है, उसके साथ ज्यादती मत करना। सजा उसे उतनी ही देना जितनी उसने गलती की है। उसे मेरी पीठ पर लगे जख्म से ज्यादा गहरा जख्म न लगे। मेरी तकलीफ से ज्यादा तकलीफ न हो, तुम उस पर जुल्म मत करना।

उनकी शहादत पर इतनी तो गांठ बांध लो की कल भी जुल्म से लड़ने के लिए शहीद होना पड़ता था, आज भी शहीद होना है। कल भी चालबाज लोग कत्ल को आखिरी हथियार समझते थे, आज भी समझते हैं। कल भी इंसाफ पसंद को धोखे से, मक्कारी से बदनाम करने का चलन था, आज भी है। कल भी बादशाही मशीनरी अवाम की आवाज को दबाने उठती थी, आज भी सरकारी मशीनरी अवाम की आवाज को कुचलती है। कल से आज सिर्फ आबादी की गिनती बढ़ी है, वरना हालात वैसे ही आते-जाते रहें हैं, जिन्हें आज जुल्म से लड़ना है, अवाम की आवाज बनना है। बेइंसाफी को जमीदोज करना है वह हजरत अली से सीखें। अपना दिल बड़ा करें, किरदार की बुलंदी को समझें और बेखौफ सीना तानकर, जुल्म की आंख में आंख डालकर मुकाबला करें। शहादत अगर आ भी गई तो शाही तख्त पर बैठे खास लोगों की ही चूले हिलेंगी। उनकी दीवारें चिटखेंगी। वह तुम्हारे बहते खून में हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।

हजरत अली की शहादत पर उन्हें याद करने का वक्त 21 वीं रमजान हमें एक सबक देता है, उस सबक को याद रखिए। जुल्मी कितनी ही लालच दे, कितना ही डर बढ़ाए, डिगना मत और अपनी आखिरी सांस तक सच-इंसाफ के रास्ते पर चलते रहना, भले हाथ खाली हों या सर ओर छत न हो या फिर सर ही न रह जाए...

कैसे हो पहाड़ की महिलाओं का उत्थान

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

एक अध्ययन के अनुसार चारा और ईंधन एकत्र करने के लिए पहाड़ी महिला वर्ष में औसतन चार से पांच हजार किलोमीटर की पैदल दूरी तय करती है।

समाज में तेजी से हो रहे परिवर्तन और महिला सशक्तिकरण के मौजूदा दौर में भी पहाड़ी इलाकों में महिलाओं की दैनिक स्थिति में ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है। पहाड़ की रीढ़ कही जाने वाली पहाड़ की नारी मुसीबतों के कई पहाड़ लांघकर और पहाड़ जैसी जिंदगी ढोकर पहाड़ के लिए ही मर-मिट जाती हैं। वस्तुतः पहाड़ से भी विकट जिंदगी जी रहीं पहाड़ी महिलाओं के उत्थान की बात करना तब तक गलत होगा, जब तक उनके सिर और पीठ के भारी बोझ को हल्का करने के प्रयास नहीं किए जाते।

यह कहना गलत न होगा कि पहाड़ की पूरी अर्थव्यवस्था महिलाओं पर टिकी है। उत्तराखंड के संदर्भ में यहां के अधिकांश पुरुष रोजगार की तलाश में शहरों की ओर कूच कर गए हैं। यहां अकेली महिला ही अपनी पहाड़ सी जिंदगी से जूझती मिलेंगी। आज अगर चंद महिलाओं को लेकर हम यह दावा करे कि यहां की महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है तो यह सरासर नाइंसाफी होगी उन हजारों महिलाओं के साथ जो खेती बाड़ी और पशुपालन के काम में अपना शरीर तिल-तिल कर होम कर रही है। यहां की प्रकृति भी अपना क्रूर चाबुक इन्हीं महिलाओं पर चलाती है। इनकी दिनचर्या पौ फटने से पहले कब शुरू होकर देर रात के किस प्रहरी समाप्त होती हैं, यह बता पाना मुश्किल है। पहाड़ियों की चोटी पर से सिर में घास व लकड़ी का गट्ठर ढोते हुए घर आना बहुत जोखिम भरा काम है।

पहाड़ में गर्भवती महिलाओं को सिर पर भारी बोझ लादे खतरनाक रास्तों पर चलते हुए देखा जा सकता है। इस कारण कई बार गर्भपात तक हो जाता है। शिशु को जन्म देने के बाद जब वे काम पर जाती है तो नवजात को पीठ पर बांधकर अपने साथ ले जाती है, क्योंकि घर पर शिशु की देखभाल करने वाला कोई नहीं होता।

इसके अलावा मातृत्व सहने का कष्ट भी उनके लिए कम दुखदाई नहीं है। यहां के समाज में आज भी अंधविश्वास गहरे तक पैठ बनाए हुए हैं। कई गांवों में आज भी प्रसूति महिला को 21 दिनों तक अछूत समझा जाता है। यह इक्कीस दिन उसे एक छोटी सी कोठरीनुमा कमरे में काटने पड़ते हैं। उसका छुआ पानी तक कोई नहीं पीता पर वह जंगल जाकर घास व लकड़ी ला सकती है। इसमें कोई मनाही नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण प्रसव के समय कई महिलाओं की जान तक चली जाती है।

पहाड़ के सीढ़ीदार खेतों में फसल बोने और काटने के समय महिलाओं को देर शाम तक काम करते हुए देखा जा सकता है। कुछ जगहों पर तो महिलाएं हल भी चलाती हैं। गर्मी की चिलचिलाती धूप, बरसात में खेतों से उठती असहनीय उमस और ऊपर से गिरता बारिश का पानी जहां पहाड़ी महिला के बदन के वस्त्र को सूखने नहीं देता, वहीं जाड़ों की कड़ाके की ठंड भी उसके हाथ पैरों को ठिठुरा पाने में असफल रहती हैं। खेती के अतिरिक्त रोजमर्रा के सभी कार्य महिला ही करती है। बचपन से ही पराया धन का कलंक माथे पर लिए यहां की बेटियों को पढ़ाई से अधिक चौका चूल्हा करना सिखाया जाता है।

स्कूल जाने की उम्र में उनकी नाजुक पीठ पर गोबर की टोकरी और हाथों में दरांती सौंप दी जाती है। आज भी विकास से कटे दूर दराज के गांवों मे लड़कियां कक्षा पांच या आठ के बाद पढ़ाई छोड़ देती है। ज्यादातर परिवारों में लड़कियों को स्कूल भेजना परिवार की प्राथमिकता में शामिल नहीं होता। वह तो महज एक श्रमिक बनकर रह गई है। कम उम्र में ही शादी कर दी जाती है और शादी के बाद उसे एक पहाड़ से दूसरे पहाड़ पर कष्टमय जीवन व्यतीत करना पड़ता है।

एक अध्ययन के अनुसार चारा और ईंधन एकत्र करने के लिए पहाड़ी महिला वर्ष में औसतन चार से पांच हजार किलोमीटर की पैदल दूरी तय करती है। यानी एक दिन में पहाड़ी रास्तों पर 12 से 15 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं। अध्ययन में देखा गया कि पहाड़ी महिला प्रतिदिन 19 घंटे काम करती है। सुबह पांच बजे से काम शुरू करने वाली महिला दिनभर वयस्त रहकर रात ग्यारह बजे के बाद ही बिस्तर पर आराम करने जा पाती है। इतनी मेहनत के बाद भी उसे भोजन में पर्याप्त कैलोरी नहीं मिल पाती है। कई बार उसके हिस्से में आधा पेट भोजन ही आता है। कुल जमा अर्थ यह कि उसके जीवन में अत्यधिक श्रम, तनाव, बीमारी और उसकी खर्च हुई तथा उसे प्राप्त ऊर्जा का असंतुलन अंततः उसकी उम्र पर प्रभाव डालता है और उसे 35 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बूढ़ा व कमजोर कर देता है। जहां तक महिला स्वास्थ्य का सवाल है तो स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। कुछ महिला संगठनों ने पाया कि अधिकांश महिलाएं कुपोषण का शिकार है।

सोशल फोरम

बौरा गए

डॉ. रामानंद शुक्ल
अयोध्या

आम और भौंरे तो साल भर में एक ही बार बौराते हैं, लेकिन...साधो, देखो जग बौराना! कबीर कहते हैं... अरे भाई! बौरा न वंदे, मत बौराओ, लेकिन संसार है कि बिना बौराए मानता ही नहीं है। वसंत में सबके सब बहक करके बौरा गए। तभी तो सांच कहो तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।

संसार को चिकनी-चुपड़ी झूठी चापलूसी अधिक पसंद है और उसी पर विश्वास भी करता है। सच्चरित्र व्यक्ति के सही बात को नकारता-अस्वीकार करता है। विश्वास से विरत रहता है, क्योंकि वह अनैतिक अर्थोपार्जन से दूर रहता है। वह अर्थ-सुलभ जगत के भौतिक सुख-सुविधा, चांचिक्य से बेफिक्र- विलग रहता है, कहें कबीर सुनो भाई साधू! ई सब भरम भुलाना। यह संसार भूल-भुलैया है। सभी दिग्भ्रमित हैं। कबीर की बानी में स्पष्ट-साफगोई, बेधड़क-बेलौस, बेफिक्र-बेखौफ अदम्य साहस की झलक है। उनकी बोली-बानी, साखी-सबद तिलमिला देने वाले हैं। चुभ जाने वाले व्यंजनाओं-प्रतीकों से परिपूर्ण हैं। ऊपर की पंक्तियां इस बात की सबूत हैं कि दूसरों की दृष्टि-भाव में कबीर बौराहा थे, लेकिन सच यह है कि वह बौराहा नहीं थे, बल्कि ऐसी दोषदृष्टि रखने वाले छिद्रान्वेषी ही बाउर थे, बौराए हुए थे, जो केवल झूठ ही बतियाते-पतियाते और पचाते थे। तथा सांच कहौं तो मारन धावै। भव-भयाकुल भरमे-भरमाए भोग-विलास में भटके, भूले-भुलाए ये द्वंद्वी-पाखंडी घमंडी लोग थे। शास्त्रोक्ति है कि अपूज्य की पूजा या पूज्य की अवहेलना-तिरस्कार करने-कराने के लिए, अपूज्य को पूज्य से अर्थात् सत् को असत् से आगे बढ़ाने का कुप्रयास, अपूज्य-पूजक और सहयोगी तीनों का कालांतर में विनाश कर ही देता है।

यह श्रीमद्भगवद्गीता की इस सूक्ति की ओर भी संकेत है। अव्यवस्थित चित्तानां प्रसादोऽपि भयंकरः। अव्यवस्थित द्वंद्व में रहने-जीने वाले के चित्त का परिणाम बहुत भयंकर होता है। लगातार कबीर के साथ भी ऐसी घटनाएं घटती रहीं फिर भी सच से विचलित नहीं हुए। झूठे जग को और झूठ को पतियाने वाले जगत के तिरस्कार-अपमान से बिना विचलित हुए दहाड़ते-पछाड़ते रहे। कबीर को अपने इष्ट पर पूरा भरोसा था, इसलिए बड़े निडर थे।

-फेसबुक वॉल से

धरती ही नहीं, समुद्र की सतह भी गर्म

प्रकाश श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

ग्लोबल वार्मिंग ने मौसम का चक्र बिगाड़ दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान संगठन की यह आशंका काफी चिंताजनक तस्वीर पेश करती है कि इस बार अप्रैल से लेकर जून तक देश को प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ सकता है तो दूसरी ओर विश्व बैंक के अनुमानों से पता चलता है कि 2030 तक, भारत में 200 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक तापमान का सामना करना पड़ेगा। साथ ही गर्मी से संबंधित तनावों के चलते उत्पादकता में कमी के कारण 34 मिलियन लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ेगी।

उत्तर-पश्चिमी भारत में असामान्य तापमान जलवायु पैटर्न की एक ऐसी अप्रत्याशित प्रकृति है, जो हाल के वर्षों में पहले कभी नहीं देखी गई थी। इस साल मार्च के अंतिम दिनों में ही भारत के कई शहरों का तापमान 40 डिग्री से पार कर गया। देश के कई हिस्सों में अभी से ही लू चलने लगी है। गर्मी को लेकर यह भयावह पहलू है। चिलचिलाती गर्मी दैनिक जीवन के लिए गंभीर खतरे का सबब तो बनती है। साथ ही कृषि और स्वास्थ्य जोखिमों को भी बढ़ाती है। ग्रामीण आबादी, विशेषकर बुजुर्ग और धूप में काम करने वाले लोग इसका खामियाजा असामयिक मृत्यु के रूप में भुगतते हैं। पर्यावरण पर नजर रखने वाली यूरोपीय संघ की एक एजेंसी कॉपरनिक्स क्लाइमेट सर्विस के अनुमानों और आंकलन के अनुसार अब मैदानी इलाकों की तरह ही समुद्र की सतह पर भी लू चलने लगी है। सामान्य से अधिक तापमान का पूर्वानुमान और भारत के मध्य और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में हीटवेव की संभावनाएं अधिकारियों और नागरिकों दोनों के लिए एक 'वेकअप कॉल' के रूप में होनी चाहिए। पश्चिमी विक्षोभ जैसे कारक असामान्य तापमान वृद्धि के मूल में हैं। यह कहा जा सकता है कि छिटपुट बारिश से थोड़ी-बहुत राहत मिल सकती है, लेकिन यह जान लेना भी जरूरी है कि प्रकृति की ऐसी राहत अल्पकालिक होती है। बादलों के हट जाने पर गर्मी फिर अपनी प्रकोर दिखाना शुरू कर देती है। पर्यावरणीय बदलाव से न सिर्फ हमारी धरती गर्म हो रही है, बल्कि समुद्र की सतह का पारा भी बढ़ता जा रहा है। लंबे समय तक चलने वाली गर्मी और गर्म हवाओं तथा बढ़ते तापमान के असर को कम करने के लिए बेहतर जल प्रबंधन समेत हरित उपायों जैसे स्थायी समाधानों की आवश्यकता है। हमारे पूर्वजों ने जल प्रबंधन के जो उपाय अपनाए थे, वे आज भी उतने ही लाभकारी हो सकते हैं, पर जरूरी है कि उन पर ध्यान दिया जाए। जरूरी हो गया है कि हम जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएं। इस दृष्टिकोण में टिकाऊ बुनियादी ढांचे में निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और जलवायु लचीलेपन को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को लागू करना शामिल है।

मौसम विभाग की भविष्यवाणियां जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई की तरफ ध्यान आकर्षित कराती हैं। हालांकि हम मौसम को नियंत्रित करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन हम बदलते जलवायु पैटर्न के अपने अनुकूल करने की दिशा में निश्चित रूप से सक्रिय कदम उठा सकते हैं। नवीन समाधानों को अपनाकर, हम जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को कम कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक लचीला और उनके समृद्ध भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। ये ऐसे सत्य हैं जिनका ध्यान हमारी पहले की पीढ़ियों ने रखा है और हमें भी उनके लिए ऐसी ही विरासत छोड़कर जाना चाहिए। लू की स्थिति को देखते हुए, अब समय आ गया है कि हम आने वाली चुनौतीपूर्ण गर्मी से निपटने और तापमान में वृद्धि को रोकने के लिए खुद को तैयार करें। मौसम विज्ञानिकों की ऐसी चेतावनियों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में उभरने की तैयारी

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय सलाहकार

भारत की फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एफएएमई) नीति एक एशियाई विनिर्माण केंद्र और वैश्विक उद्योगों के लिए चीन के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में भारत की स्थिति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एफएएमई नीति भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने में तेजी लाने पर केंद्रित है। सब्सिडी और अन्य सहायता उपायों के माध्यम से ईवी के उत्पादन और खरीद को प्रोत्साहित करके, नीति का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना और टिकाऊ परिवहन समाधानों को बढ़ावा देना है। यह स्वच्छ ऊर्जा के प्रति वैश्विक रुझानों के अनुरूप है और भारत को विद्युत गतिशीलता क्षेत्र में एक प्रगतिशील खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। एफएएमई नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर ने ईवी से संबंधित विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश और विकास को बढ़ावा दिया है। एफएएमई जैसी नीतियों के माध्यम से विद्युत गतिशीलता को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों की महत्वपूर्ण रुचि को आकर्षित किया है। कंपनियां भारत को ईवी और संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए एक आकर्षक बाजार के रूप में देखती हैं जिससे साझेदारी, संयुक्त उद्यम और विनिर्माण सुविधाओं में निवेश होता है। निवेश का यह प्रवाह रोजगार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विनिर्माण क्षेत्र की समग्र वृद्धि में योगदान देता है। भारत की महत्वाकांक्षाएं ईवी की घरेलू मांग को पूरा करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। एफएएमई नीति, अन्य निर्यात उन्मुख पहलों के साथ मिलकर भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों और घटकों के लिए एक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखती है। इसमें यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य क्षेत्रों के बाजारों को लक्षित करना शामिल है, जहां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की मांग बढ़ रही है। एफएएमई के तहत निर्यात प्रोत्साहन से भारत को अपने व्यापार को संतुलित करने और इसे वैश्विक विनिर्माण मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने में मदद मिलती है। एफएएमई नीति पश्चिम के लिए विनिर्माण की एशियाई फैक्ट्री बनने के देश के दृष्टिकोण में एक प्रमुख चालक है। भारत वैश्विक विनिर्माण की बदलती गतिशीलता का लाभ उठाने और इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 और 19 की ही तरह लगातार तीसरी बार क्रांतिकारियों की धरती मेरठ से चुनावी बिगुल फूंकने आए तो अपने चिरपरिचित अंदाज और तेवर में विपक्ष पर गरजते हुए विकसित भारत का सपना दिखाकर लोगों में जोश भरने के साथ भाजपा प्रत्याशी टीवी धारावाहिक 'रामायण' में राम की भूमिका निभाकर विख्यात हुए अभिनेता अरुण गोविल की जीत का माहौल भी बना गए। लेकिन मोदी की सभा के 48 घंटे के भीतर सपा ने मेरठ लोकसभा सीट पर प्रत्याशी बदलकर चुनाव को नई धार दे दी। सपा ने अब सरधना से विधायक गुर्जर समाज के अतुल प्रधान पर दांव लगाया है।

क्रांति की धरा पर 'राम बाण' करेगा बेड़ा पार

- इस बार सपा-बसपा से मुस्लिम प्रत्याशी नहीं, एआईएमआईएम प्रत्याशी आया तो भाजपा की राह होगी आसान

मेरठ-हापुड़ लोस सीट

मनोज त्रिपाठी

भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल के नामांकन में पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य साथ में मौजूदा सांसद राजेंद्र अग्रवाल।

- सपा ने मोदी की रैली के बाद बदला प्रत्याशी भाजपा के अरुण गोविल का मुकाबला करेंगे अब विधायक अतुल प्रधान
- दलित वोट साधने के लिए भाजपा प्रत्याशी नामांकन कराने के बाद सीधे पहुंचे बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने

अमृत विचार। सपा ने बदायूं, नोएडा व मुरादाबाद के बाद मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट पर भी अपना प्रत्याशी बदल दिया है। यहां से घोषित प्रत्याशी अधिवक्ता भानु प्रताप सिंह का पार्टी में विरोध था, कार्यकर्ता स्थानीय नेता को टिकट देने का मांग कर रहे थे। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी प्रत्याशी की कार्यशैली से खुश नहीं थे। वैसे भी पॉलिटिकल एक्टिविस्ट भानु प्रताप का मेरठ से कोई वास्ता नहीं था। क्रांति भूमि कही जाने वाली मेरठ की लोकसभा सीट लंबे समय से भाजपा की झोली में है। पिछले तीन चुनावों से भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल जीत रहे हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा के हाजी याकूब को मात देकर उन्होंने जीत की हैट्रिक लगाई थी। लेकिन इस बार राम मंदिर से बने माहौल का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फायदा उठाने के लिए भाजपा ने राजेंद्र अग्रवाल का टिकट काटकर रामायण सीरियल के 'राम' अरुण गोविल पर दांव लगाया है। सपाई उन्हें मुंबई में रहने के कारण बाहरी बता रहे हैं। इसके जवाब में भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि अरुण गोविल मेरठ के मूल निवासी हैं। उनका जन्म यहां 12 जनवरी 1958 को हुआ था। उन्होंने कक्षा पांच तक की पढ़ाई यहीं शिशु मंदिर में की थी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ नामांकन करने के बाद अरुण गोविल ने उनके साथ सीधे आंबेडकर चौराहा पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके दलित मतदाताओं को साधने की कोशिश की। दरअसल, दलित-मुस्लिम वोट बैंक की बदौलत ही पिछले चुनाव में बसपा ने भाजपा को नाको चने चबवा दिए थे। भाजपा प्रत्याशी बमुश्किल 2379 वोटों से जीत सके थे। इस बार बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी बाहरी हैं। वह बुलंदशहर के रहने वाले हैं।

2019 में सांसें थाम देने वाला मुकाबले में कैंट विस ने बचाई थी भाजपा की लाज

- वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और बसपा का गठबंधन था। मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट पर बसपा के हाजी मोहम्मद याकूब प्रत्याशी थे। उनका सीधा मुकाबला जीत की हैट्रिक लगाने उतरे भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल से था। कांग्रेस से हरेंद्र अग्रवाल मैदान में थे। लोकसभा क्षेत्र की पांच विधान सभा सीटों में चार हापुड़, किठौर, मेरठ सिटी और मेरठ दक्षिण में बसपा प्रत्याशी ने लीड बनाई। भाजपा करीब एक लाख से ज्यादा वोटों से पीछे थी, लेकिन मेरठ कैंट सीट ने भाजपा के लिए बाजी पलट दी। इस विधानसभा क्षेत्र ने न सिर्फ भाजपा और बसपा के बीच के वोटों के अंतर को खत्म किया, बल्कि 4729 वोटों से जीत दिलाने मे भी कामयाबी दिलाई। भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल को 5,86,184 वोट तो बसपा के हाजी याकूब को 5,81,455 वोट मिले थे।

2019 चुनाव में विधानसभा वार परिणाम

विस	भाजपा	बसपा	कांग्रेस
किठौर	109222	131039	3407
मेरठ	79241	109637	5427
मेरठ (दक्षिण)	123496	152210	6775
हापुड़ (एससी)	106151	122389	6602
मेरठ कैंट	168074	66180	12090

प्रमुख राजनीतिक दलों का वोट शेयर

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2019 लोस	48.4	----	48.1	2.8
2014 लोस	47.9	19.0	27.0	3.9
2009 लोस	31.9	25.2	25.4	8.4
2022 विस	46.2	26.9	12.5	1.5

तेजतर्रार नेता की छवि, संगीत सोम को हराकर चर्चा में आए

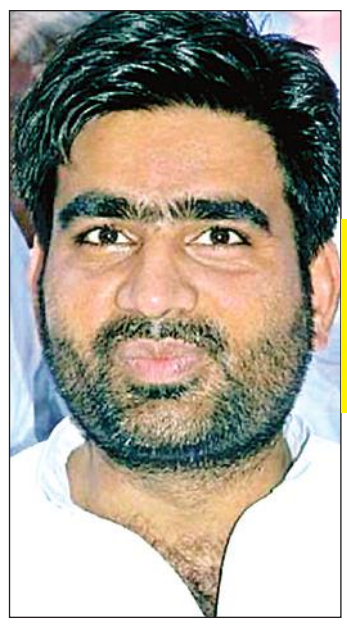

2012 में पहला चुनाव सरधना विधानसभा सीट से लड़ा था।

2017 के चुनाव में सपा ने एक बार फिर जताया भरोसा

2022 के चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन में अतुल प्रधान को तीसरा मौका मिला

मेरठ जिले की मवाना तहसील के निवासी अतुल प्रधान ने छात्र नेता के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी। अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें सपा छात्र सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। गुर्जर समाज से आने वाले अतुल प्रधान तेजतर्रार नेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2012 में पहला चुनाव सरधना विधानसभा सीट से लड़ा था। भाजपा के संगीत सिंह सोम ने यह चुनाव जीता था और अतुल तीसरे नंबर पर रहे थे। 2017 के चुनाव में सपा ने एक बार फिर अतुल प्रधान पर भरोसा जताया। लेकिन इस बार भी वह भाजपा के संगीत सिंह सोम से हार गए। हालांकि, इस बार उनका स्थान दूसरा रहा। 2022 के चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन में अतुल प्रधान को सरधना सीट से फिर मौका मिला और इस बार उन्होंने भाजपा के दो बार के विधायक संगीत सिंह सोम को 18 हजार से ज्यादा वोटों से हरा दिया।

प्रधान की पत्नी ने सपा से लड़ा था मेयर का चुनाव

- अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान मेरठ में जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। 2023 में सपा ने सीमा प्रधान को मेयर का टिकट दिया था। लेकिन वह भाजपा के मुकाबले तीसरे नंबर पर पिछड़ गई थीं। दरअसल मेयर चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने के प्रत्याशी ने दूसरे नंबर पर आकर उनका खेल बिगाड़ दिया था।

मुस्लिम और दलित वोट बैंक का वर्चस्व

- मेरठ लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम और दलित वोट बैंक का वर्चस्व है। मुसलमानों की आबादी यहां लगभग पौने छह लाख गिनी जाती है। दूसरे नंबर दलितों में जाटव समुदाय की आबादी करीब साढ़े तीन लाख और वाल्मीकि समाज 80 हजार के आसपास है। ब्राह्मण सवा लाख तो वैश्य दो लाख के आसपास और त्यागी समुदाय 50 हजार तथा जाट एक लाख 40 हजार और गुर्जर आबादी 60 हजार से ज्यादा है। इनके बाद सैनी, प्रजापति, पाल और कश्यप समाज की आबादी सवा लाख से ज्यादा है।

ध्रुवीकरण की बयार में भाजपा का गढ़ बनी

1977 में जनता पार्टी की जीत के बाद 1980 और 1984 में मेरठ लोकसभा सीट पर कांग्रेस काबिज रही। 1989 और 1991 में यह सीट जनता दल के पास रही। लेकिन 1990 के दौर में राम मंदिर आंदोलन का मेरठ में भी व्यापक असर हुआ और यह सीट भाजपा का गढ़ बन गई। 1991, 1996 और फिर 1998 में यहां से लगातार भाजपा के अमरपाल सिंह ने जीत दर्ज की। इसके बाद 1999 में कांग्रेस ने वापसी की। 2004 में यहां से बसपा ने बाजी मारी। लेकिन 2009 के बाद से भाजपा का कमल खिल रहा है। 2014 के चुनाव में भाजपा ने सवा दो लाख से ज्यादा वोटों से जीत का परचम लहराया। इस चुनाव में भाजपा से राजेंद्र अग्रवाल, बसपा से शाहिद अखलाक और सपा से शाहिद मंजूर मैदान में थे। मुस्लिम मतदाता सपा और बसपा के बीच बंटने से भाजपा की जीत आसान हो गई। 2024 के चुनाव में कोई मुस्लिम प्रत्याशी नहीं है। ऐसे में सबकी निगाहें असदुद्दीन ओवैसी पर टिकी हुई हैं। एआईएमआईएम का प्रत्याशी आने से भाजपा की राह काफी आसान हो जाएगी, ऐसा मानने वालों की कमी नहीं है।

एमपी में कांग्रेसियों की भाजपा में शामिल होने की लाइन लगी

भोपाल। लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर दल-बदल की राजनीति चल रही है। कांग्रेस में भगदड़ जैसी हालत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक कमलेश शाह, मेयर विक्रम अहाके, जगत बहादुर सिंह, समेत आधा दर्जन से ज्यादा पूर्व विधायक और पदाधिकारी कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का पटका पहन चुके हैं। इन हालात में विधानसभा चुनाव में करारी हार से उबरने की कोशिश में लगी कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव की राह और कठिन हो गई है।

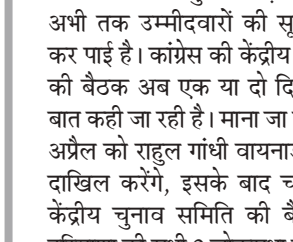

हरियाणा में कांग्रेस की सूची लटकने से दावेदारों में बेचैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के लिए कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवारों की सूची फाइनल नहीं होने से दावेदारों में बेचैनी है। भाजपा राज्य में अपने सभी दस उम्मीदवार उतार चुकी है तो इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी ने भी अपना उम्मीदवार बहुत पहले उतार दिया है। लेकिन हरियाणा में दस में से नौ सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस अभी तक उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं कर पाई है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अब एक या दो दिन में होने की बात कही जा रही है। माना जा रहा है कि तीन अप्रैल को राहुल गांधी वायनाड से नामांकन दाखिल करेंगे, इसके बाद चार अप्रैल को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में पार्टी हरियाणा की सभी 9 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर सकती है। हरियाणा में कांग्रेस सियासी समीकरणों और भाजपा के उम्मीदवारों को चुनौती देने के लिए दिग्गज और जिताऊ उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी में है, जिसमें हरियाणा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी सैलजा को अंबाला या सिरसा से चुनाव लड़ाने की चर्चा है। भूपेंद्र और दीपेंद्र हुड्डा को भी मैदान में उतारने की चर्चा है। रोहतक सीट पर दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा संभवतः लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

हम भी साथ बालुरघाट में टीएमसी प्रत्याशी बिप्लब मित्रा के नामांकन जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और जमकर जोश दिखाया।

दो सीएम के जेल जाने से अब घोषणा पत्र में भी होगा बदलाव

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

- भाजपा करेगी हर स्तर पर भ्रष्टाचार मिटाने का वायदा तो कांग्रेस एजेंसियों के दुरुपयोग पर कानून में बदलाव पर देगी जोर

अमृत विचार : 31 मार्च को दिल्ली में इंडिया गठबंधन एवं मेरठ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों के बाद भाजपा एवं कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्रों में कुछ बदलाव के संकेत मिले हैं। भाजपा भ्रष्टाचार और कांग्रेस सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग पर कानून में बदलाव का वायदा करेगी। दोनों दल अपने-अपने घोषणा पत्र पांच अप्रैल को जारी करने की तैयारी में हैं।

माना जा रहा है कि भाजपा के घोषणा पत्र में राजनीति एवं सरकार में किसी भी स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार को साफ करने की गारंटी मुख्य वायदा रहेगा। युवाओं, किसानों व महिलाओं के लिए कई वायदे प्रस्तावित हैं। महिला कल्याण एवं बेरोजगारी मिटाने की गारंटी दी जाएगी और किसानों की वर्तमान स्थिति को और बेहतर करने के लिए कई योजनाएं शुरू करने के भी संकेत मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक भाजपा के घोषणा पत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों के माध्यम से किसी भी स्तर के भ्रष्टाचार को रोकने का वादा किया जाएगा। भाजपा की तीसरी बार सत्ता में वापसी के बाद आम जनता को राहत पहुंचाने वाले तमाम वायदों के साथ सबसे बड़ा वादा भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करना होगा। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में जनता की नब्ज टटोलने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में कई वीडियो वैन भी देश भर में रवाना की थी, ताकि एक करोड़ से ज्यादा लोगों की राय को घोषणा पत्र में शामिल किया जा सके।

उधर, कांग्रेस के घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार के नाम पर बेकसूरों को फंसाने की कार्रवाई को रोकने के लिए वायदे होंगे। सूत्रों के मुताबिक चुनाव घोषणा पत्र में जनता को राहत पहुंचाने वाले तमाम वायदों को शामिल किया गया है। लेकिन सबसे बड़ा वायदा केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा यदि किसी के साथ बेजा कार्रवाई होती है, तो उसे रोकने के लिए वर्तमान कानून में बदलाव करने के वायदे का संकेत मिला है। कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष पी चिदंबरम एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव संयोजक है। इसमें महासचिव प्रियंका गांधी सहित कुल 16 सदस्य हैं।

राजशाही परिवार का वर्चस्व तोड़ने की चुनौती

आजादी के बाद 90 के दशक तक टिहरी लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ रही। यही वजह है कि बीते तीन चुनावों में हार के बाद भी कांग्रेस का वोट बैंक यहां 30 फीसदी से नीचे नहीं गया है। इस लोकसभा क्षेत्र में गंगा का उद्गम स्थल गोमुख, लाख मंडल, गंगोत्री, यमुनोत्री और विशाल टिहरी बांध स्थित है।

अरविंद मलिक, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड की पांच संसदीय सीटों में टिहरी लोकसभा सीट का खास महत्व है। आजादी के बाद से आज तक इस सीट पर टिहरी राजघराने का वर्चस्व बरकरार है। पहले यह सीट कांग्रेस का गढ़ हुआ करती थी लेकिन राम लहर के बाद भाजपा ने यहां मजबूत कब्जा जमा लिया। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार फिर से वर्तमान सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह पर विश्वास जताया है, तो कांग्रेस ने मसूरी से दो बार विधायक रहे जोत सिंह गुनसोला को चुनाव मैदान में उतारा है। बेरोजगार सेना के बॉबी पंवार ने चुनावी ताल ठोक कर दोनों दलों की मुश्किल बढ़ा दी है। राजशाही परिवार की वजह से टिहरी क्षेत्र वीआईपी सीट रहा है। टिहरी की राजशाही के साथ ही एशिया के सबसे बड़े बांधों में से एक टिहरी बांध की वजह से इलाके की खास पहचान है। एक अगस्त 1949 को टिहरी रियासत भारत के अधीन आ गई थी, लेकिन टिहरी में राजशाही बरकरार रही।

माला राज्य लक्ष्मी शाह।

जोत सिंह गुनसोला।

- टिहरी में राजशाही परिवार के वर्चस्व को चुनौती देना नहीं आसान
- पहले कांग्रेस का था गढ़ राम लहर के बाद भाजपा ने किया कब्जा

08 बार भाजपा ने राज परिवार के सहारे जीत दर्ज की

30% लगातार हार के बाद भी कांग्रेस का बचा है वोट बैंक

तीन जिलों की 14 विस सीटें लोस क्षेत्र में शामिल

देहरादन जिले के कैंट, चकराता, मसूरी, रायपुर, राजपुर रोड, सहसपुर, विकासनगर विधानसभा क्षेत्र, टिहरी जिले के टिहरी, धनौल्टी, घनसाली और प्रताप नगर विधानसभा क्षेत्र,उत्तरकाशी जिले के पुरोला, गंगोत्री और यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र हैं।

2009 में हुए चुनाव की स्थिति

प्रत्याशी	पार्टी	वोट	प्रतिशत
विजय बहुगुणा	कांग्रेस	263083	44.97
जसपाल राणा	भाजपा	210144	35.92

2012 में हुए उपचुनाव की स्थिति

प्रत्याशी	पार्टी	वोट	प्रतिशत
माला राज्य लक्ष्मी शाह	भाजपा	245835	48.11
साकेत बहुगुणा	कांग्रेस	223141	43.67

1991 से 2004 के बाद बीते तीन चुनावों से भाजपा का कब्जा

- 1952 के पहले चुनाव में जब कांग्रेस का डंका बज रहा था निर्दलीयकमलेंदुमति शाह ने जीत हासिल की थी। 1957,62 व 67 में कांग्रेस के मानवेंद्र शाह तीन बार लगातार जीते। 1971 में कांग्रेस के परिपूर्णानंद पैन्यूली विजई रहे।
- 1977 में त्रेपन सिंह नेगी ने यहां जनता पार्टीका झंडा फहराया लेकिन 1980 में कांग्रेस के त्रेपन सिंह नेगी के बाद 1984 व 89 में ब्रहम दत्त जीते।
- 1991, 96, 98, 99 व 2004 में भाजपा के मानवेंद्र शाह ने लगातार कमल खिलाया। 2007 के उपचुनाव के बाद 2009 में भी कांग्रेस के विजय बहुगुणा ने जीत दर्ज की। इसके बाद 2012 उपचुनाव, 2014 और 2019 में भाजपा की माला राज्य लक्ष्मी शाह जीत की हैट्रिक लगा चुकी हैं।

कभी कांग्रेस का गढ़ थी सीट अब यहां खिल रहा कमल

- राजनीति में राजशाही परिवार के सदस्य सक्रिय रहे। वर्तमान सांसद और भाजपा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह भी राजशाही परिवार से हैं। आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव में राजमाता कमलेंदुमति शाह निर्दलीय चुनाव लड़ी थीं। जिसमें उनकी बड़ी जीत हुई थी। इसके बाद 1957 में हुए चुनाव में टिहरी रियासत के अंतिम राजा मानवेंद्र शाह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े और सांसद बने। 1962 व 67 के चुनाव भी कांग्रेस ने जीते और जीत की हैट्रिक बनाई।
- वर्ष 1971 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट से परिपूर्णानंद पैन्यूली टिहरी विजयी हुए। 1977 के चुनाव में देश भर में चली बदलाव की बयार के साथ ही त्रेपन सिंह नेगी जनता पार्टी से सांसद निर्वाचित हुए। 1980 के चुनाव में त्रेपन सिंह नेगी कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीत हासिल की। 1984 व 89 में कांग्रेस से ब्रहमदत्त लगातार निर्वाचित हुए। इसके बाद फिर से राजशाही परिवार ने चुनाव लड़ने का मन बनाया। भाजपा ने 1991 में परिवार के मानवेंद्र शाह को चुनाव मैदान में उतारा। उनकी बड़ी जीत से भाजपा का खाता खुला। इसके बाद मानवेंद्र शाह 96,98, 99 और 2004 के चुनाव में लगातार विजयी हुए।
- साल 2007 में इस सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस के विजय बहुगुणा सांसद बने। 2009 में भी विजय बहुगुणा जीते। उनके मुख्यमंत्री बनने पर इस सीट पर 2012 में उपचुनाव हुआ। जिसमें भाजपा प्रत्याशी राजशाही परिवार की माला राज्य लक्ष्मी शाह पहली बार सांसद निर्वाचित हुईं।

2019 में चुनाव की स्थिति

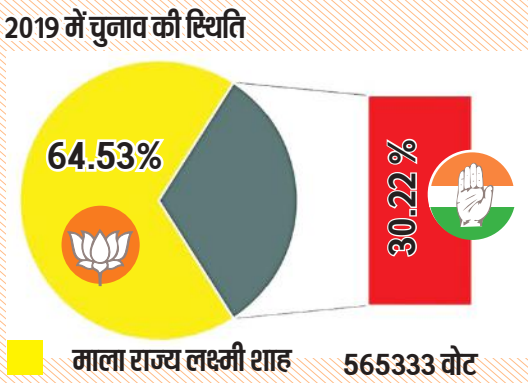

माला राज्य लक्ष्मी शाह 565333 वोट
प्रीतम सिंह 264747 वोट

2014 में हुए चुनाव की स्थिति

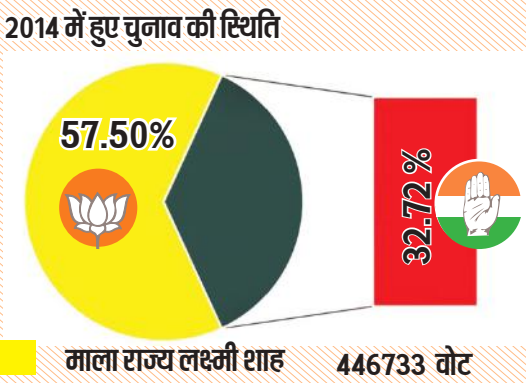

माला राज्य लक्ष्मी शाह 446733 वोट
साकेत बहुगुणा 254230 वोट

रायबरेली से चुनाव लड़ सकतीं हैं प्रियंका गांधी, अमेठी में संशय बरकरार

दिलीप सिंह, रायबरेली

15 अप्रैल के बाद कांग्रेस कर सकती है उनके नाम की घोषणा

इंदिरा गांधी।

सोनिया गांधी।

प्रियंका गांधी।

▸▸ गांधी- नेहरू परिवार की परंपरागत सीट है रायबरेली

▸▸ बाबा, दादी और मां यहीं से जीत कर पहुंचे संसद

अमृत विचार : गांधी परिवार के गढ़ रायबरेली में 'दादी' और 'मां' की राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए 'बेटी' का आना लगभग तय माना जा रहा है । इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी के चुनावी क्षेत्र से प्रियंका गांधी की राजनीति में 'इंट्री' हो सकती है।

1967 में इंदिरा गांधी व 2004 में सोनिया गांधी के बाद 2024 में गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत संभालने प्रियंका गांधी के आने की पूरी संभावना है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर पार्टी के उच्चस्तरीय संगठन में इस पर चर्चा हो चुकी है। उम्मीद है कि 15 अप्रैल के बाद उनके नाम की घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही रायबरेली में एक बड़ी रैली करने की तैयारी भी चल रही है। रायबरेली से गांधी परिवार का काफी पुराना रिश्ता है। यहां से कई सदस्य लोकसभा पहुंच चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इस सीट से दो बार सांसद रहीं, जबकि सोनिया गांधी इस सीट से चार बार संसद पहुंचीं। स्वास्थ्य कारणों के चलते इस बार सोनिया गांधी ने राज्यसभा का रुख कर लिया। वह राजस्थान से राज्यसभा सदस्य चुनी गई हैं। इसके बाद अटकलें तेज हो गई थीं कि अब रायबरेली से चुनाव कौन लड़ेगा। पार्टी का जिला संगठन और समर्थक प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने की मांग करते रहे हैं। इसको लेकर दिल्ली तक पहुंचे और अपनी बात रखी।

उम्मीदवारी को लेकर स्थिति साफ

रायबरेली से उम्मीदवारी को लेकर अब स्थिति लगभग साफ हो रही है। सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों दिल्ली में हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई। संगठन के उच्च पदाधिकारी ने प्रियंका को रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारने की बात रखी। सूत्रों का दावा है कि अब पार्टी इसके लिए तैयार हो गई है। बताया जाता है कि 15 अप्रैल के बाद कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची आएगी और इसमें उनके नाम की घोषणा हो सकती है।

1967 में इंदिरा गांधी आईं थी रायबरेली

1967 में इंदिरा गांधी ने रायबरेली सीट से चुनावी राजनीति में कदम रखा था। उस समय कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा गांधी ने निर्दलीय प्रत्याशी बीसी सेठ को 91,703 वोट से हराया था।

2004 में आई थी सोनिया गांधी

2004 के चुनाव में सोनिया गांधी ने अमेठी सीट राहुल गांधी के लिए छोड़कर रायबरेली आई। सोनिया गांधी ने सपा के अशोक कुमार सिंह को हराकर 2,49,765 वोटों से भारी अंतर से चुनाव जीता था।

कांग्रेस ने अमेठी में 13 बार की है जीत दर्ज

रमन पाण्डेय, अमेठी

अमृत विचार : अमेठी लोकसभा सीट पिछले पांच दशक से हाट सीट रही है। यहां राजनीति के कई सूरमा हारे हैं। कांग्रेस ने इस सीट पर अब तक तेरह बार जीत हासिल की है और भाजपा ने दो बार। कांग्रेस जब भी चुनाव हारी है कम वोटों से हारी है। दो बार भाजपा की जीत कम वोटों से हुई है। 2009 के लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस और बसपा के बीच जीत का अंतर सबसे अधिक रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने बसपा प्रत्याशी आशीष शुक्ला को 370798 मतों के अंतर से चुनाव हराया था। 2006 में कांग्रेस छोड़ कर बसपा में गये हाट सीट के हार्ड लीडर के रूप में चर्चित आशीष शुक्ला इस समय कांग्रेस में है और गांधी परिवार के चुनाव न लड़ने पर एक बार फिर मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अमेठी में भाजपा प्रत्याशी और निवर्तमान सरकार में केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी लगातार कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बराबर सम्पर्क में हैं। स्मृति के निर्देश पर कार्यकर्ता लाभार्थी सम्पर्क अभियान के जरिए घर घर जा रहे हैं, उधर बसपा और कांग्रेस के प्रत्याशी के विषय में संशय की स्थिति अभी भी बरकरार है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि वायनाड का चुनाव होने के बाद राहुल गांधी की पूरी टीम अमेठी आ जाएगी। बसपा कांग्रेस के प्रत्याशी के घोषित होने के बाद अपने पत्ते खोलेगी।अमेठी लोकसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आई। पहले चुनाव में कांग्रेस के विद्याधर बाजपेई ने जनसंघ के गोकुल प्रसाद पाठक को 3665मतों के अंतर से हराया। लोक सभा चुनाव के इतिहास में कांग्रेस की जीत का सबसे कम मार्जिन यही रहा है। 1967से अब तक हुए 16चुनावों में दो उपचुनाव भी शामिल हैं,ये उपचुनाव 1981और1991में संजय गांधी और राजीव गांधी के असामयिक निधन से हुए थे। कांग्रेस तेरह बार चुनाव जीत चुकी है।1984,1999 और 2009 के चुनाव में कांग्रेस की जीत का अंतर तीन लाख से अधिक रहा है, जबकि 1981और1989में कांग्रेस ने दो लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की थी।1977 में बी के डी से कोंहरा स्टेट के रवीन्द्र प्रताप सिंह ने संजय गांधी को 75844 मतों से हराया था।1980 में संजय गांधी ने रवीन्द्र प्रताप सिंह को 128545मतों से हराकर हार का बदला ले लिया परंतु ईश्वर को उनकी लम्बी राजनीति शायद मंजूर नहीं थी, विमान दुर्घटना में संजय गांधी की मौत हो गई। विमान दुर्घटना के मामले में तत्कालीन अखबार नवीसों की ओर से तमाम खबरें चलाने के बाद भी रहस्य से पर्दा नहीं उठ पाया और आज भी लोग संजय गांधी की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं करते हैं।

अमेठी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित करने में देरी

अमेठी। लोकसभा अमेठी सीट से जहां भाजपा आलाकमान द्वारा एक बार फिर स्मृति ईरानी पर जीत का भरोसा जताते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है तो वही अभी तक कांग्रेस पार्टी द्वारा अमेठी सीट से अपना पत्ता नहीं खोला गया है। जबकि कांग्रेसी कार्यकर्ता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से यहाँ चुनाव लड़ने की लगातार मांग करते चले आ रहे हैं।

जीत सुनिश्चित करने के लिए जुटीं स्मृति ईरानी

अमेठी। भाजपा आलाकमान द्वारा एक बार फिर अमेठी सीट से प्रत्याशी बनाये जाने के बाद अमेठी की पूर्व सांसद भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी लगातार अमेठी दौरे पर है लोकसभा क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों से मुलाकात व भाजपा कार्यकर्ताओं के सुख-दु:ख में शामिल हो रही हैं। साथ ही जनपद स्तर पर भाजपा के बड़े-बड़े सूरमाओं को अमेठी में हार का मुंह देखना पड़ा है।

जेठ के सामने बुरी तरह हारीं मेनका गांधी

अमेठी। 1999 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भाजपा प्रत्याशी डॉ संजय सिंह को 300012 मतों के अंतर से हराया था। 2009 के अपने दूसरे चुनाव में राहुल गांधी ने बसपा प्रत्याशी आशीष शुक्ला को 370798 मतों से हराकर बड़ी जीत हासिल की।1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद राष्ट्रीय संजय विचार मंच की प्रत्याशी के रूप में मेनका गांधी ने विरासत की जंग लड़ीं, किंतु जेठ के मुकाबले बुरी तरह चुनाव हार गई, उन्हें राजीव गांधी के 365041के मुकाबले 50163 मत ही मिल पाए। उन्हे चुनाव हराने में उन्हीं लोगों की खास भूमिका रही जो कभी संजय गांधी के खास सिपहसालार हुआ करते थे।

स्मृति ने बदल दी अमेठी में राजनीति की परिभाषा

अमेठी। लोकसभा चुनाव में जीत हार के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, परंतु इतना तय है कि 2014 में चुनाव हारने के बाद भी अमेठी न छोड़ने और जनता के बीच बराबर बने रहकर स्मृति ने अमेठी की राजनीति की परिभाषा बदल दी है। राहुल गांधी ने चुनाव हारने के बाद अमेठी से दूरी बना ली, परंतु स्मृति ने ठीक उल्टा किया और जनता के बीच बराबर बनी रहीं, विकास के काम भी लगातार कर रही हैं, यह चर्चा हर गांव में मतदाताओं के बीच है।

असली गांधी और नकली गांधी की लड़ाई में कांग्रेस ही जीती

अमेठी। राजीव गांधी के मुकाबले विपक्ष ने साझा उम्मीदवार के रूप में जनता दल से महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी को चुनाव लड़ाया । असली गांधी और नकली गांधी की चर्चा खूब चली, परंतु विपक्ष का सिक्का नहीं चल पाया और राजीव गांधी तीसरी बार दो लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज कर सांसद बने। 1989 में राजीव गांधी के मुकाबले बसपा संस्थापक कांशीराम भी चुनाव लड़ें, बसपा की जमानत नहीं बची, परंतु इसी लोकसभा चुनाव से बसपा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में सुर्खियों में आ गई।1989मे बसपा के उत्तर प्रदेश और पंजाब से तीन सांसद चुने गए थे।

राजनीति में आए तो सीरियल के राम अरुण गोविल को आई याद

..जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

17 साल की उम्र में ही मेरठ छोड़ मुंबई गए, रामानंद के रामायण सीरियल से मिली खास पहचान

मेरठ से भाजपा सांसद का टिकट काटकर प्रत्याशी बनाये गये अरुण गोविल की राह आसान नहीं

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: अपि च स्वर्णमयी लंका, लक्ष्मण मे न रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। कुछ ऐसा ही गर्व अब रामानंद सागर के रामायण सीरियल के 'राम' यानि अरुण गोविल को मेरठ से प्रत्याशी बनने के बाद महसूस हो रहा है। वे जब 17 साल की उम्र में ही मेरठ छोड़कर मुंबई गए थे, तो सोचा भी नहीं होगा कि एक दिन राजनीति में कॅरियर के लिए यहीं की मिट्टी काम आएगी। लेकिन सपा ने घेरने के लिए अपने सरधना से युवा विधायक अतुल प्रधान पर दांव लगाकर घेरने में पूरी ताकत लगा दी है। बसपा का समीकरण दोनों को नफा-नुकसान देता दिख रहा है।

72 वर्षीय अरुण गोविल राजनीति के कुशल चितेरे होते तो 34 साल पहले ही सांसद बन गए होते। भारत के छठे प्रधानमंत्री राजीव गांधी (1984-1989) ने उन्हें ऑफर दिया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था, लेकिन कांग्रेस में शामिल होकर प्रचार जरूर किया। उस दौर में राजीव गांधी की हैसियत आज के नरेंद्र मोदी से कहीं ज्यादा सशक्त थी। राजनीतिक इतिहास में इंदिरा गांधी के निधन से उपजी सहानुभूति लहर में रिकार्ड लोकसभा सीटें जीतकर वे प्रधानमंत्री बने थे। राजीव गांधी ने सरकारी टीवी चैनल दूरदर्शन पर रामायण चलवाने के लिए अपने सूचना और प्रसारण मंत्री तक को बदल दिया था। हालांकि रामायण सीरियल का पहला एपिसोड 25 जनवरी 1987 को प्रसारित होते ही देशभर में छा गया। चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राज्य की 80 में से करीब 19 सीटें हैं। भाजपा ने अपने तीन बार के सांसद रहे राजेंद्र अग्रवाल का टिकट काटकर अरुण गोविल को प्रत्याशी बनाया है। वे 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे। अग्रवाल साल 2009 से लगातार मेरठ सीट से जीत रहे हैं। साल 2019 में बसपा के हाजी याकूब कुरैशी को 4,729 वोटों के मामूली अंतर से हराया था। हालांकि 2014 के चुनाव में उनकी जीत का अंतर 2.32 लाख वोटों से अधिक था, तब बसपा के मोहम्मद शाहिद अखलाक को हराया था। पिछली बार जीत का अंतर कम होने से ही टिकट काटकर अरुण गोविल की 'राम' वाली छवि भुनाने की भाजपा कोशिश कर रही है।

अरुण गोविल अब 55 साल बाद वापस मेरठ शहर आकर अपने भावनात्मक संबंधों को भुनाने में जुटे हैं। उनका कहना है कि यहीं पैदा हुआ और जीवन के शुरुआती 17 साल इसी शहर में बीते। मंगलवार को नामांकन के साथ प्रचार में भी जन्मभूमि की यादें खूब छलक रही है। उम्मीद है कि रील लाइफ के अलावा रियल लाइफ में भी मतदाता 'राम' की तरह सम्मान देते हुए नजर आएंगे और रुझान वोट में तब्दील होगा। उनकी शादी बॉलीवुड अभिनेत्री रहीं श्रीलेखा से हुई है। उनके दो बच्चे बेटा अमल और बेटी सोनिका हैं। बेटा अमल के दो पुत्र हैं, यानी वे दादा भी बन चुके हैं।

सीता व रावण को भी चुनाव लड़ा चुकी है भाजपा

दीपिका चिखलिया।

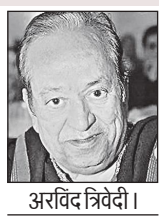
अरविंद त्रिवेदी।

टीवी सीरियल 'रामायण' में राम की मुख्य भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल से पहले भाजपा 'सीता' और 'रावण' को भी चुनाव लड़ा चुकी है। राम मंदिर आंदोलन के दौरान 1991 के लोकसभा चुनाव में दोनों को गुजरात से मैदान में उतारा गया था। हालांकि 26 साल की दीपिका को राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। मगर रामायण की सीता को चुनाव में देखकर भीड़ उमड़ रही थी, महिलाएं उनके पैर छूने को आतुर रहतीं। नतीजा रहा कि वडोदरा में कांग्रेस का किला ढह गया। इस सीट पर पहली बार भाजपा को जीत मिली। दीपिका को 49 .98 फीसदी वोट मिले। जबकि लंकेश के नाम से चर्चित अरविंद त्रिवेदी ने साबरकांठा से अपना पहला चुनाव जीता था। 1996 के चुनावों में वह गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री अमर सिंह चौधरी की पत्नी और कांग्रेस प्रत्याशी निशा चौधरी से हार गए थे।

निर्दलीय चुनाव लड़कर जीते थे रामसेवक

65 अन्य निर्दलियों ने भी आजमायी किस्मत, मिली निराशा

रीतेश श्रीवास्तव, बाराबंकी

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में बाराबंकी लोकसभा सीट से निर्दल प्रत्याशियों ने जोर आजमाइश खूब की, लेकिन 1957 के चुनाव में रामसवेक यादव ही ऐसे एक मात्र सांसद चुने गए जिन्होंने निर्दलीय के रुप में चुना लड़ा, और जीत हासिल की थी। इसके बाद अभी तक किसी निर्दलीय को सफलता नहीं मिल सकी। अभी तक इस सीट से 65 निर्दल उम्मीदवार किस्मत आजमा चुके हैं। इनमें से अधिकतर को वोट के लिए भी तरसना पड़ा। यहां 1951 के चुनाव में सबसे पहले निर्दल उम्मीदवार के तौर पर प्रभु दयाल ने चुनावी अखाड़े में ताल ठोंकी। प्रभू दयाल 18,493 मत पाकर 11वें स्थान पर रहे थे। इसके बाद 1957 में दो निर्दल उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई। इनमें रामसवेक यादव ने शानदार जीत हासिल की। इन्हें 1,89,600 मत हासिल कर कांग्रेस के स्वामी रामानंद को 31330 वोटों से हराया था। दूसरे निर्दलीय उम्मीदवार रहे नन्हेलाल चौथे स्थान पर रहे थे। आरएस यादव के निर्दलीय के रुप में संसद पहुंचने के बाद आज तक मतदाताओं ने किसी भी निर्दलीय प्रत्याशी पर भरोसा नहीं जताया है। सन् 1962 और 1967 के चुनाव में कोई भी निर्दललीय प्रत्याशी नहीं था।

1971 में दो निर्दल चुनाव लड़े। इनमें पार्वती 7591 मतों के साथ चौथे और अब्दुल रहमान 3876 मत के साथ पांचवे स्थान पर रहे। 1977 में तीन निर्दल मैदान में उतरे। इनमें बैजनाथ रावत ने 8938 मत पाकर चौथा, 2485 मत पाकर पोखई पांचवें तो विश्राम लाल 1655 मतों के साथ छठे स्थान पर रहे थे। 1980 में दो निर्दलीयों में से 4489 मत पाने वाले रामफल चौथे तो 2638 मत पाकर पोखई पांचवें नंबर पर रहे। 1984 में चार निर्दलीय चुनावी महासमर में उतरे। इनमें से छेदालाल को 8138, रामसरन को 6138, कमला को 5657 और टीकाराम को 3884 मत हासिल कर क्रमशः पांचवें, छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे थे। 1989 में तीन और 1991 में चार निर्दललीय प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई, लेकिन कोई भी टॉप थ्री में जगह नहीं बना सका। 1996 में अब तक के चुनावों में सबसे अधिक 18 निर्दलीय प्रत्याशियों ने दम दिखाने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। 1998 में तीन निर्दलीय में से मोती लाल 2471 मत पाकर सातवें तो 2125 मत के साथ रामनरेश आठवें और मात्र 436 मत पाने वाले राममनोरथ 12 वें स्थान पर रहे। 1999 में आधा दर्जन निर्दलीय, 2004 में चार व 2009 में छह निर्दल प्रत्याशी चुनाव लड़े। इनमें से कोई टॉप फाइव में जगह नहीं बना सका। इसी कड़ी में 2014 के चुनाव में तीन निर्दलीय ने किस्मत आजमाया। वहीं सांसद बनने की हसरत में तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने 2019 के महासमर में भी किस्मत आजमाई। जीतना तो दूर कोई अधिकतर जमानत भी नहीं बचा पाए।

हर निर्दलीय ने छुआ तीन अंकों का आंकड़ा

निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में आरएस यादव के अलावा बाराबंकी संसदीय सीट पर भले आज तक किसी ने जीत नहीं दर्ज कर सका, लेकिन अब तक मैदान में उतरे हर निर्दलीय ने मत हासिल करने में तीन अंकों का आंकड़ा जरूर छुआ है। सबसे कम मत पाने वाले निर्दलीय उम्मीदवार राजनरेश रहे हैं। जिन्हें1998 के चुनाव में मात्र 436 मत ही मिले।

निर्दलीय लड़ कागजों पर छोड़ गए छाप

चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जोर आजमाइश तो खूब की, लेकिन टॉप थ्री में एक को छोड़ अन्य कोई जगह बना सका। हां इतना जरुर रहा है कि इन प्रत्याशियों के नाम जरुर कागजों के साथ इतिहास के पन्नों में जरुर इनका नाम अर्जित हो गया। आज भी इन सभी के नाम व प्राप्त मतों के आंकड़े भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाइट पर दर्ज हैं।

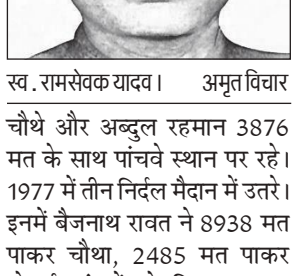
स्व. रामसेवक यादव। अमृत विचार

महासंग्राम-2024 | ईंट भट्ठे के व्यवसाय से संसद की ड्योढ़ी तक जमाया पांव, 1989 में बलरामपुर सीट से निर्दलीय लड़कर जीते थे चुनाव

खौफ का दूसरा नाम बन गए थे सांसद फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

अमृत विचार: गोंडा के एक छोटे से गांव में जन्मे फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां के राजनीतिक सफर की कहानी भी खूब दिलचस्प है। राजनीति का ककहरा तक की जानकारी न होने के बावजूद राजनीतिक शिखर तक चढ़ना किसी कहानी से कम नहीं है। राजनीतिक सफर शुरू करने के बाद संसद की ड्योढ़ी तक पहुंचने वाले मुन्नन खां एक समय खौफ के पर्याय बन गए थे। उनके ऊपर कई गंभीर आरोप भी लगे, लेकिन राजनीतिक संरक्षण का लाभ उन्हें भी मिला। ।

हम बात कर रहे हैं बलरामपुर से सांसद रहे फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां की। गोंडा जिले के कटरा विधानसभा क्षेत्र के हलधरमऊ ब्लाक के हलधरमऊ गांव के निवासी मुन्नन खां एक शुद्ध व्यवसायिक थे। 1980 के दशक में मुन्नन खां व उनके बहनोई इबरार खां ने मिलकर ईंट भट्ठे का व्यवसाय शुरू किया। व्यवसाय का रंग चोखा होता गया और इस व्यवसाय के कारण ग्राम प्रधानों से उनके बेहतर संबंध होते गए। लेकिन राजनीति का ककहरा उन्हें नहीं मालूम था।

कटरा बाजार के गौरवा जानीपुर के पूर्व ग्राम प्रधान जसवंत लाल मिश्र कहते हैं कि वर्ष 1974 में कटरा बाजार के पूरेबदल गांव के बाबू दीपरायन पांडेय कांग्रेस के टिकट से विधानसभा चुनाव में उतरे। वह जीत गए। इसके बाद 1977 में जनता पार्टी से चुनाव जीते। वर्ष 1985 में लोकदल से उन्हें पुनः टिकट देने की पेशकश की गई। लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता होने के कारण उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। अपने स्थान पर पंडित दीप नरायन पांडेय ने हलधरमऊ गांव के फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां के लिए टिकट की मांग की। पार्टी इस पर तैयार नहीं हुई लेकिन दीप नरायन पांडेय एक बड़े नेता थे और उनकी गारंटी पर मुन्नन खां को टिकट दे दिया गया। दीप नरायन पांडेय के साथ की पूरी मशीनरी मुन्नन खां के साथ लग गई और यह चुनाव मुन्नन खां जीत गए। यहीं से मुन्नन खां का राजनीतिक सफर शुरू हुआ।

विधायक बनने के साथ मुन्नन खां मुस्लिम विरादरी के सिरमौर बन गए और 1989 में वह बलरामपुर सीट से निर्दल प्रत्याशी के रूप में सांसदी का चुनाव लड़ गए। उतरौला सहित कई विधानसभा में मुस्लिम का बड़ा चेहरा होने के कारण फसीउर रहमान निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीत गए। हाईस्कूल तक की शिक्षा और टेढ़े मिजाज के चलते वह संसद में जनता के हक की आवाज तो नहीं उठा पाए लेकिन अपने समाज में वह बहुत तेजी से आगे बढ़ गए।

अतीत के झरोखे से

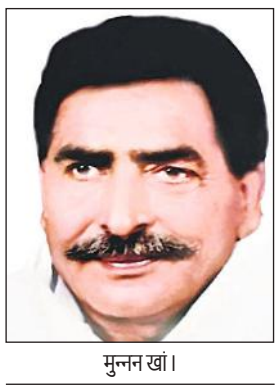
मुन्नन खां।

मुन्नन खां पर जब लगे बेहद गंभीर आरोप

समाचारपत्रों में उनके कारनामे तक छापे गए। उनके चाहने वाले उन्हें सिर आंखों पर बैठाते थे और उन्हें शेर-ए-मुन्नन की संज्ञा तक दी गई। लेकिन 1990 राम आंदोलन में कारसेवकों पर हुई कार्रवाई में उनका नाम लिया गया। बलरामपुर में वीरविनय चौक के पास एक मंदिर की भूमि पर कब्जे का आरोप लगा तथा इतना ही नहीं उन्होंने एसडीएम का अपहरण कर लिया। लेकिन मनकापुर कोल्हार गांव के ठाकुरों ने मुन्नन खां की जीप को रेहरा व मनकापुर के बीच रोक लिया। धर्मेंद्र सिंह उर्फ झिनकन सिंह ने बताते हैं कि जब सूचना ग्रामीणों को मिली तो किसी ने अपनी साइकिल तो किसी ने बैलगाड़ी खड़ी कर उनके वाहन को रोक लिया। जब तक वह कोई एक्शन लेते तब तक एक होमगार्ड ने उनके हाथ पर लाठी चला दिया। जिससे एसडीएम को आजाद करा लिया गया। कई गंभीर आरोप के बावजूद मुन्नन खां प्रदेश के कई नेताओं के बहुत करीबी थे। बड़े नेताओं का वरदहस्त प्राप्त होने के कारण उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। बहरहाल आरोप तो आरोप थे लेकिन वह एक ऐसे सांसद थे जिन्हें खौफ का दूसरा नाम तक कहा जाता था। यह भी था कि यदि वह किसी की मदद करते थे तो बेइम्तहा। शेर-ए-मुन्नन का निधन बीमारी के चलते 2009 में हो गया।

चुनावी इतिहास में पहले निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे मुन्नन

बलरामपुर (अब श्रावस्ती) सीट पर 17 बार सांसद चुने गए। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, राष्ट्र ऋषि की उपाधि पाने वाले नाना जी देशमुख, सुभद्रा जोशी जैसी कद्दावर नेता जिस सीट को जीत कर गरिमा कायम किया। इतना ही नहीं 17 चुनावों में 16 बार केवल दलीय उम्मीदवार ही जीतते रहे लेकिन फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां ही एक ऐसे निर्दलीय उम्मीदवार थे जिन्होंने जीत कर इतिहास रच दिया था।

बलरामपुर सीट से संसद की इयोढ़ी तक जाने वाले सांसद

1952	वैरिष्टर हैदर अली रिजवी	कांग्रेस
1957	अटल विहारी बाजपेयी	जनसंघ
1962	सुभद्रा जोशी	कांग्रेस
1967	अटल विहारी बाजपेयी	जनसंघ
1971	चंद्रभाल मणि तिवारी	कांग्रेस
1977	नानाजी देशमुख	जनसंघ
1980	चंद्रभाल मणि तिवारी	कांग्रेस
1984	दीप नरायन वन	कांग्रेस
1989	फसीउर रहमान उर्फ मुन्नन खां	निर्दल
1991	सत्यदेव सिंह	भाजपा
1996	सत्यदेव सिंह	भाजपा
1998	रिजवान जहीर	सपा
1999	रिजवान जहीर	सपा
2004	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
2009	विनय कुमार पांडेय (श्रावस्ती)	कांग्रेस
2014	दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती)	भाजपा
2019	राम शिरोमणि (श्रावस्ती)	बसपा

फिर समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा हुआ महान दल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी को एक बार फिर महान दल का साथ मिल गया है। लोकसभा चुनाव में दो सीट भी महान दल को देने पर सहमति बनी है। दोनों सीटों पर महान दल के उम्मीदवार सपा के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। मंगलवार को सपा को फिर से समर्थन देने की घोषणा करते हुए महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ था और रहूंगा। लोकसभा चुनाव में गठबंधन मजबूती से लड़ेगा।

सपा के मीडिया सेल द्वारा इस संबध में सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी में लिखा गया, केशव देव मौर्या ने अखिलेश यादव की पीडीए के पक्ष में जारी लड़ाई को देखते हुए बिना शर्त समर्थन दिया और भाजपा के विरुद्ध जारी संग्राम में एक आहुति देने की घोषणा की है। पोस्ट में आगे लिखा गया, ये लड़ाई बड़ी है और इस लड़ाई में अपने निजी स्वार्थ, शर्तें, ब्लैकमेलिंग के बिना जो भी सपा के साथ खड़ा है उस सबका स्वागत है। इस वक्त हम सबका एक ही उद्देश्य है कि दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक विरोधी भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकना है और इस लड़ाई में जो भी सच्चे हृदय, ईमानदारी से साथ है उसे पार्टी साथ लेकर चलेगी।

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद महान दल ने सपा से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद सपा ने केशव देव को विधानसभा चुनाव से पहले गिफ्ट में दी गई फारर्च्यूनर कार वापस ले ली थी। सपा ने विधानसभा चुनाव में केशव की पत्नी और बेटे को सपा के चुनाव चिह्न साइकिल पर चुनाव लड़ाया गया था, हालांकि दोनों हार गए थे।

▸▸ सपा के निशान पर दो सीटों पर लड़ेगा चुनाव

सपा अपने चुनाव चिन्ह पर महान दल के उम्मीदवारों को लड़ाएगी। मेरी नाराजगी स्वामी प्रसाद मौर्य से थी न कि अखिलेश यादव से। अब स्वामी प्रसाद सपा का हिस्सा नहीं हैं इसलिए हम वापसी कर रहें हैं।

-केशव देव मौर्य

प्रधानमंत्री की आज 10 सीटों पर होगी नमो रैली

लखनऊ, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार 3 अप्रैल को उत्तर प्रदेश में तीसरे फ़ेज़ के चुनाव के तहत आने वाली 10 लोकसभा सीटों के सभी बूथों पर नमो ऐप के माध्यम से होने वाली डिजिटल नमो रैली को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वह कुछ बूथ अध्यक्षों से बात भी करेंगे।

जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि तीसरे चरण में संभल, बदायूँ, बरेली, आँवला, एटा, हाथरस, आगरा, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद और मैनपुरी में 7 मई को मतदान होंगे। इन सभी लोकसभा सीटों के 22 हजार 648 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो ऐप के माध्यम से 3 अप्रैल को दोपहर एक बजे कार्यकर्ताओं से जुड़ेंगे। राय ने बताया कि नमो रैली में बूथ समिति के सदस्य और पन्ना प्रभारियों को प्रधानमंत्री संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश, क्षेत्र और ज़िले के पदाधिकारी भी अपने बूथों पर जाकर इस नमो रैली में जुड़ेंगे। बताया कि स्वयं बात भी करेंगे और पार्टी की गतिविधियों की जानकारी भी लेंगे।

एक के बाद एक आठ सीट के प्रत्याशियों में बदलाव, कहीं दबाव तो कहीं सामने उम्मीदवार देख बदली चाल

चेहरे पर चेहरे बदल रहे सपा प्रमुख अखिलेश, वजह राजनीति या रार

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार : आखिर अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व घोषित उम्मीदवारों में एक के बाद एक क्यों बदलाव कर रहे हैं? उनपर क्षेत्रीय गुटबंदी का दबाव है, प्रत्याशी को लेकर अविश्वास है, खुद का आत्मविश्वास डगमगाया हुआ है? या फिर अन्य दलों खासकर भाजपा प्रत्याशी के सामने आने पर किसी रणनीति के तहत बदलाव कर रहे हैं? एक के बाद एक समाजवादी पार्टी के मुखिया अब तक आधा दर्जन से ज्यादा अपने उम्मीदवारों के चेहरे बदल चुके हैं। सूत्र बता रहे हैं कि इस लिस्ट में और भी नाम हैं।

जिन लोकसभा सीटों के प्रत्याशी बदले उनमें रामपुर, मुरादाबाद, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, बागपत, मिश्रिख, बदायूं, बिजनौर शामिल है। खासकर रामपुर और मुरादाबाद में सपा का प्रत्याशी बदलना चर्चा में रहा। दोनों ही लोकसभा सीट पर ठीक नामांकन वाले दिन एक नये प्रत्याशी ने सामने आकर नामांकन कर दिया। रामपुर में मो. आजम और अखिलेश यादव के बीच उम्मीदवार को लेकर राजनीतिक अदावत जगजाहिर हुई। यहां मो. आजम खां अपने करीबी उम्मीदवार के लिए बकायदा विरोध दर्ज कराया जिससे अखिलेश नाराज भी हुए। ऐन वक्त पर उन्होंने रामपुर से नामांकन के लिए दिल्ली से जामा मस्जिद के इमाम मोहिबुल्लाह नदवी को बुलाया। वहीं, दबाव बनाने को रामपुर के सपा जिलाध्यक्ष असीम रजा ने भी एक नामांकन भर दिया, जो बाद में खारिज हो गया। बहरहाल, ऐसी ही नाटकीय स्थिति मुरादाबाद में भी नामांकन के आखिरी दिन देखने को मिली। एक दिन पहले ही सांसद एसटी हसन ने बतौर सपा उम्मीदवार पर्चा भर कर दिया था। फिर अगले दिन अचानक अधिकृत उम्मीदवार के रूप में रुचि वीरा का नाम सामने आ गया। एसटी हसन के समर्थकों ने इसका विरोध प्रकट करते हुए प्रदर्शन भी किया था।

देखा जाए तो अखिलेश ने प्रत्याशी बदलने की शुरुआत अपने ही परिवार से की। बदायूं सीट से पहले धर्मेंद्र यादव को टिकट दिया था, फिर यह सीट शिवपाल यादव को सौंप दी गई। वहीं, बिजनौर सीट से पहले यशवीर सिंह को टिकट दिया था । बाद में जब एक और सूची सामने आयी तो आई तो यशवीर सिंह की जगह दीपक सैनी का नाम सार्वजनिक हुआ। उधर, गौतमबुद्धनगर सीट को लेकर भी सपा दिग्भ्रमित रही। पार्टी ने शुरुआत में यहां से राहुल अवाना को अपना उम्मीदवार चुना। बाद में उन्हें हटाते हुए महेंद्र नागर को चुनाव मैदान में उतार दिया। ऐसी की स्थिति मिश्रिख सीट पर भी देखने को मिली। सपा ने इस सीट पर पहले रामपाल राजवंशी को टिकट दिया था । बाद में उनका टिकट कटा और बेटे मनोज राजवंशी को मिल गया। यहीं पर तीसरी बार प्रत्याशी बदलते हुए पार्टी ने मनोज की पत्नी संगीता राजवंशी को अपना प्रत्याशी बना दिया। अब ताजा बदलाव मेरठ सीट पर हुआ है। सपा ने पहले मेरठ सीट पर भानु प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया था। बदलाव करते हुए अतुल प्रधान को टिकट दिया गया।

अलग-अलग कारणों से टिकटों के फेरबदल : माना जा रहा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव कोई एक राजनीतिक रणनीति नहीं अलग-अलग कारणों से टिकटों के फेरबदल कर रहे हैं। जैसे बदायूं में सलीम शेरवानी के अलग हो जाने के बाद शिवपाल के मुस्लिम वर्ग में अच्छे रिश्तों के कारण, रामपुर में मो. आजम के दबाव वाली राजनीति से उबरने के लिए, मुरादाबाद में पहले वाले उम्मीदवार का लोकल फीडबैक लेकर, मिश्रिख में पहले घोषित उम्मीदवार रामपाल के व्यक्तिगत कारणों को देखते हुए और मेरठ में भाजपा से खड़े रामायण सीरियल में भगवान राम की भूमिका अदा करने वाले अरुण गोविल से मुकाबला कर सकने वाले उम्मीदवार को लाने के तहत बदलाव किए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ऐन लोकसभा चुनाव से पूर्व रालोद जैसी पार्टी के गठबंधन टूटने से दबाव में तो हैं। हालांकि कांग्रेस का साथ पाकर तनिक राहत जरूर है फिर भी चुनाव आयोग की सख्ती, समय के साथ आर्थिक बंदिशें, सत्तासीन दल का दबाव, निरंतर सहयोगियों से हो रहे अलगाव ने उन्हें चिंतित कर रखा है। इन सभी कारणों के साथ गठबंधन की सभी सीट पर उम्मीदवारों का चयन एक कठिन चुनौती है। इतना ही नहीं कांग्रेस को भी दी गई मात्र 17 सीटों में से कुछ पर सपा प्रमुख को ही उम्मीदवार देने की जुगत लगानी पड़ रही है। फिर भी टिकटों में बदलाव करने की वजह जो भी हो, निशाना लगाने वाले पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं।

बदायूं सीट: मैं वापस लेता हूं अपना नाम, बेटे को लड़ाओ चुनाव: शिवपाल

बबराला/संभल, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी को एक बार फिर बदायूं लोकसभा सीट पर बदलाव करना पड़ सकता है। वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव यहां से उम्मीदवार है। दरअसल, सपा से जारी उम्मीदवारों की पहली सूची में बदायूं से अखिलेश के चचेरे भाई धर्मेन्द्र यादव का नाम था जिसमें बदलाव करते हुए बाद में शिवपाल को यह सीट सौंप दी गई। उधर, शिवपाल यादन नेअपनी जगह बेटे आदित्य यादव को चुनाव मैदान में उतारने के लिए पूरा माहौल बना दिया है। गुन्नौर में सपा कार्यकर्ताओं ने आदित्य को चुनाव लड़ाने की मांग उठाई तो शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मांग है तो मैं अपना नाम वापस लेता हूं लेकिन आखिरी फैसला पार्टी नेतृत्व को लेना है।बबराला में शिवपाल ने कहा कि बदायूं, बिसौली, संभल व सहसवान के कार्यकर्ता सम्मेलनों में भी आदित्य को चुनाव लड़ाने की मांग उठी है। शिवपाल यादव ने कहा कि हम बुजुर्ग हो चुके हैं और सभी कह रहे हैं कि आदित्य को प्रत्याशी बनाओ तो अब सब लोग आदित्य को ही लड़ाओ। मैं अपना नाम वापस लेता हूं। हालांकि इस पर फैसला पार्टी नेतृत्व ही लेगा। पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि मैंने अपनी सीट आदित्य यादव को छोड़ दी है। दावा किया कि सपा बदायूं सीट बड़े अंतर से जीतेगी।

चाचा के लिए काम करने में थोड़ी हिचक रहती: धर्मेंद्र यादव

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव के बदायूं की सीट छोड़ने की चर्चा के बाद सपा नेता व पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। गुन्नौर में आयोजित एक कार्यक्रम में धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हम सभी समाजवादी परिवार के हैं, हम सपा और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के हाथ को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि चाचा शिवपाल के लिए काम करने में थोड़ी हिचक रहती, लेकिन आदित्य के लिए हम और ज्यादा काम करेंगे। हम बदायूं की सीट बड़े अंतर से जीतेंगे। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि 2019 में भाजपा बेईमानी से जीती थी। भाजपा के 400 सीटें जीतने के दावे पर कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ नये-नये नारे लाती है। भाजपा पहले पुराने नारों को पूरा करे फिर कोई नया नारा लाये।

सार-संक्षेप

आईपीएस बीके सिंह केंद्र से यूपी वापस लौटे

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश काडर के तेज-तर्रार आईपीएस बिनोद कुमार सिंह पुन: यूपी वापस आ रहे हैं। वह जुलाई 2023 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बतौर एडीजी सीआरपीएफ नियुक्त हुए थे। यूपी काडर में उनकी वापसी समयपूर्व बताई जा रही है। आईपीएस बीके सिंह योगी सरकार के भरोसेमंद आईपीएस अधिकारियों में से एक माने जाते हैं। प्रतिनियुक्ति से पूर्व बीके सिंह के गाजियाबाद जिले में क्राइम कंट्रोल के लिए जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी के तौर पर तैनात थे। ट्रिपल एस फॉर्मूले के लिए भी उन्हें जाना जाता है। ट्रिपल एस में वे पुलिस को समन्वय, संवाद और सहयोग का मंत्र देते रहे हैं।

वाराणसी से लखनऊ के बीच स्पेशल ट्रेन शुरू

अयोध्या,अमृत विचार : रामनगरी और काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए रामनवमी के पूर्व उत्तर रेलवे ने वाराणसी से लखनऊ के बीच विशेष ट्रेन का संचालन शुरू किया है। 20 अप्रैल तक चलने वाली यह ट्रेन मंगलवार को अयोध्या धाम जंक्शन से गुजरी। उत्तर रेलवे की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने बताया कि वाराणसी-जफराबाद-शाहगंज-अयोध्या धाम-बाराबंकी के रास्ते लखनऊ तक चलने वाली इस ट्रेन का ठहराव जिले में केवल अयोध्या धाम जंक्शन और रुदौली स्टेशन पर तय किया गया है। अयोध्या कैंट के साथ गोसाईंगंज, पटरंगा, सोहावल स्टेशन पर यह ट्रेन नहीं रुकेगी। सुबह 6:25 बजे वाराणसी से चलने वाली यह ट्रेन पौने 12 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन शाम को साढ़े चार बजे लखनऊ से रवाना होगी और 21:50 बजे वाराणसी जंक्शन पहुंचेगी। इलेक्ट्रिक इंजन युक्त ट्रेन 324 किमी. की दूरी पांच घंटा 20 मिनट में तय करेगी।

रालोद के साथ गृहमंत्री आज से मथेंगे पश्चिमी उप्र

लखनऊ, अमृत विचार : भाजपा पश्चिम उप्र. में पूरी ताकत झोंकने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के आने से पहले गृहमंत्री अमित शाह ने रालोद के साथ बुधवार को मुजफ्फरनगर में पहली चुनावी जनसभा करेंगे। साथ ही मुरादाबाद में 17 लोकसभा क्षेत्रों की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। मोदी का कार्यक्रम छह अप्रैल को सहारनपुर व गाजियाबाद में है, जबकि नौ को पीलीभीत व 16 अप्रैल को मुरादाबाद में है। मुजफ्फरनगर की जनसभा में गृहमंत्री अमित शाह के साथ रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी भी शामिल होंगे। जयंत चौधरी भी चुनावी सभाओं के जरिए जाटलैंड को मथने में जुट गए हैं। वह 5 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दोपहर एक बजे गेटवे स्कूल बागपत की जनसभा में भी शामिल होंगे। बाद में छह अप्रैल सुबह 10 बजे सहारनपुर में पीएम मोदी के साथ जनसभा में मंच साझा करेंगे। इसके बाद 9 अप्रैल को कैराना में, 10 अप्रैल को मुजफ्फरनगर में और उसी दिन बागपत में जनसभा को संबोधित करेंगे। 11 अप्रेल को सिकंदराबाद, गौतमबुद्धनगर में जनसभा करेंगे। 12 अप्रैल को मवाना विधान सभा हस्तिनापुर लोकसभा बिजनौर में जनसभा करेंगे। प्रधानमंत्री पश्चिमी उप्र साधने के लिए खासे सक्रिय हैं। मेरठ में चुनावी अभियान की शुरूआत करने के बाद छह अप्रैल को सहारनपुर में दूसरी चुनावी रैली करेंगे।

एमबीबीएस फर्स्ट बैच का रिजल्ट आउट, 91 पास, नौ फेल

अयोध्या, अमृत विचार : राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के फर्स्ट बैच के एमबीबीएस विद्यार्थियों का नतीजा मंगलवार देर शाम जारी हो गया। पहले बैच के 100 में से 91 विद्यार्थी ही पास आउट हुए हैं। नौ विद्यार्थियों को निराशा हाथ लगी है। मेडिकल कॉलेज में 2019 में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई थी। पहले बैच में 100 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था। केजीएमयू से जारी नतीजों के मुताबिक छह मेडिसिन में, दो गायिनी व एक विद्यार्थी पीडिया में फेल हुआ है। नंबर तीन दिन बाद बताए जाएंगे। पास हुए विद्यार्थियों को अभी एक साल तक मेडिकल कॉलेज में ही इंटर्नशिप करनी पड़ेगी। वहीं निराश हुए विद्यार्थियों को अभी एक मौका मिलेगा। 45 दिन में सप्लीमेंट्री पेपर कराया जाएगा। हालांकि रिजल्ट अच्छा माना जा रहा है। क्योंकि 15 विद्यार्थियों के फेल होने पर ही नतीजा खराब माना जाता है। उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को प्रिंसिपल डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार, वाइस प्रिंसिपल डॉ. सत्यजीत वर्मा, सेंट्रल लैब प्रभारी डॉ. डीके सिंह समेत वरिष्ठ चिकित्सकों ने उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्तार की मौत मामले में बांदा जेल अधिकारी को किया तलब

कोर्ट ने पूछा- ज्यूडिशियल कस्टडी में कैसे हुई मुख्तार की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- बांदा जेल के सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित करने की मांग

अमृत विचार : मुख्तार अंसारी की मौत के मामले में बाराबंकी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने बांदा जेल के अधिकारी को तलब कर किया है। अब जेल अधिकारी कोर्ट को यह बताएंगे कि ज्यूडिशियल कस्टडी में मुख्तार अंसारी की मौत कैसे हुई। दरअसल, मुख्तार के वकील रणधीर सिंह सुमन की ओर से बाराबंकी की कोर्ट में वाद दाखिल करने को लेकर अपील की गई थी।

जिस पर सरकार बनाम डॉ. अलका राय चर्चित फर्जी एंबुलेंस की पेशी के दौरान मंगलवार को कोर्ट में पेशी हुई। पेशी के दौरान वकील रणधीर सिंह ने कोर्ट से मुख्तार अंसारी की मौत की वजह जानने के लिए जेल अधिकारियों को तलब करने की मांग की। जिस पर बाराबंकी एमपी-एमएलए कोर्ट एसीजेएम-19 विपिन यादव ने मुख्तार की मृत्यु की खबर देने वाले बांदा जेल अधिकारी को 6 अप्रैल को तलब किया है। जिसमें वह बताएंगे कि न्यायिक अभिरक्षा में मुख्तार अंसारी की मौत कैसे हुई। मुख्तार के वकील रणधीर सिंह ने बीते शुक्रवार को गैंगस्टर मामले की पेशी के दौरान एमपी-एमएलए कोर्ट में जज कमलकांत श्रीवास्तव के सामने प्रार्थना पत्र दिया था कि मौत की वजह जानने के लिए जरूरी है कि बांदा जेल के सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर लिए जाएं। बांदा जेल में निरीक्षण के नाम पर आने वाले सभी अधिकारियों की एंट्री और कैमरे में आए उनके फोटो को भी सुरक्षित किए जाने की जरूरत है। साथ ही वकील की तरफ से प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के लिए आदेश देने की भी अपील बाराबंकी कोर्ट में की गई थी।

वकील रणधीर के मुताबिक जज कमलकांत श्रीवास्तव के सामने दिए गए प्रार्थना पत्र को मृत्युकालीन कथन मान कर मुकदमा दर्ज करने की अर्जी दी गई थी। जिस पर जज ने फैसले को रिजर्व करते हुए अगली तारीख 4 अप्रैल लगाई थी। अब 4 अप्रैल को मुकदमा दर्ज करने को लेकर कोर्ट का आदेश आएगा। मुख्तार अंसारी की बीते गुरुवार को बांदा जेल में अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उसको बांदा मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया।

पांच करोड़ से सवरेंगे 10 जर्जर पशु चिकित्सालय

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में जर्जर राजकीय पशु चिकित्सालय का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए पांच करोड़ रुपये का बजट मिला है। जल्द जिलों पर ऐसे अस्पतालों का चयन किया जाएगा। ब्लॉकों पर कई वर्षों से बने पशु चिकित्सालय जर्जर हो गए हैं। जहां हादसे की संभावना भी रहती है और मरम्मत के अभाव में कार्य भी प्रभावित हैं। ऐसे 10 अस्पतालों का चयन कर पशु पालन विभाग जीर्णोद्धार कर संवारेगा।

सपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह

लखनऊ, अमृत विचार : पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के पुत्र पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह मंगलवार को समाजवादी छोड़कर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। उनके प्रयागराज सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की पूरी संभावना है। सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि देश स्तर पर कांग्रेस ही भाजपा को चुनाव में हरा सकती है। कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव का उन्हें आशीर्वाद प्राप्त है। यादव परिवार से उनके अच्छे रिश्ते हैं। उज्जवल रमण सिंह ने प्रदेश मुख्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व नेता विधान मंडल दल आराधना मिश्रा मोना की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण की। वह राहुल गांधी के कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई में साथ देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विघटनकारी नीति के तहत काम कर रही है।

विशेष कोर्ट में हाजिर नहीं हुए सांसद राहुल गांधी, सुनवाई 12 को

सुलतानपुर, अमृत विचार: विस चुनाव के दौरान बैंगलोर में सांसद राहुल गांधी के प्रेस वार्ता के दौरान तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी राहुल गांधी मंगलवार को विशेष कोर्ट में बयान दर्ज कराने हाजिर नहीं हुए। विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश यादव के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई के लिए 12 अप्रैल की तारीख नियत की गई है ।

मुरादाबाद, बरेली मंडल सहित 41 जेलों में हेल्थ एटीएम लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शासन ने प्रदेश के 41 जिलों में हेल्थ एटीएम लगाने के लिए संस्था के चयन के साथ-साथ 40 फीसदी धनराशि के अग्रिम भुगतान की स्वीकृति दे दी है। शासन ने इसको लेकर कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं को पत्र लिखकर अग्रिम कार्रवाई के लिए कहा है। हेल्थ एटीएम की कुल धनराशि चार करोड़ नौ लाख रुपए निर्धारित की गई है, जिसके 40 फीसदी अंश को संस्था को भुगतान करने की स्वीकृति दे दी गई है।

गौरतलब हो कि अभी अलीगढ़ सहित कई कारागारों में हेल्थ एटीएम लगाए गए थे। हेल्थ एटीएम के लगने से जेल में रहने वाले कैदियों को काफी राहत मिल रही है। ऐसी स्थित में शासन ने प्रदेश के 41 कारागारों में हेल्थ एटीएम स्थापित करने का निर्णय लिया था। शासन ने हेल्थ एटीएम लगाने के लिए दिल्ली की एक संस्था का चयन कर लिया है। कुल चार करोड़ नौ लाख रुपए में स्थापित होने वाले हेल्थ एटीएम के लिए कुल लागत का 40 फीसदी अग्रिम भुगतान की स्वीकृति दे दी है। यह हेल्थ एटीएम लखनऊ, गोरखपुर, आजमगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली आदि मंडलों से जुड़े कारागारों में लगेगा।

वर्ग पहेली-28

बाएं से दाएं

1. गजपिप्पली की जाति का एक पौधा जिसकी लकड़ी और जड़ औषधि के काम में आती है।
2. 1. बुद्धि 2. सोचने-समझने की शक्ति, समझदारी।
5. 1. शिक्षित 2. जिसे पढ़ना-लिखना आता हो 3. पढ़ने-लिखने में सक्षम।
6. 1. आलोचना के रूप में व्यक्त संक्षिप्त विचार 2. टिप्पणी, उपकथन।
10. 1. अनेक लोगों का बोलना

ऊपर से नीचे

3. हवा का झोंका, तेज़ हवा का झटका या धक्का, हल्की नींद।
4. किसी कार्य या वस्तु को अस्त-व्यस्त या उलट-पुलट करने की क्रिया या भाव।
7. 1. जो चिकना तथा फिसलनदार हो 2. कीचड़ आदि के कारण रपटनवाला, पिच्छल।
8. 1. कथरी, पुराने वस्त्रों को सिलकर बनाई गई ओढ़ने की चादर, गुदड़ी 2. योगियों का परिधान।
9. 1. मिथिला का निवासी 2. राजा जनक।

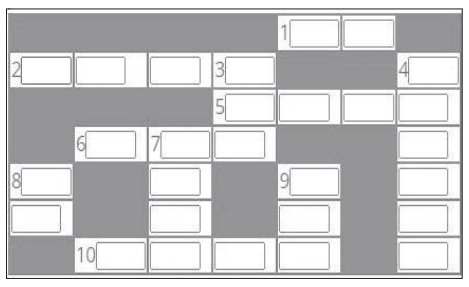

वर्ग पहेली -27 का हल

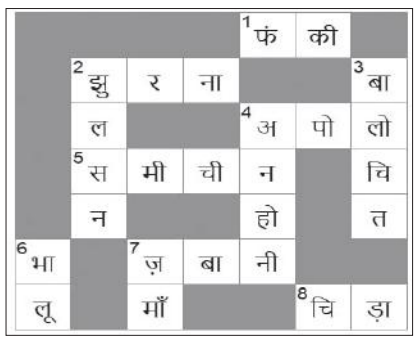

सुडोकू-107

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	1		8				
3			2		7			5
	5					4		6
		7		2		9		
			4		2			9
				3		7	1	
	9		3		1		2	
		5		6		8		
6							3	

सुडोकू-106 का हल

6	4	9	3	1	7	5	2	8
2	8	1	6	5	9	7	3	4
3	7	5	8	4	2	1	9	6
9	3	4	5	7	6	8	1	2
1	2	7	9	8	4	6	5	3
5	6	8	1	2	3	4	7	9
4	1	3	7	9	8	2	6	5
7	9	2	4	6	5	3	8	1
8	5	6	2	3	1	9	4	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 अप्रैल,बुधवार 2024 संवत-2080,शक संवत 1945 मास-चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष,तिथि-नवमी 18.29 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

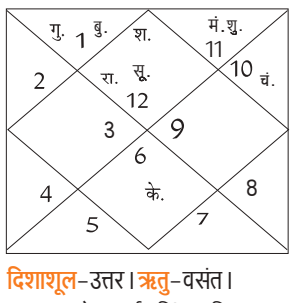

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-वसंत। चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 21.47 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज टीमवर्क के माध्यम से उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। विदेशी भूमि पर रहे लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दिनचर्या को संतुलित रखने से मन प्रसन्न रहेगा। निर्माण कार्यों के लिए दिन विशेष शुभ है।

वृष — आज विदेश यात्रा को लेकर बाधा दूर होगी। अधिकारी वर्ग आपसे संतुष्ट रहेंगे,लेकिन फिर भी आपको सबसे समन्वय बनाने में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आपकी अपेक्षा के अनुसार सभी काम हो जाएंगे।

मिथुन — आज लोग आपकी उदारता का गलत प्रयोग करने का प्रयास करेंगे। महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर जागरूक रहना चाहिए। अपने काम दूसरों के भरोसे कतई न छोड़ें। उपयुक्त पोषण की कमी के कारण कमजोरी हो सकती है।

कर्क — आज आपके सामाजिक संबंध और प्रगाढ़ होंगे। दांपत्य जीवन काफी रोमांटिक रहने वाला है। पहले की गई मेहनत का आपको सुखद परिणाम प्राप्त होगा। व्यापार में नए सहयोगी जुड़ सकते हैं। मांगलिक आयोजनों में भाग लेने से लाभ होगा।

सिंह — आज कानूनी अड़चनों से छुटकारा मिलेगा। आध्यात्मिक चर्चाओं से आपका दृष्टिकोण बदल सकता है। उच्च रक्तचाप के रोगियों को गुस्सा करने से बचना चाहिए। अपने काम से काम रखें। दूसरे लोगों के मामलों को लेकर ज्यादा सोच-विचार न करें।

कन्या — आज लोग आपकी कला व योग्यता को सम्मान देंगे। आप नव समाचारों को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। प्रेम विवाह के मार्ग में आ रही बाधा दूर होगी। समाज में आपका नाम ऊंचा होगा। अनुसंधान कार्य से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

तुला — आज शारीरिक और मानसिक ऊर्जा में थोड़ी कमी रहेगी। व्यर्थ की बातों का तनाव न लें। बड़ों के द्वारा दिया गया सुझाव आपके काफी काम आएगा। बॉस का भरोसा आपके ऊपर से कुछ कम हो सकता है। अपने काम व जिम्मेदारियों से पीछे न हटें।

वृश्चिक — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। अपने स्वभाव में सकारात्मकता बनाए रखें। अविवाहित महिला जातक को विवाह की चिंता रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपको प्रोत्साहन मिलेगा। आपको प्रयासों को कमजोर न पड़ने दें।

धनु — आज जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान दें। प्रेमीजन से अपने दिल की बातें शेयर करने से मन हल्का होगा। गृह कार्यों में काफी व्यस्त हो सकते हैं। दूरस्थ परिजनों के साथ फोन पर बातें होंगी। जॉब इंटरव्यू में आपको सफलता मिल सकती है।

मकर — आज व्यापार में अपेक्षानुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण बैठक में सम्मिलित हो सकते हैं। दिनचर्या काफी व्यस्त रहने वाली है। अचानक यात्रा की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। बुरी संगत से आपको बचने की आवश्यकता है।

कुंभ — आज कार्यस्थल में आपका दबदबा घट सकता है। किसी नकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है। सेहत के मामले में लापरवाही न करें। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। आपको उधार लेने से बचना चाहिए।

मीन — आज पुराने अनुभवों का आपको लाभ मिलेगा। व्यवसाय को लेकर नया प्रयोग कर सकते हैं। घर का वातावरण काफी सुखमय रहेगा। किसी नए काम को लेकर मन में विचार आएंगे। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा।

आज की फिल्में

B4U MOVIES	फतेह सुबह : 11.00 दानवीर रात : 07.00	SONY PIX	द मैन फ्रॉम टोरंटो सुबह : 10.55 रैम पेज रात : 07.07
&pictures	बच्चन पांडे सुबह : 11.11 उड़ता पंजाब रात : 08.00	ZEE CINEMA	फटा पोस्टर निकला हीरो सुबह : 11.05 हम पांच शाम : 04.45
		colors CINEPLEX	दो रास्ते दोपहर : 12.27 विश्वासघात रात : 09.01

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पत्नी ने एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल किया।
ऑपरेटर- आपको क्या समस्या है?
पत्नी- मेरे पैर की उंगली कॉफी टेबल से टकरा गई है।
ऑपरेटर- और इसके लिए आप एंबुलेंस बुलाना चाहती हैं?
पत्नी- नहीं, एंबुलेंस तो मेरे पति के लिए है, उन्हें हंसना नहीं चाहिए था।
ऑपरेटर चुप!

कोयल ने कौवे से पूछा- तुमने अभी तक शादी क्यों नहीं की?
कौवा बोला- बिना शादी के ही जिंदगी में इतनी कांव-कांव है,
शादी कर लूंगा तो पता नहीं क्या होगा?

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 1865, राज श्री 1350, फ़ॉर्चून कि. 1795, रविन्द्रा 1830, फॉर्चुन ली0 1650, जय जवान 1450, सचिन 1610, सूरज 1475, अवसर 1660, राग गोल्ड 1690, गृहणी 1605, क्लासिक (किलो) 1730, मोर 1595, चक्र टिन 1680, ब्लू 1725, आशीर्वाद मस्टर्ड 1760, स्वास्तिक 1835। **किराना** :(प्रतिकु.) हल्दी निजामाबाद 17500, जीरा 40000, लाल मिर्च 20000-24000, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 8600, सौंफ 12000-18000, सोंठ 45000, (प्रतिकि0) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950। **चावल** :(प्रति कु0) डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4300, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4250, खजाना 4250। **दाल दलहन** : मूंग दाल इंदौर 11500, मूंग धोवा काला क्राउन 11100, राजमा चित्रा 13200-14100, राजमा भूटान नया 11500, मलका काली 6750-7100 मलका दाल 7150-7700, मलका छाँटी 7350, दाल उड़द बिलासपुर 9800-10500, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12000, उड़द साबुत दिल्ली 11800, उड़द धोवा इंदौर 13500, उड़द धोवा 11500-12100, दाल चना 7150, लाल हिंदुस्तान 7250, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8100, चना अकोला 8200, डबरा 9000-11500, सच्चा हीरा 10400, मोटा हीरा 11800, अरहर गोला मोटा 12600, अरहर पटका मोटा 13000, अरहर कोरा मोटा 13300, अरहर पटका छोटा 13800-14300, अरहर कोरी छोटी 15000। चीनी - डालमियां 4020, पीलीभीत 3980, नवाबगंज 3970 (नयी), बहेड़ी 3980 (नयी)।

विस्तारा उड़ान रद्द होने और देरी पर दैनिक रूप से जानकारी दे : डीजीसीए

विस्तारा के उड़ान रद्द करने के मामलों पर करीबी नजर रखी जा रही

नयी दिल्ली, दो अप्रैल (भाषा)

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विस्तारा को उड़ान रद्द होने के साथ-साथ देरी पर दैनिक रूप से जानकारी देने को कहा है। साथ ही नियामक ने यात्रियों की सुविधा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखने की बात भी कही। डीजीसीए ने कहा कि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, यह सुनिश्चित करने के लिए वह विस्तारा के उड़ान रद्द करने के मामलों पर करीबी नजर रख रहा है।

एक सूत्र के अनुसार, एयरलाइन ने मंगलवार को 50 से अधिक उड़ानें रद्द की हैं। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि कुछ कमांडर के साथ-साथ इसके ए320 बेड़े के प्रथम अधिकारी भी नए अनुबंधों में वेतन संशोधन की मांग को लेकर विरोध जताते हुए बीमार होने की सूचना दे रहे हैं। चालक दल की अनुपलब्धता और अन्य परिचालन कारणों के कारण एयरलाइन द्वारा परिचालन कम करने की घोषणा के एक दिन बाद यह बात सामने आई है। डीजीसीए ने मंगलवार को बयान में कहा कि विस्तारा की विभिन्न उड़ान बाधाओं के मद्देनजर उसने एयरलाइन को रद्द की जा रही और विलंबित उड़ानों की दैनिक जानकारी तथा विवरण देने को कहा है।

डीजीसीए के अधिकारी उड़ान रद्द होने और देरी की स्थिति में यात्रियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए जरूरी आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने को स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। नियामक ने कहा, यह यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए है। नागर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वह विस्तारा की उड़ानें रद्द होने की स्थिति पर नजर रख रहा है।

पीपलको ने नए निवेशकों के लिए 'लेमन' ऐप पेश किया

नयी दिल्ली। उद्यमी आशीष सिंघल, गोविंद सोनी और विमल सागर तिवारी की कंपनी पीपलको ने एक शेयर निवेश ऐप 'लेमन' पेश की है। इसका मकसद नए निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल करना है। सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि 'लेमन' शेयर ब्रोकिंग में पीपलको के विस्तार का प्रतीक है। इसका स्वयं का प्रबंधन और संचालन दल के साथ एक अलग व्यापार प्रभाग होगा। देवम सरदाना 'लेमन' में दल का नेतृत्व करेंगे। बयान में कहा गया, ...सफल उद्यमियों आशीष सिंघल, गोविंद सोनी और विमल सागर तिवारी के मंच पीपलको ने एक शेयर निवेश ऐप 'लेमन' पेश की है।'' पीपलको समूह के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशीष सिंघल ने कहा, लाखों भारतीयों को आज भी शेयर बाजार जटिल लगता है।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने 40,314 करोड़ जुटाए

नयी दिल्ली, एजेंसी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपनी परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये कुल 40,314 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मंत्रालय ने टोल वसूली-परिचालन- हस्तांतरण (टीओटी) समूहों के मौद्रीकरण के जरिये समाप्त वित्त वर्ष में 15,968 करोड़ रुपये जुटाए जबकि अवसंरचना निवेश न्यास (इनविट) के माध्यम से 15,700 करोड़ रुपये और प्रतिभूतियों की बिक्री के जरिये 8,646 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये जुटाई गई राशि 28,968 करोड़ रुपये के निर्धारित लक्ष्य से आगे निकल गई। मंत्रालय ने संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये वित्त वर्ष 2022-23 में 32,855 करोड़ रुपये जुटाए थे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय फिलहाल अपनी परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण तीन तरीकों से करता है जिसमें टीओटी मॉडल, इनविट और परियोजना-आधारित वित्तपोषण शामिल है। इस तरह सभी श्रेणियों के निवेशकों को संबंधित परिसंपत्तियों में निवेश करने का अवसर दिया जाता है। इनविट म्यूचुअल फंड की तर्ज पर एक निवेश साधन है, जिसे निवेशकों से पैसा इकट्ठा करने और परिसंपत्तियों में निवेश करने के लिए बनाया है।

सर्राफा

बरेली

गोल्ड (पक्के जेवर)	68400
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	67400
सिल्वर (पक्की)	755 (अनुमानित)

स्पाइसजेट को जल्द एक क्यू400 विमान मिलेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि पट्टे पर विमान मुहैया कराने वाली कंपनी नॉर्डिक एविएशन कैपिटल (एनएसी) के साथ हुए समझौते के तहत उसे जल्द ही एक क्यू400 विमान मिलेगा। एयरलाइन ने एनएसी से पट्टे पर लिए गए क्यू400 विमानों के लिए सभी पिछली देनदारियों का भुगतान कर दिया है। निपटान समझौते के तहत उसके पास पहले से ही पांच क्यू400 विमान मौजूद हैं।

बायजू 500 कर्मियों की छंटनी करेगी, ट्यूशन सेंटर होंगे प्रभावित

नयी दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय संकट से घिरे शिक्षा-प्रौद्योगिकी मंच बायजू को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशों के बीच करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। सूत्रों ने कहा कि यह छंटनी कारोबार पुनर्गठन की कोशिशों का हिस्सा है। इसकी शुरुआत 15-20 दिन पहले हुई थी और इस प्रक्रिया में करीब 500 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

नौकरी में कटौती का नवीनतम दौर बिक्री कार्यों, शिक्षकों और कुछ ट्यूशन केंद्रों को प्रभावित करेगा। हालांकि सूत्रों ने कहा कि बायजू को बेहद खराब स्थिति में ही आगे चीजों को सुसंगत करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी सूचना है कि कुछ प्रभावित कर्मचारियों को फोन पर छंटनी की सूचना दे दी गई है। लेकिन छंटनी के संबंध में बायजू ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बायजू के प्रवक्ता ने एक ईमेल प्रतिक्रिया में कहा, ''हम परिचालन ढांचे को सरल बनाने, लागत आधार को कम करने और बेहतर नकदी प्रवाह प्रबंधन के लिए अक्टूबर, 2023 में घोषित कारोबार पुनर्गठन अभ्यास के अंतिम चरण में हैं।''

रुपया तीन पैसे फिसला

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया तीन पैसे फिसलकर 83.42 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.39 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया दो पैसे को बढ़त लेकर 83.37 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान हुई बिकवाली की बदौलत 83.34 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह 83.43 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। पिछले दिवस के 83.39 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में तीन पैसे फिसलकर 83.42 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

भीषण गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग 260 गीगावाट पहुंचने के आसार

नयी दिल्ली, एजेंसी

इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 260 गीगावाट पर पहुंच जाने के अनुमान के बीच कोयले से पैदा होने वाली बिजली पर भारत की अत्यधिक निर्भरता बने रहने के आसार हैं। बिजली मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि देश के कुछ हिस्सों में इस साल भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। इस दौरान बिजली की मांग भी काफी बढ़ जाएगी और मंत्रालय इसे ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी कर रहा है।

अधिकारी ने कहा कि नवीकरणीय क्षमताओं में वृद्धि जारी होने के बीच चरम मांग को पूरा करने के लिए बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार जमा किया जा रहा है। इसके अलावा सौर ऊर्जा भी मांग को पूरा करने में काफी मदद करेगी। मंत्रालय ने सभी बिजली उत्पादक कंपनियों, खासकर कोयले से चलने वाले ताप-विद्युत संयंत्रों को अपनी रखरखाव योजनाओं को टालने का निर्देश दिया है। इसके अलावा गैस-आधारित बिजली संयंत्रों को बिजली पैदा करने के लिए उपलब्ध रहने को कहा गया है। भारतीय मौसम-विज्ञान विभाग ने मंगलवार को अनुमान जताया कि भारत में अप्रैल-जून की अवधि में भीषण गर्मी का सामना करना होगा। इसकी सबसे ज्यादा मार देश के मध्य और पश्चिमी प्रायद्वीपीय हिस्सों पर पड़ने की आशंका है। इसके अलावा, अधिकांश मैदानी इलाकों में सामान्य से अधिक लू चलने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्यतः चार से आठ दिन की तुलना में 10-20 दिन तक लू चल सकती है। बिजली मंत्रालय का अनुमान है कि देश में अधिकतम मांग 260 गीगावाट तक पहुंच सकती है, जो पिछले साल सितंबर के रिकॉर्ड 243 गीगावाट से अधिक है।

राष्ट्रीय

एक नजर

आबकारी विभाग ने 32 हजार बल्क लीटर अवैध शराब की जब्त

शिमला। हिमाचल प्रदेश के राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ व्यापक अभियान आरम्भ किया है। यह जानकारी देते हुए आयुक्त डॉ. यूनुस ने मंगलवार को यहां बताया कि विभाग ने एक सघन अभियान के दौरान जिला बिलासपुर जिला के दबट व माजरी इत्यादि क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब की 10 भट्टियों पर कार्रवाई की। पंजाब के आबकारी विभाग के साथ की गई इस संयुक्त कार्रवाई में 18000 बल्क लीटर लाहन बरामद कर नष्ट किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 18 लाख रुपये आंकी गई है।

पूर्व भाजपा विधायक की पत्नी फिर पार्टी में शामिल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन बार विधायक रहे राकेश वर्मा की पत्नी इंदु वर्मा मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल की उपस्थिति में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। हिमाचल विधानसभा के लिए 2022 में हुए चुनाव से ठीक पहले वह कांग्रेस में शामिल हो गई थीं, लेकिन ठियोग सीट से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने ठियोग सीट से पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख कुलदीप राठौर को मैदान में उतारा था।

जम्मू कश्मीर में 1.56 करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में 1.56 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जांच एजेंसी ने कहा कि कुर्क संपत्तियों में 6,000 वर्ग फुट से अधिक की जमीन, दो मंजिला आवासीय इमारत और नियामत अली भट का एक वाहन शामिल है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ईडी श्रीनगर ने यहां 1.56 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी तौर पर जब्त कर लिया है। इसमें एक कनाल तीन मरला जमीन, उस पर बने दो मंजिला आवासीय मकान और नियामत अली भट नाम के एक व्यक्ति का वाहन शामिल है।

मोदी से राहुल का कोई मुकाबला नहीं: शाह

इंडिया समूह को वंशवादियों और भ्रष्टाचारियों का गठबंधन करार दिया

बेंगलुरु, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए इंडिया समूह को वंशवादियों और भ्रष्टाचारियों का गठबंधन करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गांधी का कोई मुकाबला नहीं है।

शाह ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "आगामी आम चुनावों में एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भाजपा है, वहीं दूसरी ओर 'परिवारवादियों' और 'भ्रष्टाचारियों' का यह द इंडिया समूह है।'' उन्होंने दावा किया कि राजग राज्य की सभी 28 सीटें जीतेगी। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने मोदी की ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए दावा किया कि उनके (मोदी) के नेतृत्व में भाजपा ने पारदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। गृह मंत्री ने कहा, "लोगों के पास स्पष्ट विकल्प है। एक ओर जहां मोदी ने एक पैसे के भ्रष्टाचार के बिना 23 वर्षों तक शासन किया है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया है। ये लोग जहां कहीं भी सत्ता में आते हैं, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। इनका दिमाग कभी भी लोगों की सेवा करने पर केंद्रित नहीं होता है।" उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की भी निंदा की। उन्होंने इसकी तुलना मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त शासन के रिकॉर्ड से की। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी के अपने कार्यकाल के दौरान कोई छुट्टी न लेने की उनकी कार्य नीति का उल्लेख करके उनके (मोदी के) समर्पण का उल्लेख किया। शाह ने कहा, " प्रधानमंत्री हमेशा भारत के लिए काम करते हैं। वह एक दिन की भी छुट्टी नहीं लेते हैं, जबकि राहुल 'बाबा' गर्मियों की छुट्टियों में घूमने के लिए विदेश जाते हैं। प्रत्येक छह महीने में कांग्रेस कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें ढूंढने लगते हैं। पूरा देश इस समय मोदी के साथ खड़ा है।" इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता बी.एस. येदियुरप्पा, प्रह्लाद जोशी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव को देखते हुए सेना और पुलिस अलर्ट पर हैं। वहीं जम्मू संभाग के पुंछ जिले के मेंढर क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने संयुक्त टीम के साथ संवेदनशील स्थानों का दौरा किया। ● एजेंसी

महाराष्ट्र सदन घोटाला मामले में भुजबल को जारी किया नोटिस

मुंबई, एजेंसी

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता एवं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल और उनके परिवार के सदस्यों को एक याचिका पर मंगलवार को नोटिस जारी किये हैं। इस याचिका में भुजबल और उनके परिजनों को नयी दिल्ली के महाराष्ट्र के सदन के निर्माण में कथित घोटाले से संबधित एक मामले में सत्र न्यायालय द्वारा आरोप मुक्त किये जाने को चुनौती दी गयी है। न्यायमूर्ति एस एम मोदक की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार के भ्रष्टाचार निवारक ब्यूरो (एसीबी) के माध्यम से भुजबल, उनके पुत्र पंकज, भतीजा समीर और छह अन्य को नोटिस भेजे हैं। अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को करेगी।

फर्जी खबरों के विरुद्ध ऑनलाइन रजिस्टर

नयी दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने नयी लोकसभा चुनने के लिए इस समय जारी प्रक्रिया में फर्जी खबरों और सूचनाओं से निपटने के लिए मंगलवार को 'कल्पना बनाम सच्चाई रजिस्टर' नाम से एक नया सावर्जजनिक ऑनलाइन रजिस्टर शुरू किया है। इस रजिस्टर को अद्यतन फैक्ट-चेक (त्थ्यों की जांच) में उजागर नकली सूचनाओं और आयोग द्वारा चुनाव संबंधी विषयों में समय-समय पर जारी की जाने वाली सामान्य प्रश्नोत्तरी (एफएक्यू) को शामिल करने के लिए नियमित रूप से अपडेट किया जाएगा। आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल गलत सूचनाओं के प्रसार से निपटने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के लिए आयोग द्वारा किए जा रहे उपायों का हिस्सा है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने साथी दोनों चुनाव आयुक्तों - ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ निर्वाचन सदन में आयोजित एक समारोह में चुनाव आयोग की अधिकृत वेबसाइट पर इस रजिस्टर का उद्घाटन किया। आयोग ने कहा है कि ' कल्पना बनाम सच्चाई रजिस्टर' की शुरूआत चुनावी प्रक्रिया को गलत सूचना से बचाने के लिए आयोग के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कोशिश है।

अरविंद केजरीवाल की नैतिकता समाप्त हो चुकी है : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा जेल से सरकार चलाने पर आड़े हाथों लेते हुए मंगलवार को कहा कि अब भ्रष्ट आचरण से केजरीवाल की नैतिकता समाप्त हो चुकी है और दिल्ली की जनता उनसे मुक्ति चाहती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इंडिया समूह पर जमकर हमला बोला और भ्रष्टाचार के आरोप में संलिप्त दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा जेल से सरकार चलाने पर सवाल उठाए। भाटिया ने इंडिया समूह पर निशाना साधा।

पांच जिला कलक्टरों को सुप्रीम चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने रेत खनन के मामले में मंगलवार को तमिलनाडु के पांच जिला कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष 25 अप्रैल तक उपस्थित होकर केंद्रीय जांच एजेंसी के समन का जवाब देने का अंतिम अवसर दिया और चेतावनी देते हुए कहा कि आदेश का पालन नहीं होने पर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी के सामने उन जिला कलेक्टरों के पेश नहीं होने पर आपत्ति जताई। पीठ ने कहा कि उनके पेश नहीं होने से पता चलता है

रेत खनन

कि अधिकारियों मन में न तो अदालत और न ही कानून का सम्मान है, भारत के संविधान का तो बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई करते ये टिप्पणी की और आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने जिला कलेक्टरों के खिलाफ जारी ईडी के समन पर रोक लगा दी थी। पीठ ने चेतावनी देते कहा कि वे रेत खनन मामले में समन का जवाब देने के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के उसके निर्देश का पालन करने में विफल हुए तो उनका कोई भी लापरवाहपूर्ण रवैया उन्हें मुश्किल स्थिति में डाल देगा। पीठ ने कहा, "इस तरह के दृष्टिकोण की कड़ी निंदा की जाती है। हमारी राय में इस तरह का उदासीन दृष्टिकोण, उन्हें एक कठिन परिस्थिति में डाल देगा। जब अदालत ने उन्हें ईडी द्वारा जारी समन के समक्ष में पेश होकर जबाव देने का निर्देश दिया था तो उनसे अदालती आदेश का पालन करने की उम्मीद की गई थी।" शीर्ष अदालत ने हालाँकि, उन्हें 25 अप्रैल को सभी आंकड़ों के साथ ईडी के समक्ष पेश होने का आखिरी मौका दिया, क्योंकि तमिलनाडु सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दौरान कहा कि वे चुनाव कर्तव्यों में व्यस्त थे। शीर्ष अदालत ने 27 फरवरी को मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी।

सीआरपीएफ के एडीजी को मूल काडर उप्र वापस भेजा गया

नयी दिल्ली। सीनियर आईपीएस बिनोद कुमार सिंह को मंगलवार को उनके मूल काडर उत्तर प्रदेश तत्काल प्रभाव से वापस भेज दिया गया। सिंह अभी सीपीआरएफ में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकार ने सिंह को समय पूर्व वापस भेजने को अनुमति प्रदान कर दी है। हालांकि इस आदेश में, 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी को समय पूर्व मूल काडर में वापस भेजने का कोई कारण नहीं बताया गया है। यह आदेश, सिंह के विरूद्ध एक पुलिस शिकायत दर्ज होने के दो सप्ताह बाद आया है।

सुनीता केजरीवाल से मिले आप विधायक

नई दिल्ली, ब्यूरो/ एजेंसी

● **बोले- जेल से ही सरकार चलाएं दिल्ली के मुख्यमंत्री**

आप के विधायकों और पार्षदों ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता से मुलाकात की और कहा कि मुख्यमंत्री को जेल से ही सरकार चलानी चाहिए और वह इस्तीफा नहीं दें। दिल्ली के मुख्यमंत्री को आबकारी नीति मामले में एक दिन पहले न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद यह बयान आया है।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई उक्त बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय, आतीशी सिंह, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, सोमनाथ भारती सहित 55 विधायकों ने हिस्सा लिया। चार विधायक शहर से बाहर बताए गये, जबकि तीन - केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन - जेल में हैं। 70 विधायकों वाली दिल्ली विधानसभा में आप के 62 एवं भाजपा के 8 विधायक हैं। इस बैठक को लेकर प्रमुख विपक्षी दल द्वारा कहा जा रहा था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पार्टी टूट के कगार पर पहुंच गई है। जिसकी आशंका को देखते हुए फरवरी में ही मुख्यमंत्री स्वयं विश्वास प्रस्ताव विधानसभा में लेकर आए थे ताकि 6 माह तक विधानसभा में कोई संसदीय संकट न पैदा हो सके। बैठक के बाद आप के टूटने की आशंका समाप्त हुई है। लेकिन कई महीनो से चल रहे इस प्रकरण पर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की खामोशी सवालों के घेरे में है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनीता केजरीवाल के साथ बातचीत कर सकते हैं। इसलिए विधायकों ने उनसे आग्रह किया कि वह उनका संदेश केजरीवाल तक पहुंचा दें कि उन्हें इस्तीफा दिए बिना जेल से ही सरकार चलाते रहना चाहिए। भारद्वाज ने बताया कि विधायकों ने सुनीता केजरीवाल से कहा कि भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दिलाने के लिए उनपर अत्यधिक दवाब डालेगी। यदि वह इस्तीफा देते हैं तो वे कहेंगे कि वह जिम्मेदारियों से भाग गए।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	टाई	अंक	रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	03	03	00	00	06	+1.249
कोलकाता नाइट राइडर्स	02	02	00	00	04	+1.047
चेन्नई सुपरकिंग्स	03	02	01	00	04	+0.976
लखनऊ सुपर जायंट्स	03	02	01	00	04	+0.483
गुजरात टाइटंस	03	02	01	00	04	-0.738
सनराइजर्स हैदराबाद	03	01	02	00	02	+0.204
दिल्ली कैपिटल्स	03	01	02	00	02	-0.016
पंजाब किंग्स	03	01	02	00	02	-0.337
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	04	01	03	00	02	-0.876
मुंबई इंडियंस	03	00	03	00	00	-1.423

क्विंटन डिकॉक

विकेट लेते के बाद कुछ इस तरह जश्न मनाते आरसीबी के ग्लेन मैक्सवेल।

खेल डायरी

प्रज्ञानानंदा सर्वश्रेष्ठ के तौर पर शुरू करेंगे अभियान

टोरंटो। युवा शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा अगले विश्व चैंपियनशिप मैच के लिए चुनौती तय करने के लिए बुधवार से यहां शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में तीन भारतीय प्रतिभागियों के बीच सबसे मजबूत दावेदार के रूप में अपना अभियान शुरू करेंगे। प्रज्ञानानंदा के साथ डी गुकेश और विदित गुजराती कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे। लगभग 35 वर्षों के बाद आठ खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट के लिए तीन भारतीयों ने क्वालिफिकेशन हासिल किये हैं। कुछ विशेषज्ञ भारत को शतरंज की दुनिया का नया रूस मान रहे हैं क्योंकि पहले ऐसा दबदबा सिर्फ रूस के खिलाड़ियों का ही दिखता था।

हाथापाई के मामले में दीपक शर्मा को निलंबित किया

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को आगामी सूचना तक निलंबित कर दिया। शर्मा पर गोवा में दो महिला खिलाड़ियों के साथ कथित तौर पर मारपीट का आरोप है। इंडियन वुमैंस फुटबॉल लीग सेकंड डिविजन में भाग लेने गई हिमाचल प्रदेश स्थित खाड एफसी की दो फुटबॉल खिलाड़ियों ने आरोप लगाया था कि क्लब के मालिक शर्मा 28 मार्च की रात उनके कमरे में घुस गए और उन्हें पीटा। शनिवार को एआईएफएफ ने शर्मा को जांच पूरी होने तक फुटबॉल संबंधित गतिविधियों से दूर रहने को कहा था।

श्रृंखला खेलने आस्ट्रेलिया रवाना भारतीय हॉकी टीम

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये छह अप्रैल से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने आस्ट्रेलिया रवाना हो गई। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम सोमवार की रात रवाना हुई। भारतीय टीम ने हाल ही में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग के चार में से तीन मैच जीते थे। छह अप्रैल को पहले मैच के बाद सात, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होने हैं। हरमनप्रीत ने रवानगी से पहले कहा, ''इस दौरे को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें पेरिस ओलंपिक से पहली अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चलेगा और सुधार का मौका भी मिलेगा।''

बेन स्टोक्स टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे

लंदन। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी बेन स्टोक्स आगामी टी20 विश्व कप से यह कहते हुए हट गए हैं कि इस 'बलिदान' से उन्हें पूरी ताकत से गेंदबाजी करने के लिए फिटनेस हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और वह निकट भविष्य में वह ऑलराउंडर बन पाएंगे जो बनना चाहते हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस शीर्ष प्रतियोगिता के शुरू होने से दो महीने पहले इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को अपने फैसले के बारे में जानकारी दे दी है। ईसीबी द्वारा जारी बयान में स्टोक्स ने कहा, ''मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और मेरा ध्यान गेंदबाजी फिटनेस हासिल करने पर है जिससे कि क्रिकेट के सभी प्रारूपों में ऑलराउंडर की भूमिका निभा सकूं।''

बिंदियारानी को भारोत्तोलन विश्व कप में कांस्य पदक

फुकेट (थाईलैंड)। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता भारोत्तोलक बिंदियारानी देवी ने मंगलवार को यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व कप में महिलाओं की 55 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। गैर ओलंपिक भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए 25 वर्षीय बिंदियारानी ने कांस्य पदक जीतने के दौरान कुल 196 किग्रा (83 और 113 किग्रा) उठाया। हालांकि यह मणिपुरी भारोत्तोलक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। उन्होंने 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में 203 किग्रा के कुल प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी छह प्रयासों में सिर्फ तीन वैध प्रयास कर सकी। उनका कुल वजन का प्रयास उत्तर कोरिया की कांग ह्योन ग्योंग से 38 किग्रा कम था जिन्होंने कुल 234 किग्रा (103 और 131 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

भारत के अनिरूद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत एटीपी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

ह्यूस्टन। भारत के अनिरूद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत की जोड़ी अमेरिका में एटीपी टूर पर पुरूषों की क्लेकोर्ट चैम्पियनशिप के युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। भारतीय जोड़ी ने अमेरिकी वाइल्ड कार्डधारी माइकल एममो और फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 6-4 से हराया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया के चौथी वरीयता प्राप्त एम पर्सल और जे थॉम्पसन से होगा। प्रशांत इस समय युगल रैंकिंग में 101वें और चंद्रशेखर 113वें स्थान पर है।

डिकॉक-पूरन की ताबड़तोड़ पारी से एलएसजी की जीत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 28 रनों से हार, लखनऊ सुपरजायंट्स के मयंक यादव ने 14 रन देकर तीन विकेट झटके

निकोलस पूरन

बेंगलुरु, एजेंसी

क्विंटन डिकॉक 81 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद मयंक यादव के 14 रन देकर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 28 रनों से हरा दिया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 40 रन जोड़ते हुए टीम के लिए अच्छी शुरुआत की। लेकिन पांचवें ओवर में पहले विराट कोहली और उसके बाद फाफ डुप्लेसी का विकेट पर बेंगलुरु की पारी लड़खड़ा गई। विराट ने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाये। वहीं डुप्लेसी ने 13 गेंदों में 19 रनों की पारी खेली। रजत पाटीदार ने 21 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 29 रन बनाये। कैमरन ग्रीन नौ रन, अनुज रावत11 रन बनाकर आउट हुये। महिपाल लोमरोर ने टीम के लिए 13 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्को की मदद से सर्वाधिक 33 रन बनाये। दिनेश कार्तिक चार रन और मोहम्मद सिराज 12 रन बनाकर बनाकर आउट हुये।

लखनऊ के गेंदबाजों ने बेंगलुरु की टीम 19.4 ओवर में 153 रनों पर समेट दिया। लखनऊ की ओर से मयंक यादव ने तीन विकेट लिये। नवीन उल हक को दो विकेट मिले। मनीमारन सिद्धार्थ, यश ठाकुर और मार्कस स्टॉयनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत के लिय 182 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। लखनऊ की क्विंटन डिकॉक और कप्तान के एल राहुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। छठें ओवर में मैक्सवेल ने डागर के हाथों राहुल को कैच आउट कराया। राहुल ने 14 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 20 रन बनाये। वहीं क्विंटन डिकॉक ने 56 गेंदों में आठ चौके और पांच छक्कों की मदद से 81 रनों की पारी खेली। नौवें ओवर सिराज ने देवदत्त पड़िक्कल छह रन आउट कर पवेलियन भेज दिया। मार्कस स्टॉयनिस ने 15 गेंदों में एक चौके और दो छक्कें की मदद से 24 रनों की पारी खेली।

बिसलरी 4 टीमों का बना हाइड्रेशन पार्टनर

नई दिल्ली। देश के प्रमुख बोतलबंद पीने का पानी, बिसलरी इंटरनेशनल ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटन्स, मुंबई इंडियन्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में साझेदारी की घोषणा की। कंपनी के सेल्स एंड मार्केटिंग निदेशक तुषार मल्होत्रा ने कहा "पांच जानी-मानी क्रिकेट फ्रेंचाइजी के साथ क्रिकेट के इस मौसम में प्रवेश करते हुए हम बेहद खुश हैं। बिसलेरी हैशडिंक्रइटअप के तहत हम एक मार्केटिंग कैम्पेन शुरू करने वाले हैं। इसमें हमारे साझेदार टीमों के खिलाड़ियों की तस्वीरों वाला सीमित-एडिशन पैक दिखाया जाएगा।

लखनऊ 181/5 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 10

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
डिकॉक का डागर बो टॉप्ली	81	56	8/5
राहुल का डागर बो मैक्सवेल	20	14	0/2
पडिक्कल का रावत बो सिराज	06	11	0/0
स्टोइनिस का डागर बो मैक्सवेल	24	15	1/2
निकोल्स पूरन नाबाद	40	21	1/5
बडोनी का डुप्लेसिस बो दयाल	00	03	0/0
कृणाल पंड्या नाबाद	00	00	0/0

गेंदबाजी : टॉप्ली 4-0-39-1, दयाल 4-0-24-1, सिराज 4-0-47-1, मैक्सवेल 4-0-23-2, डागर 2-0-23-0, ग्रीन 2-0-25-0

बेंगलुरु 153/10 — 19.4 ओवर, अतिरिक्त : 11

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
कोहली का पडिक्कल बो सिद्धार्थ	22	16	2/1
फाफ डु प्लेसी रनआउट पडिक्कल	19	13	3/0
रजत पाटीदार का पडिक्कल बो मयंक	29	21	2/2
ग्लेन मैक्सवेल का पूरन बो मयंक	00	02	0/0
कैमरन ग्रीन बो मयंक	09	09	1/0
अनुज रावत का पडिक्कल बो स्टोइनिस	11	21	0/0
महिपाल लोमरोर का पूरन का यश ठाकुर	33	13	3/3
दिनेश कार्तिक का राहुल बो नवीन-उल-हक	04	08	0/0
मयंक डागर रन आउट पूरन	00	01	0/0
रीस टॉप्ले	03	06	0/0
मोहम्मद सिराज	12	08	0/2

गेंदबाजी : एम सिद्धार्थ 3-0-21-1, कृणाल 1-0-10-0, नवीन उल हक 3.4-0-25-2, मयंक 4-0-14-3, बिश्नोई 3-0-33-0, यश ठाकुर 4-0-38-1, स्टोइनिस 1-0-9-1

कोलकाता नाइट राइडर्स की चुनौती के लिए तैयार है दिल्ली कैपिटल्स

विशाखापत्तनम, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स की नजरें बुधवार को आईपीएल के मैच में यह साबित करने पर लगी होंगी कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत कोई तुक्का नहीं थी जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स की नजरें जीत की हैट्रिक पर लगी होंगी। दिल्ली ने रविवार को गत चैम्पियन चेन्नई को 20 रन से हराया जो इस सत्र में उनकी पहली जीत थी। अब उनका सामना केकेआर से है जिसके बल्लेबाजों ने 29 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के गेंदबाजों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था।

दिल्ली के लिये आस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और पृथ्वी साव पर अच्छी शुरूआत देने की जिम्मेदारी होगी। इस बीच ऋषभ पंत ने पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद अपने पुराने फॉर्म में लौटते हुए 32 गेंद में 51 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स और आस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श भी विरोधी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में माहिर हैं। स्टब्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया और टीम उनसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद कर रही होगी। मार्श ने अभी तक उस तरह की बल्लेबाजी नहीं की है जिसके लिये वह जाने जाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया को अभी तक लय नहीं मिली है जो चोट के कारण लंबे समय बाद लौटे हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतिश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा। **दिल्ली कैपिटल्स :** ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स। **मैच का समय :** शाम 7.30 से।

बांग्लादेश से दूसरा टेस्ट जीतने की दहलीज पर श्रीलंका

चटगांव (बांग्लादेश)। श्रीलंका ने 511 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे बांग्लादेश का स्कोर मंगलवार को यहां सात विकेट पर 268 रन करके दूसरे टेस्ट में जीत और श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने की ओर कदम बढ़ाए। तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा, बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या और कामचलाऊ गेंदबाज कामिंदु मेंडिस ने दो-दो विकेट चटकाकर दूसरे टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। दिन का खेल खत्म होने पर मेहदी हसन 49 गेंद में सात चौकों की मदद से 44 जबकि ताइजुल इस्लाम 10 रन बनाकर खेल रहे थे। बांग्लादेश की टीम को जीत के लिए अब भी 243 रन की दरकार है और उसकी हार तय नजर आ रही है।

आईपीएल मैच का बदला कार्यक्रम : बीसीसीआई

नयी दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के घरेलू मैच को मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन 16 अप्रैल को कराने का फैसला किया गया जबकि गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच अहमदाबाद में होने वाले मैच के कार्यक्रम में भी बीसीसीआई ने बदलाव किया है।

पीटीआई ने सोमवार को अपनी खबर में कहा था कि केकेआर और रॉयल्स के बीच 17 अप्रैल को होने वाले मुकाबले के कार्यक्रम में राम नवमी के कारण बदलाव लगभग तय है। बीसीसीआई ने हालांकि इन दोनों मैच के कार्यक्रम में बदलाव का कोई कारण नहीं बताया। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 17 अप्रैल 2024 को होने वाला मुकाबला अब एक दिन पहले 16 अप्रैल 2024 को होगा।'' बोर्ड ने कहा, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को पहले गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच 16 अप्रैल 2024 को मैच की मेजबानी करनी थी। यह मुकाबला अब 17 अप्रैल 2024 को होगा।'' पता चला है कि कोलकाता पुलिस ने आईपीएल के 17वें सत्र के केकेआर के तीसरे घरेलू मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई।

बॉलीवुड हलचल

दोस्त उड़ाते थे शक्ल का मजाक, आज अजय देवगन हैं बॉलीवुड के सुपरस्टार

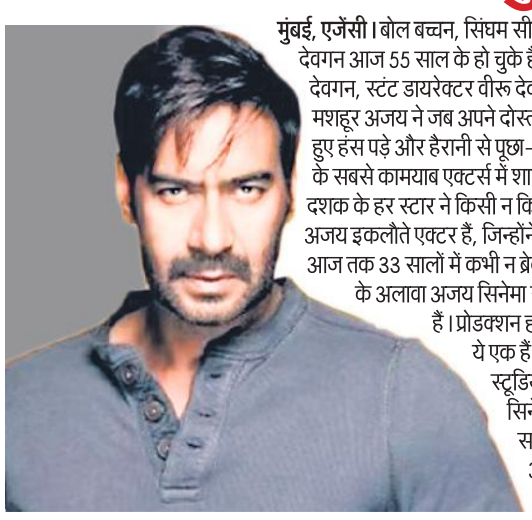

मुंबई, एजेंसी। बोल बच्चन, सिंघम सीरीज, शिवाय जैसी सुपरहिट फिल्में देने वाले अजय देवगन आज 55 साल के हो चुके हैं। सांवली रंगत और भारी आवाज वाले अजय देवगन, स्टंट डायरेक्टर वीरू देवगन के बेटे हैं। कभी गुंडागर्दी के लिए कॉलेज में मशहूर अजय ने जब अपने दोस्तों से कहा कि वो हीरो बनेंगे, तो दोस्त मजाक उड़ाते हुए हंस पड़े और हैरानी से पूछा- तू हीरो बनेगा? आज यही अजय देवगन बॉलीवुड के सबसे कामयाब एक्टर्स में शामिल हैं। शाहरुख हों, सलमान हों या आमिर, 90 दशक के हर स्टार ने किसी न किसी साल फ्लॉप फिल्में दीं या ब्रेक लिया, लेकिन अजय इकलौते एक्टर हैं, जिन्होंने 1991 की फिल्म फूल और कांटे से डेब्यू के बाद आज तक 33 सालों में कभी न ब्रेक लिया न बिना हिट दिए साल गुजारा। 122 फिल्मों के अलावा अजय सिनेमा से जुड़ी फ्यूचरिस्टिक अप्रोच के लिए भी चर्चा में रहते हैं। प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत करने वाले शुरुआती एक्टर्स में से ये एक हैं। अजय भारत के पहले एक्टर हैं, जिन्होंने वीएफएक्स स्टूडियो की शुरुआत की। अब अजय थिएटर चेन एनवाई सिनेमा के भी मालिक हैं। 600 करोड़ के इन्वेस्टमेंट के साथ अजय फिलहाल 65 प्लस थिएटर्स के मालिक हैं और आने वाले सालों में वो इस बिजनेस को एक्सपैंड कर देशभर में 250 स्क्रीन्स के मालिक बनने वाले हैं।

जैजी बी ने महिलाओं के लिए गाने में यूज किया आपत्तिजनक शब्द

मुंबई, एजेंसी। पॉपुलर पंजाबी सिंगर जैजी बी विवादों में फंस गए हैं। उनके एक नए गाने की वजह से विवाद खड़ा हो गया है। खबर है कि इस सॉन्ग की वजह से विवाद गहरा गया है और अब मामला महिला आयोग में चला गया है। दरअसल, सिंगर का नया गाना 'मड़क शौकीनां दी' को हाल ही में रिलीज किया गया है। इसे एक हफ्ते पहले यूट्यूब पर रिलीज किया गया था और अब तक ये 3 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोरने में सफल हो चुका है लेकिन इसी बीच ये विवादों में आ गया है। इस गाने पर आरोप है कि इसमें महिलाओं के लिए अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया है। इस पर महिला आयोग की ओर से एक्शन लिया गया है और पंजाब पुलिस की ओर से इस पर एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट मांगी गई है। जैजी बी के गाने 'मड़क शौकीनां दी' से जुड़े विवाद की बात की जाए तो इसके लिरिक्स उन्होंने खुद लिखे हैं। इसमें महिलाओं के लिए 'भेड़' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इसे लेकर महिला आयोग पंजाबी सिंगर जैजी पर खफा हो गया है। इसके बाद आयोग की ओर से जैजी के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने की मांग की जा रही है। गाने के विरोध में बरनाला, पंजाब में जैजी बी का पुतला भी जलाया गया।

शो में सिद्धू बनकर कपिल शर्मा ने अर्चना पूरन सिंह को गोद में बिठाया

मुंबई, एजेंसी। रणबीर कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर स्पेशल 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के प्रीमियर एपिसोड के बाद, कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपकमिंग दूसरे एपिसोड की एक झलक पेश की है। इस बार, सुर्खियों में क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर हैं, जो अपने मजाक और अनसुने किस्सों से शो की रौनक बढ़ा रहे हैं। प्रमोशनल क्लिप एयरहोस्टेस के रूप में कृष्णा अभिषेक के साथ शुरू होती है, जो दोनों क्रिकेट सितारों रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के साथ छेड़खानी करते हैं। रोहित अपने साथी साथियों पर मज़ाकिया कटाक्ष करते हैं और उन्हें 'सुस्त मुर्गे' कहते हैं, जबकि श्रेयस सीनियर खिलाड़ियों की एंटरटेनिंग स्टोरीज शेयर करते हैं। टीज़र में क्रिकेटर्स को कपिल और उनकी टीम के साथ क्रिकेट खेलते हुए दिखाया गया है। कपिल पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू बनकर पहुंचते हैं, जो उनके पिछले शो, कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में अर्चना पूरन सिंह की जगह नजर आते थे। शो में अक्सर कपिल सिद्धू को नाम लेकर अर्चना को चिढ़ाते हैं और इस बार तो वो सिद्धू बनकर अर्चना की सीट पर जाकर बैठ जाते हैं और अर्चना उनकी गोद में होती हैं। पिछले एपिसोड में कपूर परिवार के सदस्यों ने कपिल शर्मा के साथ हल्के-फुल्के पल साझा किए थे। रणबीर कपूर ने उस समय को याद किया जब उनके पिता, दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर ने उन्हें अनुशासित किया था। रिद्धिमा और रणबीर ने अपने बचपन के झगड़ों को याद किया, यह एपिसोड दिल छू लेने वाले क्षणों से भरा था। द ग्रेट इंडियन कपिल शो सुनील ग्रोवर की वापसी भी हुई है, जो 2017 के विवाद के बाद कपिल के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। कलाकारों की टोली में राजीव ठाकुर, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और कृष्णा अभिषेक भी शामिल हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने,बरेली,पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

विदेश से एमबीबीएस करने वालों को भी वजीफा

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विदेश से डिग्री लेकर आए छात्रों के साथ नहीं हो भेदभाव, भुगतान का आदेश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विदेश से चिकित्सा की डिग्री लेकर आए छात्रों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। उन्हें भारतीय कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले अपने साथियों की तरह प्रशिक्षण के दौरान वजीफा मिलना चाहिए।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस प्रसन्ना भालचंद्र वरले की पीठ ने कुछ डाक्टरों की ओर से पेश वकील तन्वी दुबे की दलीलों पर गौर किया कि कुछ मेडिकल कालेजों में विदेशी मेडिकल स्नातकों को उनकी प्रशिक्षण के दौरान वजीफा का भुगतान नहीं किया जा रहा है। पीठ ने सोमवार को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से तीन कालेजों का ब्योरा मांगा जिसमें विदेशी चिकित्सा स्नातकों को वजीफा के भुगतान की जानकारी हो। इन कालेज में अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी मेडिकल कालेज, विदिशा, डा. लक्ष्मीनारायण पांडेय सरकारी मेडिकल कालेज, रतलाम और कर्मचारी राज्य बीमा निगम मेडिकल कालेज, अलवर शामिल हैं। अदालत ने कहा कि वजीफा का भुगतान किया जाए। कोर्ट ने कहा आदेश का पालन नहीं किया गया तो सख्त कदम उठाएंगे।

सत्ता परिवर्तन पर वकीलों का पैनल बदल रहे राज्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि तमाम राज्य और केंद्र शासित प्रदेश कभी भी अपने सूचीबद्ध अधिवक्ता बदल सकते हैं लेकिन सभी को एक बात का ध्यान रखना होगा। अपने सूचीबद्ध वकीलों को बदलते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि अदालत के कामकाज पर असर ना पड़े। कोर्ट ने कहा कि अधिवक्ताओं के पैनल को बदलते समय राज्यों को कम से कम छह सप्ताह तक पुराने पैनल को जारी रखना चाहिए। इससे न्यायालयों को स्थगन देने के लिए मजबूर न होना पड़े। इस मामले में न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि एक राजनीतिक दल से दूसरे राजनीतिक दल में सत्ता परिवर्तन के बाद सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अदालत में पेश होने वाले अपने अधिवक्ताओं के पैनल को बदल रहे हैं। इस वजह से कोर्ट को परिवर्तन के आधार पर समय-समय पर स्थगन देना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि यह सच है कि उनके पास अपने सूचीबद्ध अधिवक्ताओं को बदलने की शक्ति है, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कोर्ट के कामकाज पर असर ना पड़े। इसलिए, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसा बदलाव करते समय अधिवक्ताओं के पुराने पैनल को कम से कम छह सप्ताह तक जारी रख सकते हैं। कोर्ट ने इस आदेश की एक प्रति सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रसारित करने का निर्देश दिया है।

कच्चातिवु द्वीप पर 1974 में श्रीलंका से हुआ था समझौता

कच्चातिवु द्वीप का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। वजह है एक आरटीआई आवेदन से निकलकर आई जानकारी। दरअसल, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आरटीआई दायर कर कच्चातिवु के बारे में पूछा था। अब आरटीआई के जवाब में कहा गया है कि सन 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके ने एक समझौता किया था। इसके तहत कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को औपचारिक रूप से सौंप दिया गया था। जानकारी सामने आने के बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर विदेश मंत्री ने इस मुद्दे को उठाया है।

पुनः पाने की उठती रही है मांग

तमिलनाडु की तमाम सरकारें 1974 के समझौते को मानने से इनकार करती रहीं और श्रीलंका से द्वीप को दोबारा प्राप्त करने की मांग उठाती रहीं। 1991 में तमिलनाडु विधानसभा द्वारा समझौते के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया गया जिसके जरिए द्वीप को पुन: प्राप्त करने की मांग की गई थी। 2008 में तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गईं और कच्चातिवु समझौतों को रद्द करने की अपील की। उन्होंने कहा था कि कच्चातिवु उपहार में देने वाले देशों के बीच दो संधियां असंवैधानिक हैं। इसके अलावा साल 2011 में जयललिता ने एक बार फिर से विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराया। मई 2022 में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने मोदी की मौजूदगी में एक समारोह में मांग की थी कि कच्चातिवु द्वीप को भारत में पुन: प्राप्त किया जाना चाहिए।

कहां स्थित है यह द्वीप

कच्चाति वु पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। 285 एकड़ हरित क्षेत्र 1976 तक भारत का था। हालांकि, श्रीलंका और भारत के बीच एक विवादित क्षेत्र है, जिस पर आज श्रीलंका हक जताता है। दरअसल, साल 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने समकक्ष श्रीलंकाई राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके के साथ 1974-76 के बीच चार समुद्री सीमा समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। इन्हीं समझौते के तहत कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया गया।

क्या है कच्चातिवु द्वीप का इतिहास

कच्चातिवू द्वीप का निर्माण 14वीं शताब्दी में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण हुआ था। यह कभी 17वीं शताब्दी में मदुरई के राजा रामानद के अधीन था। ब्रिटिश शासनकाल में यह द्वीप मद्रास प्रेसीडेंसी के पास आया। 1921 में श्रीलंका और भारत दोनों ने मछली पकड़ने के लिए भूमि पर दावा किया और विवाद अनसुलझा रहा। आजादी के बाद इसे भारत का हिस्सा माना गया। साल 1974 में 26 जून को कोलंबो और 28 जून को दिल्ली में दोनों देशों के बीच इस द्वीप के बारे में बातचीत हुई। इन्हीं दो बैठकों में कुछ शर्तों के साथ इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया। तब शर्त यह रखी गई कि भारतीय मछुआरे अपना जाल सुखाने के लिए इस द्वीप का इस्तेमाल कर सकेंगे और द्वीप में बने चर्च में भारत के लोगों को बिना वीजा के जाने की अनुमति होगी। समझौतों ने भारत और श्रीलंका की अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा चिह्नित कर दी। हालांकि इस समझौते का तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने तीखा विरोध किया था।

एक नजर

मुंबई में रासायनिक संयंत्र में लगी आग, दो फैक्ट्रियां खाक

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के नवी मुंबई के एक औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को रासायनिक संयंत्र में आग लग गई, जिससे आसपास की दो अन्य फैक्ट्रियां जलकर खाक हो गईं। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि पावने-कॉपरखैरने में एमआईडीसी में रासायनिक फैक्ट्री में सुबह आग लगी, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि एमआईडीसी से अग्निशमन सेवाएं और कॉपरखैरने के आसपास के अग्निशमन केंद्रों की 14 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और चार घंटे तक आग पर काबू पाने को लेकर मशक्कत की। रसायन लीक होने से आग लगने का कारण बताया गया है। आगे की जांच जारी है।

चोरी के शक में युवक को पीटा, मौत सबूत मिटाने के लिए शव जलाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी में 38 साल के युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी, बाद सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैसल गई। वारदात के 10 दिन बाद मृतक की मां की तहरीर पर शिमला के बालूगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। शिमला से सटे सुन्नी की बझोल निवासी तारा देवी ने शिकायत में कहा कि उसका बेटा टीकमचंद पिछले आठ-नौ सालों से खरयाड़ में सेवानन्द के घर में मजदूरी का काम करता था। 22 मार्च को सेवानन्द की पत्नी प्रभा ने इसे फोन कर बताया कि टीकमचंद की गिरने के कारण मौत हो गई है और शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। जबकि, पुलिस को स्थानीय लोगों से जानकारी मिली कि, शक में गांव वालों ने हत्या कर दी है, शव जला दिया। एसएसपी संजीव गांधी ने कहा- मामले की जांच की जा रही है।

टिकट न होने पर यात्री ने टीटीई को चलती ट्रेन से दिया धक्का, मौत

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार को बिना टिकट यात्रा कर रहे एक यात्री ने टीटीई के आपत्ति जताने पर उसे चलती ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एर्नाकुलम से पटना जा रही ट्रेन में हुई में टीटीई के . विनोद ने यात्री से टिकट मांगा तो उसने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। पुलिस ने कहा- आरोपी यात्री को पलक्कड से पकड़ लिया, वह एक प्रवासी मजदूर है। पुलिस ने कहा- यह संदेह है कि टीटीई के रेल पटरी पर गिरने के बाद विपरीत दिशा में जा रही एक अन्य ट्रेन ने उसे कुचल दिया, जिससे मौत हो गई।

खतरे में बुशरा की जान, इमरान ने जहर देने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को मारने की साजिश रची जा रही है। इमरान का दावा है कि उनकी पत्नी को जहर दिया गया था। दरअसल, बुशरा बीबी अपने ही निजी आवास जिसे प-जेल में बदल दिया गया है, पर अपनी सजा काट रही है। इमरान ने कहा कि अगर उनकी पत्नी को कोई नुकसान होता है तो सेना प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

चीन का बढ़ता दुस्साहस... नाम बदलने से वास्तविकता नहीं बदलेगी

भारत की दो टूक- अरुणाचल के 30 शहरों को दिए चीनी नाम अस्वीकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि नाम बदलने के प्रयास से इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा।

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 30 शहरों के नए नामों की चौथी सूची जारी करने के बाद मंत्रालय ने अपना बयान जारी किया। मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा, चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने के प्रयासों पर कायम है। हम चीन द्वारा किए गए इन प्रयासों को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं। स्थानों का नाम बदलने से यह वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इससे पहले 28 मार्च को भारत ने कहा था कि चीन अपने निराधार दावों को दोहरा सकता है। बता दें, पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ है जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदला हो। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया था। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। दरअसल, चीन की तरफ से अक्सर दावा किया जाता है कि अरुणाचल प्रदेश उसका हिस्सा है।

भारत भी तिब्बत के 60 स्थानों को दे अपने नाम, चीन पर भड़के हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को भारत सरकार से आग्रह किया कि वह अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयासों के जवाब में जैसे को तैसा वाला रवैया अपनाए। सरमा ने सुझाव दिया की भारत को तिब्बत के साठ क्षेत्रों के लिए खुद के नाम देकर इसका मुकाबला करना चाहिए। सरमा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि हमें भी तिब्बत के 60 इलाकों को भौगोलिक नाम देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाब हमेशा जैसे को तैसा होना चाहिए। लेकिन मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि यह भारत सरकार का नीतिगत फैसला है। लेकिन अगर उन्होंने 30 का नाम लिया है तो हमें 60 का नाम लेना चाहिए। चीन ने हाल ही में अरुणाचल पर अपने दावे को जोर दिया है और विभिन्न स्थानों के 30 नामों की चौथी सूची जारी की थी।

अरुणाचल पर भारत की प्रतिक्रिया कमजोर और लचर : कांग्रेस

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों का नाम बदले जाने पर कांग्रेस ने भारत की प्रतिक्रिया कमजोर और लचर बताया है। मंगलवार को आरोप लगाया कि जयशंकर की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी जो सरकार एवं विदेश मंत्री को शोभा नहीं देती। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने दावा किया कि जो लोग कच्चातिवु पर आवाज बुलंद करते हैं वो चीन का नाम लेने से भी डरते हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारत की कितनी जमीन मई, 2020 के बाद से चीन के नियंत्रण में है, मोदी सरकार ने उस जमीन को खाली क्यों नहीं कराया? चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 30 नए नाम जारी किए जाने के कुछ दिन बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा था कि अरुणाचल एक भारतीय राज्य था, है, और भविष्य में भी रहेगा।

सरहद पर सेना पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी

- राजनाथ बोले- शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर तमाम बयानबाजी कर रहा है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव जारी रहने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरहद पर भारतीय सेना पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी है। शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने रक्षा और सुरक्षा को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए सेना के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेना का अहम योगदान है। राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की और कहा कि उसके प्रयासों से पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सड़क संचार में एक बड़ा सुधार आया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा कि उत्तरी सीमाओं पर मौजूदा स्थिति पर राजनाथ सिंह ने पूरा विश्वास जताया और सरहद पर मौजूद सैनिकों की सराहना की है। गौरतलब है कि भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ क्षेत्रों को लेकर लगभग चार वर्षों से गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। पाकिस्तान से सटी सीमा का जिक्र करते हुए राजनाथ ने कहा कि सीमा पार आतकंवाद को रोका है। हालांकि सरहद पार से अभी भी छद्म युद्ध जारी है।

नई दिल्ली में मंगलवार को आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मौजूद रहे सीडीएस अनिल चौहान और सेना प्रमुख मनोज पांडे।

भारत को जरूर मिलेगी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता : एस. जयशंकर

गांधीनगर। भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता जरूर मिलेगी लेकिन इसके लिए एक बात का ध्यान रखना होगा। इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत है। ये बातें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुजरात के राजकोट बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत के दौरान बताई। दरअसल इस दौरान दर्शकों ने विदेश मंत्री से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता को लेकर भारत की संभावनाओं के बारे में सवाल पूछा था। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन लगभग 80 साल पहले हुआ, जब चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसकी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया में लगभग 50 स्वतंत्र देश थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 193 हो गई है, लेकिन अब भी पांच देशों ने परिषद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है। जयशंकर ने कहा कि अब दुनिया भर में यह मांग उठ रही है कि परिषद में बदलाव होना चाहिए और भारत को एक स्थायी सीट मिलनी चाहिए।

रथ खींचने की मची होड़...

मथुरा: वृन्दावन के रंग जी मन्दिर के ब्रम्होत्सव में भगवान रंगनाथ की जय के साथ रथ खींचने की भक्तों में होड़ मच गई। जिसे रथ खींचने का मौका मिल गया धन्य हो गया और जिसे नही मिला उसने दूर से ही भगवान रंगनाथ को प्रणाम कर स्वयं को धन्य किया। इससे पहले 60 फीट ऊंचे रथ पर विराजमान भगवान रंगनाथ की रथ चलने के पहले वैदिक मंत्रो एवं शंखध्वनि के बीच आरती उतारी गई। बता दें, मन्दिर का 176वां ब्रम्होत्सव था और रथ भी इतना ही पुराना और चन्दन की लगड़ी का बना हुआ है। ● एजेंसी

गठबंधन के लिए 'इंडिया' नाम के उपयोग पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने आई. एन. डी. आई. ए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) का उपयोग करने से रोकने की मांग याचिका पर केंद्र और कई विपक्षी दलों को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 'इंडिया' नाम का उपयोग करके पार्टियां हमारे देश के नाम पर अनुचित लाभ ले रही हैं।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि जनहित याचिका पर एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए। अदालत ने कहा 10 अप्रैल को सुनवाई और निपटारा करने का प्रयास किया जाएगा। याचिकाकर्ता गिरीश भारद्वाज ने इस आधार पर मामले की जल्द सुनवाई की मांग की गई थी कि याचिका अगस्त 2023 से लंबित है और दलीलें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं।

दिल्ली में तेज रफ्तार मर्सिडीज बेकाबू, कचौरी की दुकान में घुसी

- सिविल लाइंस में हुआ हादसा, पांच लोग घायल, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में एक तेज रफ्तार मर्सिडीज एसयूवी कार कचौरी की दुकान में जा घुसी। हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं। घटना रविवार दोपहर करीब 3 बजे की है। वीडियो के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जिसमें एक कार अचानक दुकान के बाहर खड़े लोगों को टक्कर मारते हुए दुकान में घुस जाती है।

आरोपी पराग मैनी नोएडा के सेक्टर 79 का रहने वाला है। आरोपी वकील है और हादसे के समय उसकी पत्नी भी कार में मौजूद थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि कार पर नियंत्रण खोने की वजह से हादसा हुआ। आरोपी ड्राइवर नशे में नहीं था, हालांकि आरोपी के ब्लड सैंपल सुरक्षित रख लिए गए हैं। पुलिस ने कहा मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दुकान के मालिक नंद किशोर ने कहा कि दुर्घटना में वह बाल-बाल बच गए, उन्होंने कहा, मैं जैसे ही दुकान से बाहर निकला एसयूवी गाड़ी दुकान में जा घुसी। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि इस हादसे में कचौरी की दुकान के बराबर में स्थित एक अन्य दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है और आरोपी की कार भी जब्त कर ली है। आगे की कार्रवाई जारी है।

चुनाव के बाद सुधर सकते हैं भारत पाकिस्तान के रिश्ते

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत में आम चुनाव के बाद रिश्ते बेहतर होने की उम्मीद जताई है। सोमवार को इस्लामाबाद में संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए आसिफ ने कहा, भारत में चुनाव के बाद हमारे संबंध बेहतर हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की अपनी अपनी पृष्ठभूमि है। इस्लामाबाद और नई दिल्ली के बीच तनावपूर्ण संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसका मुख्य कारण कश्मीर मुद्दा और साथ ही पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाला सीमा पार आतंकवाद है। बता दें, जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद करने पर पाकिस्तान ने अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया।

अमेरिका में भारतवंशी सांसदों ने हिंदुओं पर हमले का मांगा ब्योरा

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने न्याय विभाग और संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) से इस साल देश में हिंदुओं के खिलाफ हुए घृणा आधारित अपराधों और मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं का विवरण मांगा है।

इन सांसदों में राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और अमी बेरा शामिल हैं। इन्होंने न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग के क्रिस्टन क्लार्क को लिखा, न्यूयॉर्क से लेकर कैलिफोर्निया तक मंदिरों पर हमलों की घटनाओं ने हिंदू अमेरिकियों को गहरी चिंता में डाल दिया है। उन्होंने कहा, समुदायों के नेताओं ने चिंता व्यक्त की है कि इन घटनाओं में शामिल संदिग्धों का कोई सुराग नहीं है, जिससे कई लोग डर और भय में जी रहे हैं। हमारे समुदाय इन पक्षपात-प्रेरित अपराधों में कानून प्रवर्तन समन्वय को लेकर चिंतित हैं।

विज्ञान वैज्ञानिकों ने इस नई खोज का नाम तारकीय दिया, जिसमें खत्म होता तारा अपने ग्रहों की हत्या कर रहा

दूर के सौर मंडल में खत्म होते ग्रह की खोज

नैनीताल, कार्यालय

अमृत विचार : पृथ्वी समेत हमारे सौर मंडल के ग्रहों का अस्तित्व व अंत सूर्य पर निर्भर है। हालही में वैज्ञानिकों ने दूर के एक सौर मंडल मे ग्रहों का अंत होते देखा है। खोज में तारा अपने ग्रह को खत्म कर रहा है। इस खोज से हमारे सौर मंडल के अंत की जानकारी मिलती है।

वैज्ञानिकों ने इस नई खोज का नाम तारकीय हत्या दिया है। जिसमें खत्म होता तारा अपने ग्रहों की हत्या कर रहा है। हमारा सूर्य सबसे अच्छा मित्र और सबसे बड़ा शत्रु दोनों है। यही सिद्धान्त प्रत्येक सौर मंडल से जुड़ा हुआ है। जिसकी पुष्टि इस खोज में हुई है। दरअसल सभी सौर मंडल के अन्य ग्रह सूर्य के समान गैस और धूल के बादल से बने हुए होते हैं। इसके प्रकाश के बिना पृथ्वी पर कोई जीवन नहीं हो सकता।

दूसरी ओर, एक दिन ऐसा आएगा जब सूर्य पृथ्वी पर सारा जीवन समाप्त कर देगा और अंततः पृथ्वी को ही नष्ट कर देगा। हमारे ग्रह का अंत होने में अभी लगभग पाँच अरब वर्ष का समय लगेगा। यह घटना तब होगी, जब सूर्य एक लाल दानव में परिवर्तित हो जाएगा।

ग्रहों के खत्म होने की यह खोज डीओआई 10.1038/ डी41586-024-00847-6 नामक आकाशगंगा में हुई है। हालाकि इससे पहले भी किसी तारे द्वारा अपने ग्रहों को नष्ट करने के संकेत पहले भी मिलते रहे हैं। मगर इस खोज से यह जानकारी मिलती है कि किसी सौर मंडल के खत्म होने के बाद क्या होता है। सौर मंडल के अंत के बाद ग्रह व तारे गैस और धूल के बादल में बदल जाएगा।

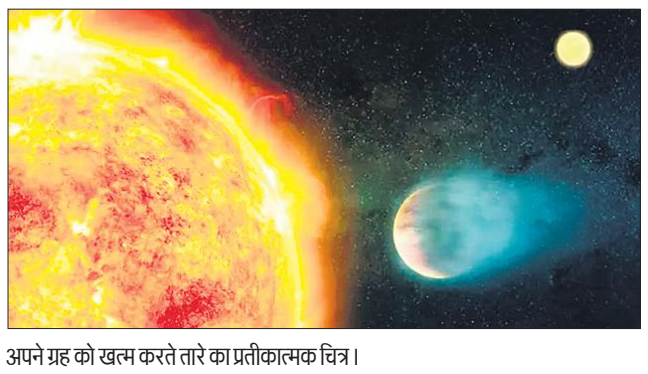

अपने ग्रह को खत्म करते तारे का प्रतीकात्मक चित्र।

ब्रह्मांड के हर वस्तु का अंत निश्चित

ब्रह्मांड में मौजूद किसी भी वस्तु का अंत निश्चित है। आकाशगंगा, तारे, ग्रह, धूमकेतु समेत अन्य सभी वस्तु जन्म लेते हैं और उनका अंत भी हो जाता है। हालांकि इनकी उम्र करोड़ों से अरबों वर्ष होती है। इनकी तुलना में इंसान की उम्र क्षणिक मात्र है।

गाजा में इजराइली हमलों से भारतवंशी महिला समेत 7 की मौत

मेलबर्न। गाजा में इजराइली हमलों से भारतवंशी महिला समेत 'वर्ल्ड सेंट्रल किचन' छह सहायता कर्मियों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पुष्टि करते हुए बताया है कि, जिस समूह पर हमला हुआ था, उसमे भारतीय मूल की लालजावमी फ्रैंककॉम शामिल हैं।

उन्होंने इजराइल सरकार से इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेने की मांग की। उन्होंने कहा, वर्ल्ड सेंट्रल किचन के छह अंतर्राष्ट्रीय सहायता कर्मी युद्धग्रस्त गाजा क्षेत्र में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए स्वेच्छा से काम कर रहे थे। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि इस युद्ध में उन लोगों को मार दिया गया। हम इसके लिए पूर्ण जवाबदेही की मांग करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई पिता और मिजो मां से जन्मी फ्रैंककॉम गाजा में राहत पहुंचाने के मिशन पर काम कर रही थीं, जहां उनकी मौत हो गई।

इजराइल रवाना हुआ भारतीय श्रमिकों का पहला जत्था : गिलोन

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत में इजराइल के राजदूत ने दी जानकारी, जून तक 10 हजार श्रमिकों को भेजने का प्रस्ताव

भारतीय श्रमिकों का पहला जत्था मंगलवार को इजराइल रवाना हुआ है। इस बैच में 60 श्रमिक शामिल हैं। ये श्रमिक इजराइल के निर्माण उद्योग को मजबूती देंगे। जून तक 10 हजार भारतीय श्रमिकों को इजराइल बुलाने का प्रस्ताव दिया गया है।

भारतीय श्रमिकों को फिलीस्तीनी श्रमिकों के स्थान पर काम के लिए भेजा गया है। इजराइल ने इसे दोनों देशों के संबंधों में मील का पत्थर बताया है। इन श्रमिकों को भारत में नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के जरिए ट्रेनिंग दी गई है। इन श्रमिकों को भारत और इजराइल के बीच हुए समझौते के तहत भेजा जा रहा है। भारतीय श्रमिकों के पहले जत्थे की विदाई के मौके पर भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा, आज हमने सरकार से सरकार (जी2जी) समझौते के तहत 60 भारतीय निर्माण श्रमिकों के पहले बैच का विदाई समारोह आयोजित किया। यह राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) सहित कई लोगों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। मुझे यकीन है कि ये श्रमिक इजराइल और भारत के बीच सार्वजनिक-निजी भागीदारी के राजदूत बनेंगे।